नई दिल्ली
मंगलवार 14 जुलाई 2026
आषाढ मास कृष्ण पक्ष,
अमावस्या वर्ष : 30, अंक : 86
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 31
न्यूू. 27

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

आज के ये आयोजन

1 कारगिल विजय दिवसः आज राजधानी से रक्षा मंत्री करेंगे समारोह का आगाज

राष्ट्रीय युद्ध स्मारक से दिखाएंगे बाइक रैली को हरी झंडी, शीर्ष सैन्य अधिकारियों की रहेगी मौजूदगी

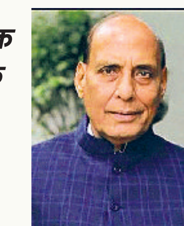

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

कारगिल विजय दिवस की 26 जुलाई को 27वीं वर्षगांठ है। लेकिन उससे पहले देश के सैन्य-सामरिक गलियारों में इसे लेकर मनाए जाने वाले जश्न की व्यापक रूपरेखा तैयार हो गई है। जिसके तहत मंगलवार (14 जुलाई) को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह राष्ट्रीय युद्ध स्मारक (एनडब्ल्यूएम) पर एक बाइक रैली को हरी झंडी प्रदान कर इस बाबत आयोजित किए जाने वाले समारोह की औपचारिक रूप से शुरुआत करेंगे। इस अवसर पर उनके साथ प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल एनएस.राजा सुब्रमणि और सेनाप्रमुख जनरल धीरज सेठ शामिल हो सकते हैं। सूत्रों ने कहा कि इस बाइक रैली के दौरान बाइकर्स का यात्रा मार्ग नई दिल्ली से होकर कारगिल के सुदूर पर्वतीय इलाके पर जाकर समाप्त होगा।

सेना ने पाकिस्तानियों को खदेड़ाः यहां बता दें कि 3 मई से 26 जुलाई 1999 तक यह युद्ध भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कारगिल जिले में भारत-पाकिस्तान नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर लड़ा था। अभियान का कोडनेम 'ऑपरेशन विजय' रखा गया था। जिसमें भारतीय सेना के ▶▶ शेष पेज 5 पर

2 'नमस्ते दिवस' आज, स्वच्छता कर्मियों के सम्मान में देशभर में होंगे कार्यक्रम

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय मंगलवार को तीसरे 'नमस्ते दिवस' का आयोजन करेगा। यह दिवस नेशनल एक्शन फॉर मैकेनाइज्ड सैनिटेशन इकोसिस्टम (नमस्ते) योजना के तीन वर्ष पूरे होने के अवसर पर मनाया जा रहा है। इसका उद्देश्य देशभर के स्वच्छता कर्मियों के योगदान का सम्मान करना और मैनुअल स्कैवेंजिंग को पूरी तरह समाप्त कर सुरक्षित एवं मशीनीकृत स्वच्छता व्यवस्था को बढ़ावा देना है। मंत्रालय के अनुसार मुख्य समारोह कोलकाता के रवीन्द्र सदन में आयोजित किया जाएगा, जहां दिव्य कला मेला भी आयोजित हो रहा है। इसके साथ ही देशभर के शहरी स्थानीय निकाय अपने-अपने क्षेत्रों में समानांतर कार्यक्रम आयोजित करेंगे।'नमस्ते दिवस' उन स्वच्छता कर्मियों को समर्पित है, जो सीवर और सेप्टिक टैंक की सफाई, कचरा संग्रहण और अन्य स्वच्छता कार्यों के माध्यम से सार्वजनिक स्वास्थ्य ▶▶ शेष पेज 5 पर

3 'भारत टेक्स 2026' आज से, 14 देशों की भागीदारी, 20 हजार से अधिक टेक्सटाइल उत्पाद का लगेगा मेला

देश का सबसे बड़ा वैश्विक वस्त्र एवं परिधान आयोजन 'भारत टेक्स 2026' मंगलवार से नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में शुरू होगा। चार दिनों तक चलने वाला यह आयोजन वस्त्र, फैशन, टिकाऊ विकास (सस्टेनेबिलिटी), प्रौद्योगिकी, नवाचार, निवेश और अंतरराष्ट्रीय व्यापार के क्षेत्र में भारत की बढ़ती वैश्विक नेतृत्व क्षमता को प्रदर्शित करेगा। इस प्रतिष्ठित आयोजन में देश-विदेश के वस्त्र निर्माता, निर्यातक, वैश्विक खरीदार, निवेशक, नीति-निर्माता, विभिन्न देशों के प्रतिनिधिमंडल, पारंपरिक शिल्पकार, स्टार्ट-अप और टेक्नोलॉजी प्रदाता एक ही मंच पर जुटेंगे। आयोजन का उद्देश्य वैश्विक स्तर पर व्यापारिक साझेदारियों को बढ़ावा देना और भारतीय वस्त्र उद्योग के लिए नए अवसर सृजित करना है। नई दिल्ली में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए भारत टेक्स ट्रेड फेडरेशन के अध्यक्ष नरेन गोयनका ने बताया कि भारत टेक्स 2026 के तीसरे संस्करण ▶▶ शेष पेज 5 पर

---

1 | जब 'आशुतोष के लिए घर-घर शीश नवाऊंगा' कह कर रो पड़े नरोत्तम

चलिए , मान गए नरोत्तम...यही 'उत्तम' पर, दिल का दर्द आंखों में उमड़ पड़ा

- मुख्यमंत्री डॉ. यादव, प्रदेश अध्यक्ष खंडेलवाल ने कंधे पर हाथ रख बंधाया ढाढस
- मुख्यमंत्री, प्रदेश अध्यक्ष की मौजूदगी में भाजपा प्रत्याशी ने दाखिल किया नामांकन

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

दिल्ली में भाजपा नेतृत्व से मुलाकात न हो पाने से निराश लौटे पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा का धैर्य अंततः जवाब दे गया और भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी की नामांकन रैली के दौरान रो पड़े। मंच पर मौजूद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने उनके कंधे पर हाथ रखा

संभाला और ढाढस बंधाया। नरोत्तम ने कहा कि कांग्रेस ▶▶ शेष पेज 5 पर

मुख्यमंत्री की मौजूदगी में दाखिल किया नामांकन

नामांकन रैली और जनसभा के साथ भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी ने दोपहर करीब ढाई बजे जिला निर्वाचन अधिकारी के सामने जाकर अपना ▶▶ शेष पेज 5 पर

2 | भाजपा में वापसी कर सकते हैं नाराज नायक, नामांकन के समय नहीं थे जीतू पटवारी

'नायक' न बन सके अवधेश कोपमुद्रा में दिग्विजय ने मंच से उनसे मांगी 'माफी'

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

कांग्रेस प्रत्याशी घनश्याम सिंह के नामांकन के दौरान दूसरे प्रमुख दावेदार अवधेश नायक की अनुपस्थित तो चर्चा में रही ही, वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने मंच से उनसे माफी मांग कर सभी को हैरान कर दिया। दिग्विजय ने कहा कि अवधेश जहां कहीं भी हों, मैंने आप के टिकट का विरोध किया था। कारण था कि आप तभी भाजपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए थे। लेकिन, आपने 2023 के विधानसभा चुनाव में दमदारी और ईमानदारी से काम किया। राजेंद्र भारती को जिताया। इसके लिए मैं आपका आभार व्यक्त करता हूं। मैंने कहीं आपका अपमान किया हो तो मैं आपसे माफी ▶▶ शेष पेज 5 पर

---

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

भोजशाला विवादः सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट तैयार

नई दिल्ली। धार जिले के ऐतिहासिक और विवादित भोजशाला परिसर मामले में सुप्रीम कोर्ट सुनवाई के लिए तैयार हो गया है। शीर्ष अदालत मप्र हाई कोर्ट के उस फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर विचार करेगी, जिसमें इस परिसर को देवी सरस्वती का मंदिर घोषित किया गया था। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की पीठ सुनवाई करेगी।

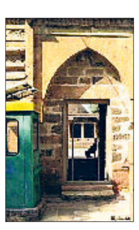

जून में खुदरा महंगाई बढ़कर 4.38 % पर

नई दिल्ली। देश में महंगाई की रफ्तार फिर आम जनता को परेशान करने लगी है। जून महीने के जारी आंकड़ों के मुताबिक, खुदरा महंगाई दर तेजी से बढ़कर 4.38% पर पहुंच गई है। यह लगातार छठा महीना है जब महंगाई दर में बढ़ोत्तरी हुई है। इससे पहले मई में यह दर 3.93% थी। आरबीआई के तय 4% का लक्ष्य पार है।

भाजपा ने सीएम उमर को भेजा नोटिस

जम्मू। भाजपा ने जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला को कथित तौर पर झूठे और मानहानिकारक आरोप लगाने के मामले में 100 करोड़ का नोटिस भेजा है। जम्मू-कश्मीर भाजपा अध्यक्ष व सांसद सतपाल शर्मा की ओर से अधिवक्ता परिमोक्ष सेठ द्वारा जारी नोटिस में सीएम से 7 दिनों में अपने आरोप वापस लेने और बिना शर्त माफी मांगने को कहा गया है।

पॉक्सो एक्ट के दुरुपयोग पर सुप्रीम कोर्ट ने जताई चिंता

किशोरों के आपसी सहमति वाले रिश्तों में एक्ट का दुरुपयोग हो रहा

इज्जत बचाने के लिए माता-पिता दर्ज कराते हैं आपराधिक केस

सर्वोच्च न्यायालय ने सख्त लहजे में सवाल किया कि कोई राज्य किसी लड़के और लड़की को भागने से कैसे रोक सकता है? पॉक्सो एक्ट बच्चों के साथ यौन उत्पीड़न और शोषण को रोकने के लिए है। 15 से 18 साल की उम्र एक संवेदनशील उम्र होती है

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर किशोरों के आपसी सहमति से बने रिश्तों में पॉक्सो एक्ट के गलत इस्तेमाल पर गंभीर चिंता जताई है। जस्टिस बीवी नागरथना और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने कहा कि जब टीनेज लड़कियां अपने पार्टनर्स के साथ परिवार वालों के बिना अनुमति के शादी करने लेतीं हैं, तो माता-पिता अक्सर अपनी तथाकथित 'इज्जत' बचाने के लिए आपराधिक मामले दर्ज करा देते हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने सख्त लहजे में सवाल किया कि कोई राज्य किसी लड़के और लड़की को भागने से कैसे रोक सकता है? पॉक्सो एक्ट बच्चों के साथ यौन उत्पीड़न और शोषण को रोकने के लिए है। 15 से 18 साल की उम्र एक संवेदनशील उम्र होती है, क्या ऐसे मामलों को सच में पॉक्सो के तहत लाना सही है? बता दें कि यह सुनवाई किशोरों के 'निजता के अधिकार' को लेकर कोर्ट द्वारा खुद शुरू किए गए एक मामले पर हो रही थी। दरअसल, कुछ समय पहले कलकत्ता हाई कोर्ट ने एक विवादित टिप्पणी करते हुए कहा था कि किशोर लड़कियों को रिश्तों में पड़ने के बजाय अपनी इच्छाओं पर काबू रखना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने बाद में हाई कोर्ट के इस फैसले को खारिज कर दिया था।

मामले में अगली सुनवाई 17 जुलाई को

कोर्ट ने सरकार को व्यावहारिक समाधान निकालने के दिए निर्देश

स्कूल से ही जागरूक करेंगेः केंद्र

केंद्र सरकार के वकील ने कोर्ट को बताया कि इस समस्या से निपटने के लिए एक बड़ा प्लान तैयार किया गया है। केंद्र सरकार के वकील के अनुसार कक्षा 6 से ही बच्चों को उनकी उम्र के हिसाब से पॉक्सो एक्ट और किशोर शिक्षा के बारे में जागरूक किया जाएगा। हालांकि जब वकील ने सुझाव दिया कि पॉक्सो मामलों की निगरानी के लिए केंद्र सरकार का एक डैशबोर्ड होना चाहिए, तो सुप्रीम कोर्ट ने इसे खारिज कर दिया।

काशी, मथुरा और संभल विवाद मामला

हिंदू-मुस्लिम पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट की मध्यस्थता का प्रस्ताव ठुकराया, कहा- केस लड़कर फैसला चाहते

यूपी के तीन मंदिर-मस्जिद विवादों को लेकर हिंदू और मुस्लिम पक्ष ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट की मध्यस्थता का प्रस्ताव ठुकरा दिया है। ये विवाद वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद, मथुरा की श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह और संभल की शाही जामा मस्जिद से जुड़े हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इन मामलों के शांतिपूर्ण समाधान के लिए 'समाधान समारोह 2026' पहल के तहत लेटर भेजकर मध्यस्थता का प्रस्ताव दिया था और दोनों पक्षों से सहमति मांगी थी। किसी भी पक्ष ने इसके लिए सहमति नहीं दी। दोनों पक्षों ने कहा है कि वे अदालत में ही केस लड़कर फैसला चाहते हैं। दरअसल सुप्रीम कोर्ट परिसर में 21 से ▶▶ शेष पेज 5 पर

असम में विदेशी घोषित 27 लोगों को राहत हाईकोर्ट का फैसला रद्द

सुप्रीम कोर्ट बोला नागरिकता का फैसला निष्पक्ष प्रक्रिया से हो दोबारा सुनवाई होगी

सुप्रीम कोर्ट ने असम के 27 लोगों को विदेशी घोषित करने से जुड़े मामलों में गुवाहाटी हाईकोर्ट के फैसले रद्द कर दिए। कोर्ट ने कहा कि किसी व्यक्ति की नागरिकता या विदेशी होने का फैसला निष्पक्ष, कानूनी और उचित प्रक्रिया के तहत ही होना चाहिए। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने कहा कि यह संविधान और कानून से जुड़ा बेहद महत्वपूर्ण विषय है। सभी मामले दोबारा सुनवाई के लिए फॉरेनर्स ट्रिब्यूनल को भेज दिए गए है।

अंतिम फैसला ट्रिब्यूनल करेगा

फॉरेनर्स ट्रिब्यूनल सभी मामलों की नए सिरे से सुनवाई करेगा। सुनवाई के दौरान वह अपने पहले के आदेश या गुवाहाटी हाईकोर्ट की टिप्पणियों से प्रभावित हुए बिना स्वतंत्र रूप से फैसला ▶▶ शेष पेज 5 पर

ग्राम पंचायतों के लिए जल बजट निर्धारण पर राष्ट्रीय मास्टर ट्रेनर्स कार्यक्रम हुआ शुरू

- जल सुरक्षा पुस्तिका जारी, प्रथम चरण में 10 राज्यों, 100 जिलों और 1,000 ग्राम पंचायत शामिल
- नई दिल्ली में 13 से 16 जुलाई तक चार दिवसीय आवासीय कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पंचायती राज मंत्रालय ने ग्राम पंचायतों द्वारा जल बजट एवं जल सुरक्षा योजना तैयार करने के लिए राष्ट्रीय स्तर मास्‍टर ट्रेनर्स के पहले प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन नई दिल्‍ली में 13 से 16 जुलाई तक चार दिवसीय आवासीय कार्यक्रम के रूप में किया है। यह कार्यक्रम राज्य, जिला और ब्लॉक स्तर पर मास्टर ट्रेनर्स का एक पूल तैयार करने के लिए देशव्‍यापी क्षमता निर्माण पहल की शुरुआत है। ये प्रशिक्षक तकनीकी रूप से सुदृढ़, साक्ष्य-आधारित ▶▶ शेष पेज 5 पर

भाजपा ने पूछा कहां गायब है वायनाड के 'दो सांसद', राहुल-प्रियंका को बताया लापता

भाजपा प्रवक्ता त्रिवेदी बोलेः भूस्खलन में कई लोगों की मौत के बावजूद कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वायनाड की जनता से दूर

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भाजपा ने केरल के वायनाड में सात जुलाई के भूस्खलन में कई लोगों की मौत के बावजूद कांग्रेस नेताओं राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा के प्रभावित क्षेत्र में नहीं जाने पर सोमवार को उन पर निशाना साधा। भाजपा ने कहा कि उनकी असंवेदनशीलता और उदासीनता के लिए गांधी परिवार को स्पष्ट रूप से माफी मांगनी चाहिए। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और राज्यसभा सदस्य सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि राहुल गांधी, जिन्होंने वायनाड सीट छोड़ने से पहले लोकसभा में इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया था, ने वादा किया था कि प्रियंका गांधी ▶▶ शेष पेज 5 पर

महिला क्रिकेट में भारत लॉर्ड्स पर कोई टेस्ट मैच जीतने वाला पहला देश बना

टीम इंडिया की ऐतिहासिक जीत

हमारी बेटियां लड़कों से बेहतर, इंग्लैंड से गंभीर और अय्यर का लिया 'बदला'

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत ने इंग्लैंड को 270 रनों से हरा दिया है। 142 साल के इतिहास में यह लॉर्ड्स मैदान पर सबसे पहला महिला टेस्ट मैच था, जिसे जीतकर भारतीय महिला टीम ने इतिहास रच डाला है। चौथी पारी में मेजबान इंग्लैंड को 457 रनों का लक्ष्य मिला था, लेकिन अंग्रेज टीम 186 रनों पर ऑलआउट हो गई। पहली पारी में 115 रनों की विशाल बढ़त कायम करने के बाद टीम इंडिया ने दूसरी पारी 341 के स्कोर पर घोषित कर दी थी। 457 रनों के लक्ष्य का पीछा करने आई इंग्लैंड की हार तीसरे ही दिन लगभग पक्की हो गई थी, क्योंकि उसके 5 विकेट सिर्फ 59 ▶▶ शेष पेज 5 पर

इस तरह जीत की खुशी जतातीं घुवारा की बेटी क्रांति गौड़

क्रांति और यास्तिका रहीं जीत की हीरो

भारत की इस ऐतिहासिक जीत में क्रांति गौड़ और यास्तिका भाटिया का सबसे बड़ा योगदान रहा। दरअसल, पहली पारी में क्रांति गौड़ ने 5 विकेट ▶▶ शेष पेज 5 पर

दिल्ली दंगा

आईबी अधिकारी अंकित शर्मा हत्याकांड में ताहिर हुसैन और चार अन्य दोषी करार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली की एक अदालत ने सोमवार को आम आदमी पार्टी के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन और चार अन्य लोगों को 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुए दंगे के दौरान खुफिया ब्यूरो (आईबी) के अधिकारी अंकित शर्मा की हुई सनसनीखेज हत्या का दोषी ठहराया। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश प्रवीण सिंह ताहिर हुसैन समेत कुल 11 आरोपियों के मामले की सुनवाई कर रहे थे और उन्होंने उनमें से पांच को दोषी ठहराया। अदालत ने ताहिर हुसैन को वैमनस्य फैलाने, दंगा करने, मारपीट, आपराधिक बल प्रयोग

दोषी ताहिर हुसैन मृतक अंकित

और हत्या के आरोपों में दोषी पाया। यह मामला अंकित कुमार के पिता रवींद्र कुमार की शिकायत पर दयालपुर थाने में दर्ज प्राथमिकी से संबंधित है। रवींद्र कुमार के अनुसार, आईबी में तैनात अंकित शर्मा 25 फरवरी, 2020 को कार्यालय से घर लौटे थे और उसके बाद बाहर निकले थे। शिकायतकर्ता के मुताबिक, जब अंकित काफी देर तक वापस नहीं लौटे, तब परिवार वालों ने उन्हें खोजना शुरू किया। रवींद्र कुमार के अनुसार, तभी स्थानीय लोगों ने उन्हें बताया कि उनके बेटे की हत्या कर दी गई है और उसका शव चांद बाग पुलिया इलाके में एक मस्जिद के पास खजूरी खास नाले में फेंक दिया गया है। बाद में अंकित शर्मा का शव नाले से बरामद किया गया। अपनी शिकायत में रवींद्र कुमार ने आरोप लगाया कि उनके बेटे की हत्या तत्कालीन आप पार्षद ताहिर हुसैन और अन्य लोगों ने की थी। शिकायत में कहा गया है कि ये लोग कथित तौर पर हुसैन के दफ्तर में जमा हुए थे और हत्या के बाद अंकित के ▶▶ शेष पेज 5 पर

जीई ने इंजन की समस्या को लेकर कई सुधारात्मक कदम उठाए

तेजस लड़ाकू विमान के लिए जीई से एचएएल को मिला सातवां इंजन दूर हुई स्वदेश पहुंचने के बाद छठे इंजन में आई तकनीकी खामी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय वायुसेना के लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) की तरफ से एक अच्छी खबर सामने आई है। जिसमें यह जानकारी मिली है कि अमेरिका की जनरल इलेक्ट्रिक कंपनी (जीई) ने एचएएल को स्वदेशी तेजस मार्क-1ए लड़ाकू विमान में लगाया जाने वाला सातवां इंजन (एफ-404-आईएन20) सौंप दिया है। यह पूरा घटनाक्रम जीई द्वारा भारत के रक्षा क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रम को दिए गए छठे इंजन के भारत पहुंचने पर सामने आई तकनीकी खामी की समस्या के बाद का है। जबकि तकनीकी खामी का यह मामला भी फिलहाल पूरी तरह से हल कर लिया गया है और अब इस छठे इंजन को भी लड़ाकू विमान में रणनीतिक ▶▶ शेष पेज 5 पर

2021 में हुआ 99 इंजन के लिए करार : गौरतलब है कि तेजस विमान में अमेरिका से इंजन की डिलीवरी में लगभग दो साल की देरी पहले ही हो चुकी है। जिसे देखते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और वायुसेना इससे जुड़े कार्यक्रम पर बेहद बारीकी के साथ अपनी निगरानी बनाए हुए हैं। वर्ष 2021 में रक्षा मंत्रालय ने तेजस मार्क 1ए लड़ाकू विमानों ▶▶ शेष पेज 5 पर

दोनों पक्षों ने की जांच

सूत्रों ने बताया कि छठे इंजन को लेकर दो तरफा ढंग से विस्तृत जांच पड़ताल की गई थी। जिसमें जीई एयरोस्पेस और एचएएल अपने-अपने रूप में शामिल हुए। जीई ने इंजन की समस्या को लेकर कई सुधारात्मक कदम उठाए और एचएएल ने देश के अंदर अपने स्तर पर इंजन को जांचा परखा। गड़बड़ी का यह मामला इंजन को भारत को सौंपे जाने के बाद की जाने वाली गुणवत्ता जांच के दौरान सामने आया। छठा जीई एफ-404 इंजन मौजूदा साल 2026 की शुरुआत में अमेरिका से भारत पहुंचा था।

मुख्यमंत्री ने लॉन्च किया एआई-संचालित 'डस्ट पोर्टल 2.0'

दिल्ली में स्मार्ट तरीके से भी लड़ी जाएगी वायु प्रदूषण के खिलाफ लड़ाईः रेखा गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली में वायु प्रदूषण के खिलाफ लड़ाई केवल सख्त नियमों से नहीं, बल्कि आधुनिक और स्मार्ट प्रशासनिक प्रणालियों से भी लड़ी जाएगी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को एआई-संचालित 'डस्ट पोर्टल 2.0' - डस्ट पॉल्यूशन कंट्रोल सेल्फ-असेसमेंट वेब पोर्टल और मोबाइल एप्लिकेशन के शुभारंभ के बाद यह बात कही। उन्होंने बताया कि डस्ट पोर्टल 2.0 निर्माण स्थलों पर धूल प्रदूषण की निगरानी और प्रबंधन की प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण बदलाव लेकर आएगा। उन्होंने बताया कि दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) की ओर से विकसित यह अत्याधुनिक डिजिटल प्लेटफॉर्म एआई की सहायता से निर्माण एवं तोड़फोड़ किए गए स्थलों पर धूल नियंत्रण उपायों की वास्तविक समय में निगरानी करेगा। इसके माध्यम से परियोजना संचालकों को स्व-मूल्यांकन की सुविधा मिलेगी और डेटा आधारित निगरानी और एनफोर्समेंट को और अधिक सशक्त बनाया जाएगा। इस अवसर पर दिल्ली के पर्यावरण मंत्री सरदार मनजिंदर सिंह सिरसा सहित संबंधित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान डस्ट पोर्टल 2.0 का लाइव प्रदर्शन भी किया गया, जिसमें दिखाया गया कि किस प्रकार एआई निगरानी व्यवस्था को अधिक कुशल, सटीक और प्रभावी बना सकती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एआई और डिजिटल तकनीक के माध्यम से हमारी सरकार अनुपालन प्रक्रिया को सरल, निगरानी को अधिक प्रभावी और एनफोर्समेंट को अधिक पारदर्शी बना रहे हैं। यह प्लेटफॉर्म सुनिश्चित करेगा कि प्रत्येक निर्माण एजेंसी स्वच्छ और प्रदूषण-मुक्त दिल्ली के निर्माण में सक्रिय भागीदार बने। भविष्य में चालान प्रक्रिया को भी पूरी तरह डिजिटल बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है ताकि पोर्टल के माध्यम से सीधे नोटिस और चालान जारी किए जा सकें तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता या असुविधा की संभावना समाप्त हो सके।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार पर्यावरण संरक्षण के लिए नवाचार और तकनीक आधारित समाधानों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार का लक्ष्य दिल्ली को दुनिया की सबसे स्वच्छ, हरित और पर्यावरण के प्रति उत्तरदायी राजधानियों में शामिल करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जवाबदेही, पारदर्शिता और जनभागीदारी को मजबूत करने वाली प्रत्येक तकनीकी पहल दिल्ली को इस लक्ष्य के और करीब ले जाएगी। दिल्ली सरकार के आंकड़ों के अनुसार, सड़क, मिट्टी और निर्माण गतिविधियों से उत्पन्न धूल राजधानी के वायु प्रदूषण का एक बड़ा कारण है। ग्रीष्म ऋतु में कुल वायु प्रदूषण में इसकी हिस्सेदारी लगभग 27 प्रतिशत और शीत ऋतु में 15 प्रतिशत तक रहती है। वहीं, पीएम-10 उत्सर्जन में धूल की हिस्सेदारी 66 प्रतिशत और पीएम-2.5 उत्सर्जन में लगभग 38 प्रतिशत है। इसी चुनौती से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए डस्ट पोर्टल 2.0 विकसित किया गया है।

बार-बार नियम तोड़ने पर होगी सख्त कार्रवाईः सिरसा

इस अवसर पर पर्यावरण मंत्री सरदार मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि निर्माण एवं तोड़फोड़ गतिविधियों से उत्पन्न धूल दिल्ली में वायु प्रदूषण के प्रमुख स्रोतों में से एक है। डस्ट पोर्टल 2.0 के माध्यम से पहली बार 500 वर्ग गज या उससे बड़े सभी निर्माण स्थलों की एआई आधारित निगरानी की जाएगी। यह अत्याधुनिक प्रणाली 360 डिग्री कैमरों, सेंसर, जीआईएस और रियल-टाइम डेटा के माध्यम से धूल नियंत्रण उपायों की प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करेगी। अब तक निर्माण स्थलों की निगरानी मुख्यतः मैनुअल प्रक्रियाओं पर आधारित थी, जिनमें कई कमियां थीं। नई एआई आधारित व्यवस्था से नियमों के पालन की वास्तविक समय में निगरानी होगी, उल्लंघन होने पर तत्काल अलर्ट जारी होंगे और बार-बार नियम तोड़ने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। इससे पूरी प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और प्रभावी बनेगी।

डस्ट पोर्टल 2.0 की प्रमुख तकनीकी विशेषताएं डस्ट पोर्टल 2.0 में जीआईएस मैपिंग, लाइव 360 डिग्री पीटीजेड कैमरे, पीएम-10 और पीएम-2.5 सेंसर, रियल-टाइम एनालिटिक्स और एआई आधारित मॉनिटरिंग जैसी अत्याधुनिक तकनीकों को शामिल किया गया है। यह पोर्टल निर्माण स्थलों की सटीक मैपिंग करेगा और धूल नियंत्रण से जुड़े पांच प्रमुख मानकों का स्वतः मूल्यांकन करेगा, जिससे निगरानी अधिक निष्पक्ष, पारदर्शी और एकरूप होगी। साथ ही, यह निर्माण स्थलों के निकटतम एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग स्टेशन (एक्यूएमएस) की पहचान कर साइट-स्तरीय डेटा का विश्लेषण करेगा। प्रदूषण का स्तर बढ़ते ही सिस्टम स्वतः येलो, ऑरेंज और रेड अलर्ट जारी करेगा ताकि संबंधित एजेंसियां समय रहते आवश्यक कार्रवाई कर सकें।

दिल्ली सरकार ने 'नया सफर योजना' को मंजूरी देने की प्रक्रिया की शुरूः डॉ. पंकज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

■ दिल्ली-एनसीआर में पुराने ट्रकों और बसों को बदलने की योजना

दिल्ली सरकार ने नेशनल कैपिटल रीजन प्लानिंग बोर्ड (एनसीआरपीबी) के माध्यम से दिल्ली-एनसीआर में पुराने ट्रकों और बसों को बदलने के लिए केंद्र सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की -नया सफर योजना- को मंजूरी देने और लागू करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। दिल्ली के परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इसके तहत टैक्स में छूट, रजिस्ट्रेशन फीस माफी और दूसरे इंसेंटिव के जरिए साफ़-सुथरे बीएस-6 और इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने की योजना है। उन्होंने बताया कि इस पहल का मकसद दिल्ली-एनसीआर में ज्यादा प्रदूषण फैलाने वाले कमर्शियल वाहनों को चरणबद्ध तरीके से हटाकर उनके स्थान पर साफ़-सुथरे बीएस-6 या कड़े उत्सर्जन नियमों का पालन करने वाले वाहनों और इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को बदलने के लिए प्रोत्साहित करना है। इस योजना से दिल्ली-एनसीआर में लगभग 2 लाख 7 हजार प्राइवेट ट्रक और बस मालिकों को फ़ायदा होने की उम्मीद है। इस योजना का कुल बजट 9585 करोड़ रुपए है, जिसमें केंद्र सरकार, आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के तहत नेशनल कैपिटल रीजन प्लानिंग बोर्ड के जरिए 5041 करोड़ रुपए का योगदान देगी।

वाहनों से होने वाले प्रदूषण की समस्या होगी कम

परिवहन मंत्री डॉ. पंकज ने बताया कि नया सफ़र योजना के नाम से यह स्कीम नेशनल कैपिटल रीजन में वाहनों से होने वाले प्रदूषण की समस्या को कम करने के लिए तैयार की गई है। जिसके तहत आर्थिक प्रोत्साहन, टैक्स में छूट और स्क्रैपेज से जुड़े लाभ प्रदान किए जाएंगे। यह योजना बीएस-6 और उससे पुराने ट्रकों और बसों के मालिकों को अपनी गाड़ियों के बेड़े को स्वेच्छा से आधुनिक प्रदूषण रहित बनाने के लिए प्रोत्साहित करना है। साथ ही साफ़-सुथरे और ज्यादा टिकाऊ ट्रांसपोर्ट की दिशा में कोशिशों को और ज्यादा मजबूत करना है। दिल्ली भर में इस योजना को सुचारू रूप से लागू करने के लिए परिवहन विभाग, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय अन्य संबंधित एजेंसियों के साथ मिलकर ज़रूरी नोटिफिकेशन जारी करेगा और स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) तैयार करेगा।

100 फीसदी मोटर व्हीकल टैक्स में छूट

परिवहन मंत्री ने बताया कि इस योजना के तहत दिल्ली सरकार पात्र नए वाहनों पर 100 फीसदी मोटर व्हीकल टैक्स में छूट, पात्र पुरानी (यूज्ड) गाड़ियों की खरीद पर दस साल के लिए 50 प्रतिशत छूट, रजिस्ट्रेशन फीस और स्क्रैप की जा रही पात्र गाड़ियों के लिए रोड टैक्स और फ़टिनेस पेनल्टी में छूट देने की सुविधा प्रदान करेगी। ये फ़ायदे केंद्र सरकार की ओर से दिए जाना वाले इंसेंटिव (जैसे ब्याज पर छूट, फ़्यूल वाउचर या इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए एकमुश्त प्रोत्साहन राशि और इसमें शामिल वाहन बनाने वाली कंपनियों की तरफ़ से मिलने वाली छूट के अतिरिक्त होंगे।

दिल्ली पुलिस कांस्टेबल ने की पत्नी की गोली मारकर हत्या

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस के एक कांस्टेबल ने पूर्वी दिल्ली के विनोद नगर इलाके में अपनी पत्नी की उसके जन्मदिन पर कथित तौर पर गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक के परिजनों ने सोमवार को यह जानकारी दी। पीड़िता प्रियंका (30) के परिवार ने यह भी दावा किया कि दंपति मोटरसाइकिल पर एक साथ घर से निकले थे और उनके बीच सड़क पर तीखी बहस शुरू हो गई। पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान मनीष भाटी के रूप में हुई है, जो दिल्ली पुलिस के वाहन रोधी दस्ते में तैनात है और घटना के बाद से फरार है। पीड़िता के भाई राहुल और मनीष के अनुसार, उनकी बहन के जन्मदिन के मौके पर दंपति अपने न्यू विनोद नगर स्थित घर से रविवार देर रात कहीं जाने के लिए बाइक से निकले थे और रास्ते में उनके बीच कथित रूप से बहस होने लगी जिसके बाद कांस्टेबल ने लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल के नजदीक अपनी पत्नी को कथित रूप से गोली मार दी। इसके बाद वह उसे गंभीर रूप से घायल छोड़कर भाग गया। वहां से गुजर रहे सामान पहुंचाने वाली कंपनी के एक प्रतिनिधि को पीड़िता प्रियंका सड़क किनारे पड़ी हुई मिली। पुलिस ने कहा कि वह उसे लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल ले गई, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस सूत्र ने कहा कि जांच के दौरान, पुलिस ने इलाके के सीसीटीवी फुटेज की जांच की, जिसमें आरोपी को अपराध स्थल से निकलते हुए देखा गया है। आरोपी का पता लगाने और उसे गिरफ्तार करने के लिए पुलिस टीमें गठित की गई हैं, जबकि फॉरेंसिक विशेषज्ञों ने अपराध स्थल की जांच की है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। परिवार के सदस्यों के अनुसार, दंपति की शादी 2023 में हुई थी। प्रियंका अशोक विहार के एक निजी स्कूल में शिक्षिका थीं, जबकि आरोपी दिल्ली पुलिस में कांस्टेबल है। महिला के परिवार ने आरोप लगाया कि शादी के बाद से ही उसे दहेज को लेकर उत्पीड़न का शिकार होना पड़ रहा था। उन्होंने दावा किया कि पहले महिला प्रकोष्ठ में शिकायत दर्ज की गई थी लेकिन रिश्तेदारों के हस्तक्षेप के बाद मामला सुलझ गया था। परिवार ने आरोप लगाया कि आरोपी पीड़ित परिवार से पैसे की मांग कर रहा था। पुलिस ने कहा कि परिवार द्वारा लगाए गए सभी आरोपों को सत्यापित किया जा रहा है और सबूतों के आधार पर उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने हत्या के संबंध में मामला दर्ज कर लिया है और जांचकर्ता दंपति के वैवाहिक संबंध, पिछली शिकायतों और हत्या से संबंधित संभावित अन्य पहलुओं की जांच कर रहे हैं।

तीन यात्रियों को किया गिरफ्तार

दिल्ली हवाईअड्डे पर 6.37 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा बरामद

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने तस्करी के अलग-अलग मामलों में हाइड्रोपोनिक गांजा बरामद करके तीन यात्रियों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि विमान के शौचालयों, सीटों के नीचे और सामान में छिपाकर रखा गया 6.37 किलोग्राम संदिग्ध हाइड्रोपोनिक गांजा बरामद किया गया। हाइड्रोपोनिक गांजा भांग की एक उच्च क्षमता वाली किस्म है, जिसे मिट्टी के बजाय पोषक तत्वों से भरपूर पानी में उगाया जाता है। अधिकारियों के अनुसार, बैंकॉक और फुकेत से आने वाले यात्रियों से जुड़े इन तीनों मामलों में कुल 6.37 किलोग्राम संदिग्ध मादक पदार्थ बरामद किया गया। पहले मामले में सोमवार को बैंकॉक से आए एक भारतीय यात्री को अग्रिम यात्री सूचना प्रणाली (एपीआईएस) प्रोफाइलिंग के आधार पर ग्रीन चैनल पार करने के बाद रोका गया। एक बयान के अनुसार, यात्री के सामान में कुछ संदिग्ध नहीं मिला, लेकिन सीमा शुल्क अधिकारियों ने विमान की तलाशी ली और पिछले हिस्से के दोनों शौचालयों में छिपाकर रखे गए हाइड्रोपोनिक गांजे के चार सीलबंद पैकेट बरामद किए, जिनका वजन 3.47 किलोग्राम था। बयान में कहा गया कि पूछताछ के दौरान यात्री ने शौचालयों में पैकेट छिपाने की बात स्वीकार की।

दूसरे मामले में सोमवार को फुकेत से आए एक यात्री को भी एपीआईएस प्रोफाइलिंग के आधार पर रोका गया। यात्री के सामान में कोई प्रतिबंधित पदार्थ नहीं मिलने के बाद अधिकारियों ने विमान की जांच की और सीटों की 12वीं पंक्ति के नीचे छिपाए गए छह सीलबंद पैकेट बरामद किए। इनमें संदिग्ध हाइड्रोपोनिक गांजा था, जिसका वजन करीब 1.5 किलोग्राम था। अधिकारियों के अनुसार, यात्री ने बाद में विमान के अंदर पैकेट छिपाने की बात स्वीकार की।

तीसरे मामले में रविवार को बैंकॉक से आए एक भारतीय यात्री को एपीआईएस प्रोफाइलिंग के आधार पर ग्रीन चैनल पार करने के बाद रोका गया। बयान के अनुसार, एक्स-रे जांच के दौरान यात्री के सामान में संदिग्ध तस्वीरें दिखाई दीं। तलाशी लेने पर दो पैकेट मिले, जिनमें करीब 1.4 किलोग्राम संदिग्ध हाइड्रोपोनिक गांजा था। सीमा शुल्क अधिकारियों ने तीनों यात्रियों को मादक पदार्थ और मनःप्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम की धारा 43(बी) के तहत गिरफ्तार किया है, जबकि बरामद संदिग्ध पदार्थ को अधिनियम की धारा 43(ए) के तहत जब्त किया गया है। सीमा शुल्क विभाग ने आशंका जताई कि तीनों मामलों में बरामद पदार्थ के "हरे रंग का मादक पदार्थ गांजा' होने का संदेह है।

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार

(राज्य विधायिका अधिनियम 17 ऑफ 1995 द्वारा स्थापित)
एनएएसी 'ए+' ग्रेड प्रमाणित विश्वविद्यालय

बी.टेक. (प्रथम वर्ष) और बी.टेक. (एलईईटी)-द्वितीय वर्ष प्रोग्राम (सत्र 2026-27) की रिक्त/छोड़ी गई सीटों के तहत प्रवेश हेतु संस्थान स्तरीय फिजिकल काउंसलिंग

बी.टेक. (प्रथम वर्ष) और बी.टेक. (एलईईटी)-द्वितीय वर्ष प्रोग्राम की रिक्त/छोड़ी गई सीटों के तहत प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन सहित सत्र 2026-27 हेतु विस्तृत काउंसलिंग कार्यक्रम और अन्य जानकारी निम्नलिखित कार्यक्रम के अनुरूप विश्वविद्यालय वेबसाइट www.gjust.ac.in पर उपलब्ध होंगे।

प्रोग्राम (एस)	ऑनलाइन आवेदन के प्रारम्भ की तिथि
बी.टेक. (प्रथम वर्ष) :	14.07.2026 से
बी.टेक. (एलईईटी-द्वितीय वर्ष) :	21.07.2026 से

संवाद-1237/11/176/2027/47117/सी/88/7 दि. 13.07.26 कुलसचिव

सैमटेक्स फैशंस लिमिटेड

पंजी. कार्यालय : खसरा नं. 62 डी1/3, इंडस्ट्रियल एरिया, राजारामपुर सिकन्द्राबाद बुलन्दशहर, यूपी-203205 आईएन
CIN: L17112UP1993PLC022479, Email: samtex.compliance@gmail.com, Website: www.samtexfashions.com, Ph. No.: 011-49025972

शेयरधारकों को सूचना (फिजिकल शेयरों के हस्तांतरण आग्रहों के पुनः प्रस्तुतीकरण हेतु स्पेशल विंडो)

सेबी सरकुलर नं. HO/38/13/11(2)2026-MIRSD-POD/I/3750/2026 दिनांक 30 जनवरी 2026 के अनुसरण में, फिजिकल सिक्योरिटीज जो 01 अप्रैल 2019 से पूर्व बेची अथवा खरीदी गयी थी और ऐसे हस्तांतरण आग्रह पूर्व में जमा करवाए गए थे तथा **दस्तावेजों / प्रक्रिया में कमी / अथवा अन्यथा की वजह से निरस्त कर दिये गये / वापस लौटा दिये गये / ध्यान नहीं दिया गया,** के हस्तांतरण और डिमैटीरियलाइजेशन ("डिमैट") हेतु 05 फरवरी 2026 से 04 फरवरी 2027 तक एक वर्ष की अवधि के लिए स्पेशल विंडो खुली रहेगी।

इस अवधि के दौरान, सिक्योरिटीज जो हस्तांतरण के लिए पुनः दायर की गई हैं, केवल डिमैट मोड में जारी की जाएंगी और हस्तांतरण के पंजीकरण की तिथि से एक वर्ष की लॉक-इन अवधि के तहत होंगी। ऐसी सिक्योरिटीज उक्त लॉक-इन अवधि के दौरान हस्तांतरित / ग्रहणाधिकार-मार्क्ड/गिरवीकृत नहीं की जाएंगी। हस्तांतरिती को उपरोक्त सेबी सरकुलर के तहत निर्धारित अनुसार सभी दस्तावेज अनिवार्य रूप से जमा करवाने आवश्यक होंगे।

हस्तांतरणकर्ता और हस्तांतरिती के बीच विवादों के मामले ; निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण निधि (आईईपीएफ) को हस्तांतरित की गई सिक्योरिटीज के बारे में प्रोसैसिंग के लिए इस विंडो के तहत विचार नहीं किया जाएगा।

शेयरधारक अपेक्षित दस्तावेजों सहित अपने आग्रह निर्धारित अवधि के अंदर कम्पनी के रजिस्ट्रार एवं शेयर ट्रांसफर एजेंट, बीटल फाइनैंशियल एंड कम्प्यूटर सर्विसेज प्राईवेट लिमिटेड (आरटीए), बीटल हाउस, तृतीय तल, 99 मदनगीर, एलएससी के पीछे, नई दिल्ली-110062 के पास जमा करवा सकते हैं ई-मेल करें beetalrta@gmail.com

कृते सैमटेक्स फैशंस लिमिटेड
हस्ता/-
दिनांक : 13 जुलाई 2026 अतुल मित्तल
स्थान : दिल्ली प्रबंध निदेशक

हिमांशु भाऊ गिरोह से जुड़े दो शूटर गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने यहां के एक व्यवसायी की लक्षित हत्या को अंजाम देने से पहले हिमांशु भाऊ गिरोह के दो कथित शूटर को पकड़ लिया जिनमें एक नाबालिग है। पुलिस की एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, रोहिणी के रहने वाले व्यवसायी को इस साल मार्च में हिमांशु भाऊ गिरोह से रंगदारी की धमकियां मिली थीं, जिसके बाद अमन विहार थाने में मामला दर्ज किया गया था और उन्हें सुरक्षा प्रदान की गई थी। पुलिस ने कहा कि गिरोह के सदस्यों की गतिविधियों के बारे में जानकारी मिलने के बाद, छह-सात जुलाई की दरमियानी रात को नेहरू विहार के पास एक अभियान के बाद इन दोनों को पकड़ लिया गया। उत्तर दिल्ली की पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) निहारिका भट्ट ने कहा कि आरोपियों की पहचान हरियाणा के जींद जिले के निवासी प्रदीप उर्फ काली (26) और फतेहाबाद के 17 वर्षीय लड़के के रूप में हुई है। उनके मुताबिक, आरोपियों के कब्जे से दो अर्धस्वचालित पिस्तौल और छह कारतूस बरामद किए गए।

पूछताछ के दौरान, किशोर ने कथित तौर पर खुलासा किया कि फरार गैंगस्टर हिमांशु भाऊ ने मोनू नाम के एक सहयोगी के मोबाइल फोन पर उससे संपर्क किया था, जो कथित तौर पर हत्या के कई मामलों में शामिल होने के बाद देश से भाग गया था। अधिकारी ने कहा, ₹किशोर ने टीम को बताया कि उसे जींद पहुंचने का निर्देश दिया गया था, जहां वह प्रदीप से मिला और रात भर रुका। अगले दिन, दोनों को गिरोह के गुर्गे एक कार में ले गए और उन्होंने उसे एक पिस्तौल सौंपी।₹ एडीसीपी ने कहा कि यात्रा के दौरान वाहन बदलने के बाद लखन माजरा टोल प्लाजा के पास प्रदीप को कथित तौर पर एक और हथियार उपलब्ध कराया गया। आरोपियों ने दावा किया कि लखन माजरा पार करने के बाद, उन्हें दिल्ली की ओर ले जाया गया और मुकरबा चौक के पास छोड़ दिया गया, जहां से वे पैदल नेहरू विहार की ओर चले और वहीं उन्हें गिरोह के अन्य सदस्यों से मिलना था। हालांकि, भटट् ने कहा कि किसी भी तरह का संपर्क स्थापित होने से पहले ही उन्हें पकड़ लिया गया।

पूछताछ के दौरान, दोनों आरोपियों ने कथित तौर पर स्वीकार किया कि वे हिमांशु भाऊ के निर्देश पर व्यवसायी की हत्या करने के लिए दिल्ली आए थे और उन्हें हथियार गिरोह के स्थानीय गुर्गों ने उपलब्ध कराए थे। पुलिस ने कहा कि अन्य सदस्यों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने के लिए आगे की जांच चल रही है।

अल्पआयु के पौधे लगाकर पौधरोपण अभियान की औपचारिकता पूरी कर है सीएम : यादव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने सोमवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के साथ मिलकर शुरू किए गए पौधरोपण अभियान पर सवाल उठाते हुए कहा कि अल्पआयु के पौधे लगाकर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सिर्फ अभियान की औपचारिकता ही पूरी कर रही हैं। यादव ने कहा कि दिल्ली सरकार द्वारा पौधरोपण अभियान के तहत 70 लाख पौधे लगाने के लक्ष्य का शुभारंभ किया, लेकिन प्रदूषण से लड़ने और शहर में पर्यावरण को पुनर्जीवित करने की शुरुआत कहीं रेखा गुप्ता की अभी तक हर योजना की तरह सिर्फ फोटो खिचवाने तक सीमित न रह जाय। एक पेड मां के नाम की पहल बेशक गृहमंत्री अमितशाह के हाथों जंगल क्षेत्र को बढ़ाने के लिए की गई लेकिन कहीं पौधारोपण का अभियान भी रेखा सरकार की घोषणा बनकर न रह जाए। यादव ने कहा कि शुद्ध पर्यावरण और ग्रीन क्षेत्र बढ़ाने के लिए हवा पीपल, नीम, बरगद और जामुन जैसे लंबे समय तक रहने वाले पेड़ लगाने की जगह खुद रेखा गुप्ता मॉडल टाउन में एक ऐसे पेड़ का पौधारोपण करती दिखाई दीं, जो अल्पायु वाला है, जबकि दिल्ली सरकार पार्कों और अन्य स्थानों से कई मौजूदा पेड़ों, पौधों को उखाड़कर कुछ झाड़ियां, फूल के पौधे व कुछ समय तक रहने वाले पौधे लगा रही है। क्या सरकार द्वारा इस तरह का पौधारोपण दिल्ली के खतरनाक वायु प्रदूषण का मुकाबला करने और ग्रीन कवर को बढ़ाने में सफल होगा। यादव ने कहा कि दिल्ली सरकार की 70 लाख पौधा लगाना की योजना के तहत जहरीली हवा का रोकना सब कुछ भगवान भरोसे है, क्योंकि रेखा सरकार दिल्ली के हर संवेदनशील विषय पर सिर्फ औपचारिकताओं को पूरा कर रही है। उन्होंने कहा कि पिछले 12 साल में पहले आम आदमी पार्टी की सरकार और अब भाजपा की रेखा गुप्ता सरकार द्वारा सरकारी धन की लूट के हथकंडे अपनाकर सब कुछ बर्बाद कर दिया है जबकि दिल्लीवासी लगभग पूरे वर्ष जहरीली हवा से जूझ रहे और उन्हें कुछ मात्र सिर्फ बारिश होने पर ही राहत महसूस होती है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 CrPC देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **विपुल कुमार पुत्र** बेचन प्रसाद, **निवासी** 10522, नाले वाली गली पुलिस चौकी के पास, हरी चंद चौक, मानकपुर, करोल बाग, नई दिल्ली, ने **FIR No. 218/24, पुलिस स्टेशन करोल बाग, सैंट्रल जिला, नई दिल्ली,** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किया गया गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **विपुल कुमार** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **विपुल कुमार** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 218/24, पुलिस स्टेशन करोल बाग, सैंट्रल जिला, नई दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **विपुल कुमार** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **22.08.2026** को या इससे पहले हाज़िर हो।

आदेशानुसार
श्री निशात बंधर
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-01,
(केंद्रीय), कोर्ट नं0-180,
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/9538/CD/2026
(Court Matter)

निगम स्कूल के सामने सड़क पर हो रहा निर्माण सामग्री का कारोबार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

बाहरी दिल्ली के सिंघोला गांव में रिहायशी क्षेत्र के बीच संचालित एक कथित अवैध बिल्डिंग मैटेरियल सप्लायर के खिलाफ ग्रामीणों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। ग्राम सुधार समिति, गांव सिंघोला ने दिल्ली के उपराज्यपाल (एलजी) को शिकायत भेजकर प्राथमिक नगर निगम स्कूल के सामने चल रहे इस कारोबार को तत्काल बंद कराने और संबंधित व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। समिति का आरोप है कि बिल्डिंग मैटेरियल सप्लायर द्वारा सड़क पर रोड़ी, डस्ट, ईंट, रेत, पत्थर और मिट्टी का अवैध भंडारण किया जा रहा है। इसके अलावा ट्रैक्टर-ट्रॉली और अन्य मशीनों

के कारण पूरे मार्ग पर अतिक्रमण बना रहता है, जिससे स्कूली बच्चों, राहगीरों और स्थानीय निवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। निर्माण सामग्री से उड़ने वाली धूल के कारण क्षेत्र में प्रदूषण भी बढ़ रहा है।

एमसीडी स्कूल के सामने रखी जाती है निर्माण सामग्री

ग्रामीणों का कहना है कि जिस स्थान पर यह सामग्री रखी जाती है, उसके ठीक सामने प्राथमिक नगर निगम (एमसीडी) स्कूल स्थित है। ऐसे में स्कूल आने-जाने वाले छोटे बच्चों के साथ दुर्घटना होने की आशंका लगातार बनी रहती है। अभिभावकों और स्थानीय लोगों ने इसे बच्चों की सुरक्षा से जुड़ा गंभीर मामला बताते हुए प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो किसी भी दिन कोई बड़ा हादसा हो सकता है, जिसकी जिम्मेदारी संबंधित विभागों की होगी।

एसडीएम को भी की शिकायत नहीं हुई कार्रवाई

ग्राम सुधार समिति ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि इस संबंध में दो माह पहले क्षेत्रीय एसडीएम और नरेला जोन उपायुक्त को शिकायत दी गई थी, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। इससे ग्रामीणों में प्रशासन की कार्यप्रणाली को लेकर नाराजगी है। समिति ने उपराज्यपाल से मांग की है कि अवैध अतिक्रमण और कथित अवैध कारोबार को तत्काल हटाया जाए, सड़क को अतिक्रमण मुक्त कराया जाए तथा भविष्य में ऐसी गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए जाएं।

हरियाणा सरकार **शुद्धिपत्र**

क्र. सं.	बोर्ड/निगम/प्राधि. का नाम	पुराना संदर्भ / एनआईटी सं.	शुद्धिपत्र की प्रकृति	बोर्ड/निगम/प्राधि. की वेबसाइट	नोडल अधिकारी/सम्पर्क विवरण/ई-मेल
1	दि रोहतक सह. दुग्ध उत्पादक संघ लिमिटेड	2026_HBC_533552_1	जारी की गई (मूल्य बोली) को प्रस्तावित दर (सभी करों सहित प्रस्तावित दर) के अनुसार (मूल्य बोली) पढ़ा जाए, तिथि 30.07.2026 अप. 16:00 बजे तक बढ़ा दी गई, खुलना 31.07.2026 पूर्वा. 11:30 बजे।	vitaindia@gmail.com	9896401185 vitarohtak@gmail.com

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें: www.haryanaeprocurement.gov.in or www.etenders.hry.nic.in
संवाद-13/2027/40/47141/I/88/7 दि. 13.07.26

महिलाओं का सम्मान, आत्मविश्वास और आर्थिक सशक्तीकरण होगा मजबूत

दिल्ली की महिलाओं को हर माह मिलेंगे 2500 रुपये: रेखा गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

देश की राजधानी दिल्ली की महिलाओं को हर माह 2500 रुपये मिलेंगे और इससे उनका सम्मान, आत्मविश्वास और आर्थिक सशक्तीकरण मजबूत होगा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत 21 से 60 वर्ष आयु वर्ग की पात्र महिलाओं को प्रतिमाह 2500 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। दिल्ली सरकार ने इस महत्वाकांक्षी योजना को अगले माह रक्षाबंधन के आसपास शुरू करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस योजना के लिए पात्रता संबंधी मानकों भी तय कर दिए गए हैं। दिल्ली सरकार से मिली जानकारी के अनुसार, राजधानी की महिलाओं को आर्थिक रूप से अधिक सशक्त, आत्मनिर्भर और सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराने की दिशा में दिल्ली सरकार ने यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया है और अपनी इस प्रमुख महिला समृद्धि योजना का आधिकारिक नाम बदलकर 'दिल्ली लक्ष्मी योजना' कर दिया है। योजना के प्रभावी और समयबद्ध क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को दिल्ली सचिवालय में एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में मुख्य सचिव राजीव वर्मा सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि योजना का लाभ पात्र महिलाओं तक पारदर्शी, सरल और समयबद्ध तरीके से पहुंचे तथा इसके क्रियान्वयन में किसी प्रकार की प्रशासनिक बाधा न आने पाए। दिल्ली सरकार का अनुमान है कि इस महत्वाकांक्षी योजना से राजधानी के लाखों परिवारों की महिलाओं को सीधा लाभ मिलेगा।

विकसित भारत की आधारशिला बन चुका है महिला सशक्तिकरण

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण केवल एक सामाजिक संकल्प नहीं, बल्कि विकसित भारत की आधारशिला बन चुका है। प्रधानमंत्री ने हमेशा महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास को देश की प्रगति का सबसे प्रभावी माध्यम माना है। उसी सोच को आगे बढ़ाते हुए दिल्ली सरकार राजधानी की महिलाओं को दिल्ली लक्ष्मी योजना के माध्यम से आर्थिक रूप से सशक्त, आत्मनिर्भर और सम्मानजनक जीवन जीने का मजबूत आधार उपलब्ध करा रही है।

- महिला समृद्धि योजना का आधिकारिक नाम 'दिल्ली लक्ष्मी योजना' रखा गया
- रक्षाबंधन के आसपास शुरू करने का लक्ष्य, मिलेगा लाखों महिलाओं को लाभ

महिला मजबूत होने से परिवार, समाज और राष्ट्र को मिलेगी गति

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा विश्वास है कि जब घर की महिला आर्थिक रूप से मजबूत होगी, तब परिवार, समाज और राष्ट्र, तीनों की प्रगति को नई गति मिलेगी। बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि योजना के सभी दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि इसका लाभ केवल वास्तविक पात्र लाभार्थियों तक ही पहुंचे। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य योजना को पूरी पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ लागू करना है। बैठक में योजना की पात्रता संबंधी मानकों पर भी विस्तार से चर्चा हुई।

योजना का लाभ लेने वालों को पूरी करनी होगी ये शर्तें

निर्णय के अनुसार योजना का लाभ केवल उसी महिला को मिलेगा, जो स्वयं या उसका परिवार कम से कम 10 वर्षों से दिल्ली की निवासी हो। लाभार्थी व उसके परिवार के विरुद्ध किसी प्रकार का आपराधिक रिकॉर्ड नहीं होना चाहिए। परिवार में आयु के आधार पर सबसे बड़ी महिला ही इस योजना की पात्र होगी तथा एक परिवार से केवल एक महिला को ही इसका लाभ दिया जाएगा। इसके अलावा लाभार्थी के परिवार की वार्षिक आय ढाई लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। जो महिला पहले से सरकार की किसी पेंशन अथवा अन्य नियमित आर्थिक सहायता योजना का लाभ ले रही है, वह इस योजना के लिए पात्र नहीं होगी। इसी प्रकार जिस परिवार के पास चार पहियों का वाहन होगा, उस परिवार की महिला को भी इस योजना का लाभ नहीं मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने मॉडल टाउन विधानसभा में किया पौधारोपण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

- 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत लगाए गए 1,100 पौधे

दिल्ली को स्वच्छ, हरित और विकसित बनाने के उद्देश्य से दिल्ली सरकार द्वारा चलाए जा रहे 70 लाख पौधारोपण अभियान के अंतर्गत सोमवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मॉडल टाउन विधानसभा में आयोजित पौधारोपण में हिस्सा लेकर पौधारोपण किया। 'हरित दिल्ली संकल्प' और 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में मॉडल टाउन क्षेत्र में लगभग 1,100 पौधे लगाए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक पौधा आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ हवा, हरियाली और स्वस्थ जीवन देने के संकल्प का प्रतीक है। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक अशोक गोयल, बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी, आरडब्ल्यूए के प्रतिनिधि और अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली में बड़े स्तर पर विभिन्न क्षेत्रों में पौधारोपण कार्यक्रम लगातार चलाए जा रहे हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा 7 जुलाई को महा पौधारोपण अभियान की शुरुआत की गई थी, जिसके तहत दिल्ली सरकार ने जनभागीदारी सुनिश्चित करने के लिए एक विशेष पोर्टल- https://greendrive.delhivanmahotsav.in भी शुरू किया है। इस पोर्टल के माध्यम से नागरिकों को पौधारोपण अभियान से जुड़ने और अपनी सुविधानुसार तिथि, समय और स्थान का चयन कर स्लॉट बुक करने की सुविधा दी गई है। दिल्ली सरकार वृक्ष रथ के माध्यम से आपके घर निःशुल्क पौधे पहुंचाएगी। साथ ही नागरिक नर्सरी लोकेटर के माध्यम से अपनी निकटतम सरकारी नर्सरी का चयन कर वहां से निःशुल्क पौधा भी प्राप्त कर सकते हैं।

पार्षद इमरान ने भाजपा को वोट किया तो जनादेश के साथ होगा विश्वासघात : नारंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम के 11 जोनों में 15 जुलाई को होने वाले चुनाव में सबकी नजरें सिटी एसपी जोन में पड़ने वाले मटिया महल वार्ड 76 से पार्षद इमरान पर टिक गई हैं। आम आदमी पार्टी (आप) के एमसीडी में नेता विपक्ष अंकुश नारंग ने कहा कि सबकी नजर सिटी-एसपी जोन पर है, जहां आम आदमी पार्टी की संख्या स्पष्ट होने के बावजूद आखिरी समय में भाजपा ने चेयरमैन पद के लिए उम्मीदवार उतारा है। इस जोन पड़ने वाले मटिया महल वार्ड की जनता ने हमेशा भाजपा की राजनीति को नकारा है। ऐसे में अगर आले मोहम्मद इकबाल के शेर चुनाव चिन्ह पर जीतकर आए पार्षद इमरान भाजपा के पक्ष में मतदान करते हैं तो यह जनता के जनादेश और विश्वास के साथ सीधा विश्वासघात होगा।

नारंग ने कहा कि करोल बाग जोन में आप का चेयरमैन निर्विरोध चुना जाना हमारी एकजुटता और मजबूती का प्रमाण है। बाकी सभी जोनों में आप पूरी मजबूती और एकजुटता के साथ चुनाव लड़ रही है। हमें विश्वास है कि जनता के आशीर्वाद से हम अधिकतम जोनों में जीत दर्ज करेंगे। नारंग ने कहा कि बुधवार को एमसीडी के वार्ड कमेटी के चुनाव हैं और इस बार आप ने करोल बाग जोन निर्विरोध जीत लिया है। आप पूरी ताकत और शिद्दत के साथ हर जोन को जीतने का प्रयास कर रही है। नारंग ने बताया कि सिटी एसपी जोन में पिछली बार आप निर्विरोध जीती थी। इस बार भी उपाध्यक्ष पद पर पार्टी निर्विरोध जीत गई है, लेकिन अध्यक्ष पद के लिए ऐन मौके पर 4 बजकर 49 मिनट पर भाजपा की ओर से एक पर्चा दाखिल किया गया। मुझे नहीं पता कि भाजपा ने किस आधार पर पर्चा भरा है, क्योंकि वहां आप के सात पार्षद हैं, भाजपा के चार हैं और एक निर्दलीय पार्षद इमरान है, जिसका चुनाव चिह्न शेर था। नारंग ने कहा कि सिटी एसपी जोन में अब यह देखना काफी दिलचस्प होगा, क्योंकि आज तक मटिया महल से चाहे शोएब इकबाल रहे हों या आले मोहम्मद इकबाल, उन्होंने हमेशा भाजपा के खिलाफ राजनीति की है। मुस्लिम समाज ने भी भारी समर्थन देकर शोएब इकबाल, आले मोहम्मद इकबाल और शेर चुनाव चिह्न वाले इमरान को जिताया है। नारंग ने कहा कि अब देखने वाली बात यह होगी कि चुनाव में क्या होता है। आप को इमरान के वोट की जरूरत नहीं है, लेकिन अगर वह आकर भाजपा को वोट देता है, तो क्या यह मटिया महल की जनता के साथ गलत नहीं होगा। जिस मटिया महल और मुस्लिम समाज की जनता ने आज तक भाजपा के खिलाफ वोट दिया है, अगर वही शेर चुनाव चिह्न वाला पार्षद भाजपा को वोट देता है, तो यह आले मोहम्मद इकबाल, शोएब इकबाल और इमरान की नीयत पर सीधा सवाल उठाता है कि क्या वे अवसरवादी होकर भाजपा का साथ देने लगे हैं। नारंग ने आगे कहा कि इमरान को वोट देने नहीं आना चाहिए। नारंग ने कहा कि बाकी जोनों की बात करें तो रोहिणी और वेस्ट जोन पहले भी आप के पास थे और इस बार भी हम इन्हें पूरी तरह से जीतेंगे। इसके अलावा बाकी आठ जोनों में भी आप पूरी ताकत लगा रही है ताकि वहां भी पार्टी को जीत दिलाई जा सके।

साइबर फ्रॉड के प्रति अपने विद्यार्थियों की सुरक्षा को लेकर संजीदा है डीयू प्रशासन: विकास गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) साइबर फ्रॉड के प्रति अपने विद्यार्थियों की सुरक्षा को लेकर संजीदा है। डीयू कुलसचिव डॉ. विकास गुप्ता ने सोमवार को डीयू एवं इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर (आई4सी), गृह मंत्रालय, भारत सरकार के मध्य एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर होने बाद यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हमारे संज्ञान में ऐसे मामले आते हैं कि जिनमें कई बार छात्राएं (खासकर कमजोर वर्ग से सबंधित) डिजिटली बुलिंग और डिजिटल फ़्राड की शिकार होती हैं। एक छोटी सी गलती बहुत बड़ा नुकसान कर सकती है। ऐसे मामलों को ध्यान में रखते हुए हमने ये एमओयू किया है। डॉ. विकास गुप्ता ने कहा कि इस एमओयू का उद्देश्य दिल्ली विश्वविद्यालय में साइबर अपराध की रोकथाम, साइबर हाइजीन, साइबर जागरूकता, क्षमता निर्माण, शैक्षणिक सहयोग, अनुसंधान, इंटर्नशिप तथा छात्र सहभागिता को बढ़ावा देना है। इस समझौता ज्ञापन पर दिल्ली विश्वविद्यालय की ओर से डॉ. विकास गुप्ता, कुलसचिव (रजिस्ट्रार) तथा आई4सी की ओर से निदेशक निशांत कुमार ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर के निदेशक निशांत कुमार ने कहा कि यह साझेदारी दिल्ली विश्वविद्यालय एवं आई4सी की सुरक्षित, जागरूक एवं डिजिटल रूप से सशक्त समाज के निर्माण तथा युवाओं में उत्तरदायी डिजिटल नागरिकता को बढ़ावा देने की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

- डीयू एवं इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर के बीच हुआ समझौता ज्ञापन

दिल्ली विश्वविद्यालय कंप्यूटर सेंटर के निदेशक प्रो. संजीव सिंह कहा कि इस सहयोग के अंतर्गत साइबर जागरूकता कार्यक्रम, कार्यशालाएँ, सेमिनार, हैकाथॉन, छात्र प्रतियोगिताएँ, इंटर्नशिप, साइबर वालंटियर कार्यक्रम, अनुभवात्मक शिक्षण तथा यूजीसी द्वारा अधिसूचित साइबर सुरक्षा एवं साइबर जागरूकता पाठ्यक्रमों के प्रचार-प्रसार सहित विभिन्न संयुक्त गतिविधियां आयोजित की जाएँगी। साथ ही, साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में ज्ञान-विनिमय, नवाचार एवं संस्थागत सहयोग को भी प्रोत्साहित किया जाएगा। इस अवसर पर समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर समारोह में डीयू की डीन अकादमिक प्रो. के. रत्नाबली सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

आईपीयू के एमएड प्रोग्राम की काउंसलिंग 20 जुलाई को

नई दिल्ली। आईपी यूनिवर्सिटी के एमएड (स्पेशल एजुकेशन) प्रोग्राम में दाख़िले के लिए पहली ऑफ़लाइन काउंसलिंग 20 जुलाई को द्वारका कैंपस में आयोजित की जाएगी। आईपीयू के जनसंपर्क अधिकारी डॉ. नलिनी रंजन ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि उसी दिन आवश्यक दस्तावेजों के सत्यापन के बाद मेरिट के आधार पर सीटों का भी आवंटन कर दिया जाएगा। इस प्रोग्राम के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा के सभी सफल उम्मीदवार इस काउंसलिंग में भाग ले सकते हैं। काउंसलिंग के दिन यूनिवर्सिटी कुलसचिव के नाम से निर्गत 60 हज़ार रुपये का बैंक ड्राफ्ट, चार पासपोर्ट आकार के फ़ोटो, सीईटी का एडमिट कार्ड और रैंक कार्ड, ऑनलाइन भरा हुआ फ़ॉर्म, जन्म तिथि का प्रमाण पत्र, आदि साथ लाना हैं। 612 कोड वाले इस प्रोग्राम की काउंसलिंग के बाद आवंटित सीट 27 जुलाई तक निरस्त किए जा सकते हैं। यह प्रोग्राम यूनिवर्सिटी से संबद्ध-नेशनल इंस्टिट्यूट फॉर एम्पावरमेंट ऑफ़ पर्सन्स विथ इंटेलेक्चुअल डिसेबिलिटीज़, नोएडा(6 सीटें) में उपलब्ध है।

ताहिर हुसैन को दोषी ठहराए जाने का प्रदेश भाजपा ने किया स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

- दोषी करार होने पर सार्वजनिक रूप से माफी मांगे केजरीवाल : मल्होत्रा

दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने वर्ष 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुए दंगों के दौरान इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) के अधिकारी अंकित शर्मा की सुनियोजित हत्या के मामले में आम आदमी पार्टी के पूर्व नगर निगम पार्षद ताहिर हुसैन को दोषी ठहराए जाने का स्वागत किया है। प्रदेश अध्यक्ष मल्होत्रा ने कहा कि सोमवार को आईबी के युवा अधिकारी अंकित शर्मा की हत्या के मामले में ताहिर हुसैन को दोषी ठहराए जाने के बाद दिल्ली भाजपा अरविंद केजरीवाल से ताहिर हुसैन एवं अन्य आरोपियों को संरक्षण देने के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग करती है। प्रदेश अध्यक्ष मल्होत्रा ने कहा कि आम आदमी पार्टी के कई राष्ट्रविरोधी तत्वों से गहरे संबंध रहे हैं, जो समय-समय पर उजागर होते रहे हैं। वर्ष 2020 के दंगों में ताहिर हुसैन इसका एक प्रमुख उदाहरण है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2020 के दंगों का एक अन्य आरोपी खालिद सैफी भी इंडिया अगेंस्ट करप्शन आंदोलन के दौरान अरविंद केजरीवाल की टीम के साथ कार्य कर चुका है। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी लगातार अरविंद केजरीवाल पर ताहिर हुसैन, अमानतुल्लाह खान, उमर खालिद और खालिद सैफी जैसे हिंदू-विरोधी एवं अल्पसंख्यक समुदाय के नेताओं का संरक्षण करने का आरोप लगाती रही है।

शिक्षा व्यवस्था से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं, केंद्रीय शिक्षा मंत्री तुरंत इस्तीफा दें : आतिशी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा में नेता विपक्ष और आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता आतिशी सोमवार को जंतर-मंतर पर पिछले 16 दिनों से 'कॉक्रोच जनता पार्टी' और प्रसिद्ध शिक्षाविद सोनम वांगचुक के नेतृत्व में चल रहे प्रदर्शन में शामिल होकर भाजपा पर निशाना साधा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर जारी इस आंदोलन को समर्थन देते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था से खिलवाड़ करने वाली इस सरकार को अब जवाब देना ही होगा। आतिशी ने कहा कि सोनम वांगचुक का यह हाल देखकर मेरी आंखों में

आंसू आ गए हैं। वह व्यक्ति जिसने देश में शिक्षा की एक नई क्रांति की शुरुआत की, जिसे पूरे देश ने देखा, आज वही इंसान 16 दिनों से बिना कुछ खाए इस भीषण गर्मी में अनशन पर बैठा हुआ है। उनका 8.5 किलो वजन कम हो गया है, शुगर लेवल 60 से 70 तक पहुंच गया है और ब्लड प्रेशर भी बेहद लो हो गया है। अगर कोई आम इंसान इस स्थिति में होता, तो अब तक अस्पताल की इमरजेंसी में भर्ती होता। वे खुद किसी एयर कंडीशनर वाले अस्पताल में ड्रिप चढ़वाकर बैठ सकते थे, लेकिन वे ऐसा नहीं कर रहे हैं। आतिशी ने कहा कि

- कॉक्रोच जनता पार्टी आंदोलन से आतिशी का भाजपा पर हमला

सोनम वांगचुक को खुद नीट, एसएससी या टीईटी की परीक्षा नहीं देनी है। वे अपने निजी स्वार्थ के लिए नहीं, बल्कि इस देश के युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने आज देश के युवाओं के हक के लिए अपनी जान की बाजी लगा दी है। इसके बावजूद केंद्र की यह संवेदनहीन और दमनकारी सरकार इतनी निष्ठुर हो चुकी है कि उसे सोनम वांगचुक की यह गंभीर स्थिति दिखाई नहीं दे रही है। यह ऐसी संवेदनहीन सरकार है जिसे नीट पेपर लीक मामले के बाद मानसिक तनाव में आकर आत्महत्या करने वाले मासूम बच्चों के चेहरे तक नजर नहीं आ रहे हैं।आतिशी ने कहा कि आम आदमी पार्टी के सभी साथी और मैं यहां पर सोनम वांगचुक और कॉक्रोच जनता पार्टी के इस विरोध प्रदर्शन का पुरजोर समर्थन करने आए हैं। हम इन युवाओं और सोनम वांगचुक को इस देश का असली हीरा मानते हैं। मैं इस उम्र के युवाओं के जज्बे को सलाम करती हूं, क्योंकि जिस उम्र में अमूमन युवा सिर्फ नया फोन, नई गाड़ी या मोटरसाइकिल खरीदने के बारे में सोचते हैं, वहां इन युवाओं ने भारतीय जनता पार्टी की इस दमनकारी और तानाशाही व्यवस्था के खिलाफ आवाज उठाने की हिम्मत दिखाई है। यह लड़ाई बेहद लंबी है और इसके लिए सभी को अपनी मानसिक और शारीरिक ताकत बनाए रखनी होगी।आतिशी ने कहा कि हमें अब इस सरकार को यह अहसास कराना होगा कि जब सत्ता जनता की आवाज सुनना बंद कर देती है, तो उसका पतन निश्चित हो जाता है। लोकतंत्र में जनता ही अपने मतों से नेताओं को शीर्ष पर बैठाती है और जब सरकारें निरंकुश हो जाती हैं, तो यही देश की जनता उन्हें सत्ता से बेदखल भी कर देती है। सोनम वांगचुक इस देश की राष्ट्रीय धरोहर हैं और आज उनका शरीर खत्म हो रहा है। हम उम्मीद करते हैं कि इस निष्ठुर सरकार की अंतरात्मा अब तो जागेगी।

स्वास्थ्य मंत्री ने वरिष्ठ नागरिकों के लिए समर्पित ओपीडी का किया उद्घाटन

वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थय की देखभाल के लिए सरकार प्रतिबद्ध: डॉ. पंकज

- इंदिरा गांधी अस्पताल में सुविधाओं का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली सरकार एक ऐसा हेल्थकेयर सिस्टम बनाने के लिए प्रतिबद्ध है जहां हर वरिष्ठ नागरिक को समय पर सुलभ और सम्मानजनक स्वास्थ्य देखभाल मिले। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने सोमवार को द्वारका के इंदिरा गांधी अस्पताल (आईजीएच) में बुजुर्गों के लिए एक खास समर्पित वरिष्ठ नागरिक ओपीडी (जेरिएट्रिक क्लीनिक) के उद्घाटन के बाद यह बात कही। उन्होंने कहा कि हमारे

बुज़ुर्ग अपना पूरा जीवन परिवार और समाज को बनाने में लगा देते हैं। अब यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम यह सुनिश्चित करें कि उन्हें उनके बुढ़ापे में सबसे अच्छी हेल्थकेयर सेवाएं मिले। इंदिरा गांधी अस्पताल में यह विशेष ओपीडी इस दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री के साथ सांसद कमलजीत सहरावत, अस्पताल के मेडिकल डायरेक्टर डॉक्टर नवनीत कुमार गोयल, वरिष्ठ डॉक्टर और सीनियर फैकल्टी सदस्यों के साथ निरीक्षण भी किया गया। मंत्री ने बताया कि यह सुविधा खास तौर पर 60 वर्ष और उससे ज्यादा उम्र के वरिष्ठ नागरिकों के लिए शुरू की गई है। इस विशेष सुविधा के अंतर्गत आसान रजिस्ट्रेशन, समर्पित ओपीडी सर्विस, डायग्नोस्टिक सुविधाओं में प्राथमिकता और कई तरह की स्पेशलिटीज में तुरंत मेडिकल देखभाल जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी।

सराहनीय पहल के लिए अस्पताल स्टाफ को दी बधाई

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज ने अस्पताल के सभी डॉक्टरों, नर्सों और अस्पताल के पूरे स्टाफ़ को इस सराहनीय पहल के लिए हार्दिक बधाई दी। मंत्री ने कहा कि अस्पताल में वरिष्ठ नागरिकों के साथ बातचीत के दौरान कई बुजुर्गों ने अलग ओपीडी सुविधाएं, प्राथमिकता के आधार पर मेडिकल सेवाएं और मरीजों की बेहतर देखभाल की सराहना की हैं। राजधानी दिल्ली में वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं को और ज्यादा बेहतर बनाने की दिशा में इसे एक अहम कदम बताते हुए उन्होंने कहा कि इस विशेष ओपीडी का मकसद बुजुर्ग नागरिकों को प्राथमिकता के आधार पर बिना किसी परेशानी के सरल, सुविधाजनक एवं मरीज-केंद्रित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है।

स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता का भी लिया जायजा

उद्घाटन के बाद स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने अस्पताल का बारीकी से निरीक्षण किया और हाइड्रोथेरेपी यूनिट, इमरजेंसी डिपार्टमेंट, जनरल मेडिसिन समेत कई अहम विभागों का दौरा किया। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता का भी जायजा लिया और मरीजों के लिए उपलब्ध हेल्थकेयर सेवाओं की क्वालिटी की समीक्षा की। डॉक्टरों, हेल्थकेयर वर्करों और मरीजों से बातचीत करके उनकी समस्याओं, सुझावों के साथ फ़ीडबैक लिया।

'आप' आज से हनुमान चालीसा पाठ और राम-हनुमान की आरती का आयोजन करेगी : सौरभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

- राम मंदिर में हुई चंदा चोरी को लेकर प्रधानमंत्री को भेजी जाने वाली चिट्ठी पर राम भक्त हस्ताक्षर भी करेंगे

आम आदमी पार्टी (आप) राम मंदिर के चढ़ावे में चोरी करने वाले चोरों को कड़ी सजा दिलाने की प्रार्थना करने के लिए आज मंगलवार से दिल्ली के 250 वार्डों में हनुमान चालीसा पाठ के साथ राम आरती और हनुमान आरती का आयोजन करेगी। इस बात जानकारी सोमवार को आप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने दी। उन्होंने कहा कि इस दौरान राम मंदिर में चंदा चोरी को लेकर प्रधानमंत्री को भेजी जाने वाली चिट्ठी पर राम भक्त हस्ताक्षर भी करेंगे। साथ ही, राम मंदिर में हुई चोरी और रामभक्तों के चढ़ावे को बचाने की कोशिशों पर लोगों के साथ चर्चा की जाएगी। उल्लेखनीय है कि आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने राम मंदिर में चढ़ावा चोरी, जमीन और निर्माण में घोटाला करने वालों को सजा दिलाने के लिए रविवार को रोहिणी सेक्टर 10 स्थित जापानी पार्क में सुंदरकांड पाठ और राम हनुमान की आरती के बाद देशव्यापी सिग्नेचर कैंपेन की शुरुआत की थी। अब यह कार्यक्रम पूरे देश में आम आदमी पार्टी के नेता अपने अपने राज्य में करेंगे।

खबर संक्षेप

ठगी के मामलों में 12 आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। साइबर थाना एनआईटी फरीदाबाद की अलग-अलग टीमों ने कार्रवाई करते हुए

12 जुलाई को 7 अलग-अलग मामलों में कुल 12 आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। वर्क फ्रॉम होम के नाम पर 47,594 की साइबर ठगी के मामले में सोशल मीडिया के माध्यम से पैसे ऐंठने वाले आरोपी अभिषेक मीणा निवासी बागड़ी, जिला दौसा राजस्थान हाल निवासी कोरल पार्क, कोटा राजस्थान को गिरफ्तार किया गया। जिसने शिकायतकर्ता से बात करके पैसे अपना जानकार के खाता में भिजवाये थे। इसके अलावा ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर निवेश करवाकर 91,50,000 रूपएकी ठगी करने के मामले में बैंक खाता उपलब्ध कराने वाले आरोपी उमेश कुमार सरगरा निवासी गांव सनवाड़ फतेहनगर, जिला उदयपुर राजस्थान को गिरफ्तार किया गया।

युवक की गोली मारकर हत्या, आरोपी फरार

गाजियाबाद। लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र के रतिराम कॉलोनी में हॉर्न बजाने को लेकर हुए विवाद में

मोटरसाइकिल युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गयी। साथ ही युवक को भी पीट कर घायल कर।दिया। दोनों बाइक सवार आरोपी से साइड मांग रहे थे। पुलिस ने मामले में शिकायत के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की है। घटना के बाद से आरोपी परिवार सहित फरार है। पुलिस के मुताबिक रतिराम कॉलोनी में विपिन कुमार (22) परिवार के साथ रहते थे। वह पेंट के ब्रश बनाने के कारखाने में काम करते थे। रविवार रात विपिन अपने भाई के साथ बाइक पर बैठकर घर की तरफ जा रहा था। रास्ते में सोनू अपने परिवार के सदस्यों के साथ खड़ा था। आरोप है कि विपिन सोनू से आगे जाने के लिए साइड मांग रहा था। साइड मांगने के लिए विपिन ने बाइक का हॉर्न बजाया। लगातार हॉर्न बजाने को लेकर सोनू और विपिन में झगड़ा हो गया।

ईमेल मिलते ही स्कूलों और लघु सचिवालय में सघन तलाशी

स्कूलों और लघु सचिवालय को बम से उड़ाने की खालिस्तान समर्थक धमकी, गुरुग्राम में हाई अलर्ट ,पुलिस जांच में जुटी

धर्मेंद्र कौशिक ▶▶ गुरुग्राम

साइबर सिटी गुरुग्राम में सोमवार सुबह खालिस्तान समर्थक एक धमकी भरे ईमेल से प्रशासन और पुलिस महकमे में हडक़ंप मच गया। शहर के कई प्रमुख निजी स्कूलों और लघु सचिवालय को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद पुलिस ने तत्काल हाई अलर्ट जारी कर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी। सूचना मिलते ही संबंधित स्कूलों में एहतियातन सुरक्षा बढ़ाई गई और बम निरोधक दस्ता, डॉग स्क्वायड तथा पुलिस की विशेष टीमें मौके पर पहुंचकर सघन तलाशी अभियान में जुट गईं। पुलिस के अनुसार सुबह करीब 9:15 बजे ब्लू बेल्स मॉडल स्कूल, सालवान पब्लिक स्कूल, एमिटी इंटरनेशनल स्कूल, एयरफोर्स स्कूल और लघु सचिवालय को ईमेल भेजकर स्कूलों में दोपहर 1:11 बजे तथा लघु सचिवालय में 3:11 बजे विस्फोट करने की धमकी दी गई। ईमेल में हरियाणा को खालिस्तान बनाने, कुछ राजनीतिक और सामाजिक मुद्दों का उल्लेख करने के साथ सोनीपत रेलवे स्टेशन पर आईईडी विस्फोट की धमकी भी दी गई। पुलिस ने स्पष्ट किया कि ईमेल में किए गए अन्य दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और उनकी भी जांच की जा रही है। धमकी मिलते ही गुरुग्राम पुलिस, जिला प्रशासन और खुफिया एजेंसियां सक्रिय हो गईं। सभी स्कूलों और लघु सचिवालय परिसर को सुरक्षा घेरे में लेकर कक्षाओं, कार्यालयों, पार्किंग और अन्य हिस्सों की गहन तलाशी ली गई। कई घंटे तक चले अभियान में किसी भी स्थान से कोई संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक नहीं मिला, जिसके बाद अधिकारियों ने राहत की सांस ली। पुलिस ने मामले की जांच साइबर अपराध शाखा को सौंप दी है। ईमेल के स्रोत, आईपी एड्रेस और तकनीकी विवरण खंगाले जा रहे हैं ताकि धमकी भेजने वालों की पहचान की जा सके। आवश्यकता पडऩे पर अन्य केंद्रीय एजेंसियों का भी सहयोग लिया जाएगा।

गौरतलब है कि हाल के महीनों में गुरुग्राम और हरियाणा के अन्य जिलों में भी स्कूलों व सार्वजनिक संस्थानों को ईमेल के माध्यम से धमकियां मिलने की घटनाएं सामने आई हैं। पुलिस का कहना है कि फिलहाल हर पहलू की गंभीरता से जांच की जा रही है और दोषियों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही लोगों से अफवाहों से बचने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत पुलिस को सूचना देने की अपील की गई है।

डॉग स्क्वायड व बम निरोधक दस्ता घंटों जुटा रहा

जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक में कुल 15 परिवादों में से 12 का मौके पर हुआ समाधान

जन शिकायतों का समयबद्ध समाधान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : कैबिनेट मंत्री आरती राव

» हाईटेंशन विद्युत लाइनें 15 दिनों में हों शिफ्ट, कार्य में देरी बर्दाश्त नहीं

» ननि के मामलों में मौके पर निरीक्षण कर प्राथमिकता से करें समाधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी)सम्मेलन केंद्र, सेक्टर-12 फरीदाबाद में सोमवार को जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता हरियाणा सरकार में स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान तथा आयुष मंत्री सुश्री आरती राव ने की। बैठक में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 15 परिवाद प्रस्तुत किए गए, जिनमें से 12 परिवादों का समाधान मौके पर ही कर दिया गया, जबकि 3 मामलों को अगली बैठक तक लंबित रखते हुए आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों ने अपने-अपने मामलों पर विस्तृत रिपोर्ट भी प्रस्तुत की। बैठक में मंत्री ने स्पष्ट कहा कि सरकार नागरिकों को पारदर्शी, जवाबदेह और संवेदनशील प्रशासन देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी परिवादों का समयबद्ध एवं प्राथमिकता के आधार पर निपटान सुनिश्चित किया जाए और समाधान इस प्रकार हो कि परिवादी को पूरी संतुष्टि मिले।

■ साहुपुरा से सोतई तक जलभराव की समस्या का होगा स्थायी समाधान

नागरिक सुविधाओं के कार्यों में किसी भी प्रकार की ढिलाई नहीं बरती जानी चाहिए

बैठक में नगर निगम से संबंधित सेक्टर-21डी की क्षतिग्रस्त सडक़ों, अवैध निर्माण, सीवर, जलभराव तथा अन्य आधारभूत सुविधाओं से जुड़ी शिकायतों पर विस्तार से चर्चा की गई। मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी स्थलों का मौके पर निरीक्षण कर प्राथमिकता के आधार पर समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि बरसात के मौसम को देखते हुए सडक़ मरम्मत, जल निकासी तथा नागरिक सुविधाओं के कार्यों में किसी भी प्रकार की ढिलाई नहीं बरती जानी चाहिए।

बिजली बिल विवाद की जांच के लिए एडीसी की अध्यक्षता में समिति गठित

बैठक के दौरान एक शिकायतकर्ता ने बिजली बिलों में त्रुटि, पूर्व में किए गए भुगतानों का रिकॉर्ड उपलब्ध न होने तथा मीटर हटाए जाने संबंधी शिकायत प्रस्तुत की। मामले की गंभीरता को देखते हुए मंत्री आरती राव ने अतिरिक्त उपायुक्त एवं ग्रीवेंस कमेटी के सदस्यों की समिति गठित कर निष्पक्ष जांच कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समिति विस्तृत जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करे तथा उसके आधार पर नियमानुसार एवं समयबद्ध तरीके से शिकायत का समाधान सुनिश्चित किया जाए।

साहुपुरा से सोतई तक जलभराव की समस्या का होगा स्थायी समाधान

साहुपुरा से सोतई तक जलभराव, सड़क एवं नालियों से संबंधित शिकायतों पर नगर निगम अधिकारियों ने प्रस्तावित विकास कार्यों एवं स्वीकृत परियोजनाओं की जानकारी दी। स्वास्थ्य मंत्री ने निर्देश दिए कि दीर्घकालीन समाधान के साथ-साथ तत्काल राहत के लिए जल निकासी एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित की जाएं।

एचएसवीपी के लंबित आवंटन मामलों का नियमों के अनुसार करें निस्तारण

एचएसवीपी से जुड़े पुराने आवंटन विवाद तथा बहु.आवंटन (मल्टीपल अलॉटमेंट) के मामले में अधिकारियों ने न्यायालय में लंबित प्रकिया की जानकारी दी। इस पर स्वास्थ्य मंत्री आरती राव ने निर्देश दिए कि न्यायालय के आदेशों एवं विभागीय नियमों के अनुरूप प्रकरण का शीघ्र और पारदर्शी समाधान सुनिश्चित किया जाए। बैठक के समापन पर स्वास्थ्य मंत्री आरती राव ने सभी विभागाध्यक्षों को निर्देश दिए कि प्रत्येक शिकायत का केवल औपचारिक निस्तारण न किया जाए, बल्कि मौके पर जाकर स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाए। आम नागरिकों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। सभी विभाग समयबद्ध कार्रवाई करते हुए अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत करें तथा जनहित से जुड़े मामलों में पूर्ण संवेदनशीलता एवं जवाबदेही के साथ कार्य करें।

वार्ड-35 से महाअभियान का शुभारंभ

कूड़ा निस्तारण महाअभियान से स्वच्छ एवं विकसित फरीदाबाद के संकल्प को मिलेगी नई गति: मंत्री गोयल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

हरियाणा सरकार के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, शहरी स्थानीय निकाय तथा नागरिक उड्डयन मंत्री विपुल गोयल ने सोमवार को फरीदाबाद के वार्ड संख्या-35 स्थित राजीव नगर, पुरानी चुंगी रोड से स्वच्छता महाअभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने स्वच्छ, सुंदर एवं विकसित फरीदाबाद के निर्माण के लिए जनसहभागिता को सबसे महत्वपूर्ण आधार बताते हुए नागरिकों से स्वच्छता को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने कहा कि स्वच्छता किसी भी विकसित शहर की पहली पहचान होती है। किसी भी शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने का कार्य केवल सरकार के प्रयासों से संभव नहीं है, बल्कि इसके लिए समाज के प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रारंभ हुआ स्वच्छ भारत मिशन आज देश का सबसे बड़ा जन आंदोलन बन चुका है, जिसने स्वच्छता के प्रति लोगों की सोच और व्यवहार में व्यापक परिवर्तन लाने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार का उद्देश्य केवल नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करना नहीं, बल्कि वर्षों से जमा कचरे के स्थायी और वैज्ञानिक निस्तारण की प्रभावी व्यवस्था विकसित करना भी है। इसी दिशा में आधुनिक तकनीकों को अपनाया जा रहा है। वाराणसी स्थित एनटीपीसी की हरित कोयला (ग्रीन कोल) परियोजना का अध्ययन किया गया है, जहां वैज्ञानिक तकनीक के माध्यम से कचरे से ईंधन योग्य कोयला तैयार किया जा रहा है। जिससे जमा कचरे का स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जा सके। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार शहरी स्थानीय निकायों में आधुनिक कचरा संग्रहण वाहनों, डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण प्रणाली तथा जीपीएस आधारित मॉनिटरिंग व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ कर रही है।

227 उद्घोषित व जमानत तर्क अपराधियों पर कार्रवाई

फरीदाबाद पुलिस का तीन दिवसीय विशेष अभियान 417 आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

पुलिस आयुक्त सतेंद्र कुमार गुप्ता के दिशा-निर्देश पर अपराध एवं असामाजिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से फरीदाबाद पुलिस ने 10 से 12 जुलाई तक तीन दिवसीय विशेष अभियान चलाया। अभियान के दौरान जिलेभर में थाना पुलिस, अपराध शाखाओं एवं अन्य विशेष इकाइयों ने कार्रवाई करते हुए विभिन्न मामलों में कुल 417 आरोपियों को गिरफ्तार किया। साथ ही 47 गुमशुदा व्यक्तियों को तलाश कर उनके परिजनों से मिलवाया गया, बकि 227 उद्घोषित एवं जमानत तर्क अपराधियों के विरुद्ध भी प्रभावी कार्रवाई की है। पुलिस पे अनुसार अभियान के दौरान मादक पदार्थों की तस्करी पर विशेष फोकस रहा। एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज 9 मामलों में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 3 किलोग्राम से अधिक गांजा 25 प्रतिबंधित इंजेक्शन तथा 1.3 ग्राम एमडीएमए बरामद किया तथा 9 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया। अवैध हथियार

रखने वालों पर भी फरीदाबाद पुलिस ने सख्ती दिखाते हुए 17 अवैध देशी कट्टे बरामद किये और 17 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई। शराब तस्करी और अवैध शराब के कारोबार पर कार्रवाई करते हुए आबकारी अधिनियम के तहत 79 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इस दौरान पुलिस ने करीब 2000 बोतल देसी एवं अंग्रेजी शराब तथा 4 लीटर कच्ची शराब बरामद की। बरामद शराब को नियमानुसार कब्जे में लेकर आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मुकदमे दर्ज किए गए।

परिवार, गांव और समाज में शोक की लहर

मिश्री देवी का 100 साल की आयु में निधन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

जिला के गांव पातली में बुजुर्ग मिश्री देवी पत्नी स्व. धनराज नंबरदार का 100 साल की आयु में निधन हो गया। जीवन के अंतिम समय तक वे स्वस्थ और चलती फिरती रहीं। उन्होंने गांव में घर पर ही अंतिम सांस ली।

मिश्री देवी का सोमवार 13 जुलाई 2026 को निधन हुआ। परिवार के अनुसार एक सप्ताह पहले उन्हें हृदय संबंधी समस्या हुई थी। उपचार के बाद उन्हें अस्पताल से घर लाया गया था। श्रीमती मिश्री देवी अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गई हैं। उनके पोते-पोतियां और नाती-नातिन भी हो चुके हैं। धनराज नंबरदार और मिश्री देवी बच्चों की शिक्षा को लेकर हमेशा सजग रहे और संस्कारों के साथ उन्हें आगे बढ़ाया। आज उनके बच्चे अपने-अपने क्षेत्र में सफल और कामयाब हैं। उनको पोतों ने बताया कि दादी जी ने पूरे जीवन सादगी, मेहनत और संस्कारों से परिवार को जोड़ा रखा। गांव और आसपास के क्षेत्रों में उनका खास आदर और सम्मान था।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 CrPC / 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **मोहम्मद इमरान पुत्र** मोहम्मद यामीन, **निवासी** डी–54/एन–39, डी–ब्लॉक, झुग्गी सराय पीपल थला, आदर्श नगर, दिल्ली, ने **FIR No. 1197/2021, U/S 392/34 IPC, पुलिस स्टेशन महेन्द्रा पार्क, उत्तर–पश्चिम जिला, दिल्ली,** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किया गया गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मोहम्मद इमरान** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मोहम्मद इमरान** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)
इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 1197/2021, U/S 392/34 IPC, पुलिस स्टेशन महेन्द्रा पार्क, उत्तर–पश्चिम जिला, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **मोहम्मद इमरान** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **18.08.2026** को या इससे पहले हाज़िर हो।

आदेशानुसार
सुश्री अमरदीप कौर
अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (उत्तर),
कमरा नं0–117, रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/9508/NW/2026
(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी/84 बीएनएसएस देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **सुनिता केयर ऑफः उमेश पताः मकान नं. 223, खसरा नं. 785, बी ब्लॉक, बलबीर विहार, किराड़ी, सुलेमान नगर, दिल्ली** ने case **FIR No. 487/2022 U/s 33 Delhi Excise Act, थानाः अमन विहार, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सुनिता** मिल नहीं रही है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सुनिता** फरार हो गयी है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रही है।)
इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि case **FIR No. 487/2022 U/s 33 Delhi Excise Act, थानाः अमन विहार, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **सुनिता** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद/मुकदमा का उत्तर देने के लिए **दिनांक 31.08.2026** को या उससे पूर्व हाज़िर हो।

आदेशानुसार
सुश्री शगुन
न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी
उत्तर पश्चिम, कोर्ट नं. 109
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/9416/RD/2026 (Court Matter)

मोतीलाल नेहरू खेल विद्यालय, राई-131029 जिला सोनीपत (हरियाणा)

(हरियाणा सरकार द्वारा संचालित और केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई), नई दिल्ली से सम्बद्ध एक सह–शैक्षणिक आवासीय विद्यालय)

भर्ती सूचना (विज्ञा. सं. 04/2026)

निम्नलिखित पदों (नियमित आधार पर) के लिए आवेदन एतद द्वारा आमंत्रित किए जाते हैं।

1. रिक्तियों का विवरण :–

पद	पदों की सं.	श्रेणी	एफपीएल
लिपिक	01	बीसी(ए)	एफपीएल–3
	01	डीएससी	एफपीएल–3
स्टेनो–टाइपिस्ट	01	यूआर	एफपीएल–3 + 100

2. ऑनलाइन आवेदन जमा करवाने के लिए अन्तिम तिथि
ऑनलाइन आवेदन पोर्टल 15.07.2026 को पूर्वा. 10.00 बजे से 04.08.2026 को 12:00 बजे अर्धरात्रि तक क्रियाशील रहेगा।
3. आवेदन प्रपत्र और विस्तृत विज्ञापन :–
आवेदन प्रपत्र, पात्रता मापदंड, निर्देश, और अन्य विवरण विद्यालय वेबसाइट : www.mnssrai.com पर उपलब्ध हैं।
4. टिप्पणी :–
रिक्तियों की संख्या अस्थायी है और सक्षम प्राधिकारी के विवेक पर निरस्तीकरण समेत बढ़ाई अथवा घटाई जा सकती है।

हस्ता/– प्राचार्य एवं निदेशक (कार्यकारी)
एम.एन.एस.एस., राई

संवाद–1262/11/76/2027/47102/सी/88/7 दि. 13.07.26

सरकार ने नपा एवं फायर कर्मियों के साथ की वादाखिलाफी से नाराज नपा कर्म. संघ ने किया हड़ताल का ऐलान: शास्त्री

द्विपक्षीय वार्ता में मानी गई मांगों के पत्र जारी न करना सरकार की नियत में खोट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

बीते 13 मई को सरकार और नपा कर्म. संघ व अग्निशमन कर्मचारी यूनियन के बीच हुई द्विपक्षीय वार्ता में बनी सहमति को लागू न किए जाने के विरोध में नगरपालिका कर्मचारी संघ, हरियाणा के आह्वान पर सोमवार 13 जुलाई को दौलत राम खान धर्मशाला फरीदाबाद में समझौता लागू करवाओ, संगठन मजबूत बनाओ, जिला स्तरीय रैली आयोजित की गई। रैली की अध्यक्षता नगरपालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के जिला प्रधान दलित बोहत ने की तथा मंच का

संचालन जिला सचिव अनिल चिंडालिया ने किया। रैली में नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के राज्य प्रधान नरेश कुमार शास्त्री महासचिव मांगेराम तिगरा व उप महासचिव सुनील चिंडालिया, हरियाणा अग्निशमन कर्मचारी यूनियन के राज्य प्रधान राजेंद्र सिंह, महासचिव गुलशन भारद्वाज, राजीव खत्री, राजा भाई आदि ने रैली को मुख्य रूप से संबोधित किया। रैली में सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा द्वारा 30 जुलाई से अगस्त तक की जाने वाली जिला स्तरीय रैलियों में भाग लेने एवं अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी महासंघ के आह्वान पर 12 दिसम्बर को होने वाली राष्ट्रीय रैली में नपा कर्म संघ व अग्निशमन कर्मचारी बढ़-चढ़ कर भाग लेने का भी सर्व सम्मति से प्रस्ताव पास किया। नगरपालिका कर्मचारी संघ, हरियाणा के राज्य प्रधान नरेश कुमार शास्त्री ने कहा कि 13 मई की द्विपक्षीय वार्ता में सरकार ने कर्मचारियों की 17 प्रमुख मांगों पर सहमति व्यक्त करते हुए 30 जून तक आदेश जारी करने का आश्वासन दिया था, लेकिन आज तक मानी गई।

हरियाणा सरकार **निविदा सूचना**

क्र. सं.	विभाग का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि	राशि/ईएमडी (लगभग) रु. में	विभाग की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ई-मेल
1	लोनिवि भ व प गुरुग्राम	1. फतेहाबाद जिले में टोहाना शहर में हिसार रोड से रतिया रोड को जोड़ने वाले बाईपास/परिधि रोड (कि.मी. 0.000 से कि.मी. 5.000) (आरडी 000 से 5000) और 2. वर्ष 2026-27 हेतु (आरडी 000 से 4500) फतेहाबाद जिले में पुराना एनएच-9 (शहरी भाग) कि.मी. 208.90 से 221.59 (आरडी 000 से 5000) (ओडीआर) केसी/वी में प्लांटेशन कार्य का वार्षिक रखरखाव (01.08.2026 से 31.03.2027 तक 08 माह हेतु प्लांटेशन कार्य का रखरखाव, लेबर कार्य केवल और 7000 ली. क्षमता सरकारी जल टैंकर में पानी को भरना) और एक अन्य कार्य।	10.07.2026 20.07.2026	18.11 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9717214202 zilesinghhort@gmail.com
2	सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग हरियाणा, चरखी दादरी	एलडब्ल्यूएस (एम) उपमण्डल सं. 2, चरखी दादरी के अधिकार-क्षेत्र के तहत स्टोर में विभिन्न प्रकार की सामग्री की आवश्यकता के सम्बन्ध में।	बंद होने की तिथि 16.07.2026	6.31 लाख	https://etenders.hry.nic.in	01250-220058 xenlwsmech@gmail.com
3	एसएचकेएम राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय नल्हार, नूह	शहीद हसन खान मेवाती राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय, नल्हार में सामान्य औषधि विभाग के लिए इंजेक्शन हेपेटाइटिस-ए वैक्सिन की खरीद के लिए निविदा।	15.07.2026 27.07.2026	1 लाख	https://etenders.hry.nic.in	01267-282007 tendergmcmewat@gmail.com
4	एसएचकेएम राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय नल्हार, नूह	एसएचकेएम राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय, नल्हार, नूह, हरियाणा में कैंटीन सेवाओं के प्रावधान के लिए निविदा।	15.07.2026 29.07.2026	15.12 लाख	https://etenders.hry.nic.in	01267-282007 tendergmcmewat@gmail.com

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें : www.etenders.hry.nic.in पीआरडीएच–11/2027/80/47142/I/88/7 दि. 13.07.26

खबर संक्षेप

जादू-टोना के शक में बुजुर्ग को काटकर मार डाला

गुमला। झारखंड के गुमला में 75 वर्षीय बुजुर्ग से हैवानियत की गई। जादू-टोना के शक में सीताराम खड़िया की कुदाल से काटकर हत्या कर दी गई। आरोपी एतवा उरांव को गिरफ्तार कर लिया गया है। घटना सिसई थाना क्षेत्र के पोढ़ा नागफेनी गांव में शनिवार रात की है। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए गुमला सदर अस्पताल भेज दिया है। इस संबंध में हत्या का केस दर्ज किया गया है।

खान सर की अग्रिम जमानत याचिका मंजूर

पटना। कोचिंग विवाद मामले में फैजल खान को बड़ी राहत मिल गई है। पटना सिविल कोर्ट ने खान सर की अग्रिम जमानत याचिका मंजूर कर ली है। इससे पहले अदालत ने उनकी अग्रिम जमानत याचिका पर दोनों पक्षों की सुनवाई पूरी होने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। अदालत ने फायरिंग केस में आरोपी खान सर की अग्रिम जमानत याचिका को मंजूर कर लिया है।

यूपी में 181 पीसीएस अफसरों के ट्रांसफर

लखनऊ। यूपी में फेरबदल किया गया है। योगी सरकार ने कल रात से लेकर अब तक दो चरणों में 363 पीसीएस अधिकारियों के तबादले किए हैं। रविवार को आधी रात में 182 अफसरों की ट्रांसफर लिस्ट आई और इस आदेश के बाद 181 एसडीएम की तबादला सूची आ गई। यूपी में राज्य प्रशासनिक सेवा के कुल 363 अफसर इधर से उधर कर दिए गए हैं।

समर्थन में खुलकर उतरे संत-व्यापारी

ट्रस्ट की अगली रणनीति पर टिकीं निगाहें

चंपत राय की वापसी की आने लगी सुगबुगाहट

एजेंसी ▶▶ अयोध्या

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय को लेकर अब अयोध्या में माहौल बदलता दिखाई दे रहा है। एक ओर उन्होंने सार्वजनिक पत्र जारी कर खुद को निर्दोष बताते हुए एसआईटी की अंतिम रिपोर्ट आने तक विस्तृत जवाब देने की बात कही है, वहीं दूसरी ओर उनके समर्थन में साधु-संतों और व्यापारिक संगठनों की लामबंदी भी तेज हो गई है। ट्रस्ट के भीतर और बाहर दोनों स्तरों पर यह चर्चा जोर पकड़ रही है कि अंतिम जांच रिपोर्ट के बाद परिस्थितियां बदल सकती हैं। रामभक्तों के नाम लिखे अपने पत्र में चंपत राय ने कहा था कि उनके साथ अपनों ने विश्वासघात किया है। उन्होंने दावा किया था कि एसआईटी की प्रारंभिक रिपोर्ट में उनका नाम नहीं है और अंतिम रिपोर्ट आने के बाद वह हर आरोप का तथ्यात्मक जवाब देंगे।

जनता दर्शन में सीएम योगी सख्त, शिकायतों के त्वरित निस्तारण पर जोर

ड्राइविंग लाइसेंस की तीनों कंपनियों की अवैध वसूली पर जताई नाराजगी

जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री ड्राइविंग लाइसेंस बनाने वाली तीनों कंपनियों द्वारा अपने ही कर्मचारियों से की जा रही अवैध वसूली की शिकायत पर विशेष रूप से नाराज दिखाई दिए।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को आयोजित जनता दर्शन में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए फरियादियों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को तत्काल एवं निष्पक्ष कार्रवाई के निर्देश दिए। जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री ड्राइविंग लाइसेंस बनाने वाली तीनों कंपनियों द्वारा अपने ही कर्मचारियों से की जा रही अवैध वसूली की शिकायत पर विशेष रूप से नाराज दिखाई दिए। उन्होंने परिवहन विभाग के अधिकारियों को दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने यह भी नाराजगी जताई कि एक सप्ताह पहले मिली शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया गया और उसे नजरअंदाज किया गया।

अवैध कब्जा, धमकी और बिल्डर धोखाधड़ी पर कार्रवाई के निर्देश

जनता दर्शन में अवैध कब्जे और धमकी से जुड़े कई मामले भी मुख्यमंत्री के सामने आए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऐसे मामलों की सख्ती से जांच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में अपराधियों और भूमाफियाओं के लिए कोई स्थान नहीं है तथा अपराध एवं अवैध कब्जे से जुड़े मामलों की विवेचना में तेजी लाकर पीड़ितों को समयबद्ध न्याय दिलाया जाए। इस दौरान गाजियाबाद, मेरठ और नोएडा से जुड़े एक बिल्डर के खिलाफ भी बड़ी संख्या में शिकायतें पहुंचीं।

लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे राष्ट्र को समर्पित

तेज रफ्तार कनेक्टिविटी से बदलेगी यूपी की तस्वीर, विकास व निवेश को मिलेगी नई गति

लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे का राजनाथ और गडकरी ने उद्घाटन किया। उनके साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक भी मौजूद थे। फीता काटने के बाद उन्होंने वहां पर लगाई गई प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया...

हरिभूमि न्यूज ▶▶ लखनऊ

यूपी को एक बड़ी सौगात मिली, जब 63 किमी. लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे का रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और सीएम योगी ने संयुक्त रूप से लोकार्पण किया। करीब 4,200 करोड़ रुपए की लागत से तैयार इस आधुनिक एक्सप्रेसवे के शुरू होने से लखनऊ - कानपुर के बीच यात्रा का समय घटकर लगभग 30 से 40 मिनट रह जाएगा। यह परियोजना प्रदेश की सड़क कनेक्टिविटी, उद्योग, व्यापार और निवेश को नई गति देने वाली मानी जा रही है। रक्षा मंत्री ने कहा कि आधुनिक सड़क अवसंरचना किसी भी राज्य के विकास की आधारशिला होती है। यह एक्सप्रेसवे यूपी की आर्थिक प्रगति, औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी और सीएम योगी ने किया लोकार्पण

दो घंटे का सफर अब महज 40 मिनट में

विश्वस्तरीय आधारभूत संरचना का तेजी से हो रहा विकास- सीएम

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में विश्वस्तरीय आधारभूत संरचना का तेजी से विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि नए एक्सप्रेसवे और राष्ट्रीय राजमार्ग प्रदेश को देश की सबसे मजबूत कनेक्टिविटी वाले राज्यों में शामिल कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने इसे प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाई देने वाला महत्वपूर्ण कदम बताते हुए केंद्र सरकार, विशेष रूप से केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का आभार व्यक्त किया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस परियोजना से लखनऊ और कानपुर के बीच यात्रा का समय घटकर लगभग 40 मिनट रह जाएगा।

यूपी की सड़क परियोजनाओं को गति देने के लिए केंद्र और राज्य का साझा संकल्प

सीएम ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के साथ यूपी में राष्ट्रीय राजमार्गों एवं सड़क अवसंरचना से जुड़ी प्रमुख परियोजनाओं की व्यापक समीक्षा की। बैठक में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय तथा यूपी सरकार के प्रस्तावों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। सीएम ने कहा कि आधुनिक सड़क अवसंरचना विकसित यूपी की आधारशिला है। इसके माध्यम से निवेश, उद्योग, कृषि, पर्यटन, व्यापार को नई गति मिलेगी।

2009 के मामले में मिली जमानत

नामांकन के बाद ही गिरफ्तार जेजेडी प्रत्याशी वीणा मानवी को कोर्ट से राहत

एजेंसी ▶▶ बांकीपुर

यहां विधानसभा उपचुनाव में जनशक्ति जनता दल की उम्मीदवार वीणा मानवी को अदालत से बड़ी राहत मिली है। वर्ष 2009 के एक मामले में गिरफ्तारी के बाद अदालत ने उन्हें जमानत दे दी। जानकारी के अनुसार, वीणा मानवी ने सोमवार को बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद वर्ष 2009 के कांड संख्या 837/2009 में जारी वारंट के आधार पर पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद उन्हें संबंधित अदालत में पेश किया गया, जहां सुनवाई के दौरान अदालत ने उन्हें जमानत दे दी। इसके बाद उन्हें राहत मिल गई।

प्रशांत किशोर की संपत्ति का खुलासा

पत्नी के पास भी 100 करोड़ रुपए से अधिक की जायदाद

एजेंसी ▶▶ पटना

जन सुराज पार्टी के नेता प्रशांत किशोर 96 करोड़ रुपए की संपत्ति के मालिक हैं। प्रशांत की डॉक्टर पत्नी जाह्नवी दास के पास भी 100 करोड़ रुपए से ऊपर की जायदाद है। प्रशांत किशोर ने पटना की बांकीपुर विधानसभा सीट के उप-चुनाव में सोमवार को नामांकन पत्र के साथ दाखिल एफिडेविट में जमीन-जायदाद का पूरा खुलासा किया है। प्रशांत की कमाई, उनकी संपत्ति और उनके नेटवर्थ को लेकर लंबे समय से एक सस्पेंस था, जो अब खत्म हो गया है।

पेज एक का शेष...

चलिए , मान गए...

कहती है कि भाजपा में फूट है। देख लीजिए, हम सब यहां साथ खड़े हैं। मैं इस उपचुनाव में पार्टी प्रत्याशी आशुतोष तिवारी को जिताने दतिया के एक-एक घर के सामने शीश नवाऊंगा। इतना कहते ही उनका गला भर आया, आवाज भर्रा उठी और आंखों में आंसू छलक आए। इसके बाद वे अपनी सीट पर बैठ गए लेकिन तब भी वे रुआंसे ही नजर आए।

मुख्यमंत्री ने नरोत्तम के सुपुर्द किया आशुतोष को: सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नरोत्तम से कहा कि हम आशुतोष को आपके सुपुर्द कर रहे हैं। इनको पार लगाना अब आपका काम है। नरोत्तम ने खुद को संभालते हुए कहा कि दतिया के मालिकों, मैं आपके एक-एक दरवाजे पर जाऊंगा, अपना शीश नवाऊंगा और एक-एक गांव के अंदर जाकर आशुतोष को जिताऊंगा। उन्होंने कहा कि भाजपा का का एक-एक कार्यकर्ता आशुतोष भैया के लिए अपने प्राण झोंक देगा। कोई भी विपक्षी दल या नेता इस भ्रम और मुगालते में न रहे कि चुनाव में हमारा कार्यकर्ता घर बैठेगा। हम सब 16 तारीख से यहीं दतिया में डेरा जमाएंगे और मिलकर इतिहास रचेंगे।

मुख्यमंत्री की ...

नामांकन दाखिल किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, भाजपा के प्रदेश प्रभारी महेंद्र सिंह, उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा और पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा समेत दूसरे पार्टी नेता उनके साथ रहे।

'नायक' न बन सके अवधेश ...

चाहता हूं।

घनश्याम ने दाखिल किया नामांकन: कांग्रेस प्रत्याशी घनश्याम सिंह ने सोमवार को पहले मां पीतांबरा पीठ जाकर दर्शन किए और इसके बाद दतिया आकर अपना नामांकन दाखिल किया। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, विधायक फूल सिंह बरैया सहित कांग्रेस के तमाम बड़े नेता मौजूद रहे। नामांकन के दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी नजर नहीं आए। हालांकि, उन्होंने पूर्व विधायक राजेंद्र भारती के घर जाकर उनसे मुलाकात की।

नायक ने कहा सारे विकल्प खुले मंथन चल रहा: दतिया में कांग्रेस की सभा से अवधेश नायक की गैर-मौजूदगी ने भाजपा में उनकी वापसी की अटकलें शुरू कर दी हैं। उन्होंने कहा कि मुझे 2023 विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने प्रत्याशी घोषित किया था। पर कांग्रेस के ही लोगों ने मेरे पुतले जलाकर अपमान किया। मेरा टिकट बदल कर राजेंद्र भारती को दे दिया गया। तत्कालीन प्रदेश प्रभारी रणदीप सुरजेवाला ने कहा था कि आप पार्टी को जिताओ। अगली बार आपको टिकट मिलेगा। इस बार भी कांग्रेस ने मुझे टिकट नहीं दिया। नायक ने कहा कि मुझे कांग्रेस प्रत्याशी घनश्याम सिंह से कोई दिक्कत नहीं हैं, लेकिन प्रदेश नेतृत्व ने मेरे साथ गलत किया है। भाजपा प्रत्याशी आशुतोष मेरे छोटे भाई हैं। भाजपा में जाने के सवाल के जवाब में नायक ने कहा कि सारे विकल्प खुले हैं। विचार मंथन चल रहा है।

हिंदू-मुस्लिम पक्ष ने सुप्रीम कोर ...

23 अगस्त तक 'समाधान समारोह' के तहत विशेष लोक अदालत आयोजित की जाएगी।

गोवध प्रतिबंध के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक: सुप्रीम कोर्ट ने मद्रास हाई कोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें तमिलनाडु में कहीं भी बकरीद या किसी अन्य दिन गाय या बछड़े के वध पर रोक लगाने का निर्देश दिया गया था। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने तमिलनाडु सरकार द्वारा दायर स्पेशल लीव पिटिशन पर नोटिस जारी करते हुए यह अंतरिम आदेश पारित किया। राज्य सरकार ने मद्रास हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। के फैसले को चुनौती दी थी, जिसमें पूरे राज्य में गायों और बछड़ों के वध पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का निर्देश दिया गया था।

अंतिम फैसला ट्रिब्यूनल ...

देगा। यह नहीं है कि अपीलकर्ताओं को नागरिकता मिल गई है।

इसका मकसद सिर्फ यह सुनिश्चित करना है कि किसी को विदेशी घोषित करने जैसा गंभीर फैसला पूरी तरह निष्पक्ष और कानूनी प्रक्रिया के बाद ही लिया जाए।

कारगिल विजय दिवस ...

हाथों दुश्मन को बुरी तरह से मुंह की खानी पड़ी थी। पाकिस्तानी घुसपैठियों और सेना के कब्जे से भारतीय चोटियों को मुक्त कराकर एक बार फिर से वहां पूरी आन बान और शान के साथ तिरंगा फहराया गया। कारगिल के दुर्गम ऊंचाई वाले इलाके में हुई यह एक ऐसी लड़ाई थी। जिसके लिए भारतीय सशस्त्र सेनाओं ने एलओसी को पार नहीं किया और उसके बिना ही शत्रु को धूल चटा दी थी। इस लड़ाई में देश की थल सेना के लगभग 500 से अधिक जवान मारे गए थे। जबकि 1 हजार 363 घायल हुए और 1 युद्धबंदी था। देश में हर साल 26 जुलाई को इस युद्ध की वर्षगांठ के रूप में मनाया जाता है।

द्रास में स्मारक पर सेना करेगी कार्यक्रम: रक्षा मंत्री युद्ध की वर्षगांठ से जुड़े समारोह का आगाज राजधानी से करेंगे। जबकि 26 जुलाई को सेना कारगिल के द्रास में इस युद्ध के शहीदों की याद में बनाए गए स्मारक पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन करेगी। जिसमें मुख्य रूप से सेनाप्रमुख जनरल द्विवेदी शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। युद्ध की वर्षगांठ को लेकर सशस्त्र सेनाओं द्वारा देश के विभिन्न स्थानों पर मौजूद सैन्य ठिकानों पर कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। जिसमें मौजूदा और पूर्व सैन्यकर्मियों की भागीदारी देखने को मिलेगी।

'नमस्ते दिवस' आज, स्वच्छता ...

और पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर सीवर एवं सेप्टिक टैंक कर्मियों, कचरा बीनने वालों (वेस्ट पिकर्स) तथा पूर्व मैनुअल स्कैवेंजरों के योगदान को विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा।

गौरतलब है कि नमस्ते योजना का उद्देश्य सीवर और सेप्टिक टैंकों की सफाई को पूरी तरह मशीनीकृत बनाना, स्वच्छता कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना, उन्हें कौशल प्रशिक्षण उपलब्ध कराना, सामाजिक सुरक्षा और वैकल्पिक आजीविका के अवसर प्रदान करना है। इस योजना के माध्यम से सरकार देश में ₹मैनुअल स्कैवेंजिंग₹ की प्रथा को समाप्त कर स्वच्छता कर्मियों को सम्मानजनक और सुरक्षित कार्य वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में काम कर रही है।

'भारत टेक्स 2026' आज से ...

में 7,000 से अधिक खरीदारों, 1.30 लाख से अधिक व्यापारिक आगंतुकों तथा बड़ी संख्या में प्रदर्शकों के शामिल होने की उम्मीद है। प्रदर्शनी में 20,000 से अधिक टेक्सटाइल उत्पादों का प्रदर्शन किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि इस वर्ष 14 देशों के अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शक भी इस आयोजन में भाग लेंगे। इनमें अमेरिका, ब्रिटेन, जापान, पुर्तगाल, स्पेन, न्यूजीलैंड, दक्षिण कोरिया, दक्षिण अफ्रीका और नेपाल सहित कई देश शामिल हैं। इससे भारत के वस्त्र उद्योग को वैश्विक बाजारों से जोड़ने और निर्यात बढ़ाने के नए अवसर मिलेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के '5एफ विजन' – फार्म टू फायर, फाइबर टू फैक्ट्री, फैक्ट्री टू फैशन, फैशन टू फॉरेन से प्रेरित भारत टेक्स अब वैश्विक स्तर पर वस्त्र उद्योग का एक प्रमुख मंच बन चुका है। यह आयोजन व्यापार, निवेश, नवाचार, नीतिगत संवाद और रणनीतिक साझेदारियों को बढ़ावा देने के साथ-साथ संपूर्ण टेक्सटाइल वैल्यू चेन को एक मंच पर लाने का कार्य कर रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत टेक्स 2026 भारतीय वस्त्र एवं परिधान उद्योग को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में और अधिक मजबूत स्थान दिलाने, निर्यात बढ़ाने, निवेश आकर्षित करने तथा 'मेक इन इंडिया' और 'वोकल फॉर लोकल' जैसे अभियानों को नई गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

ग्राम पंचायतों के लिए जल ...

और समुदाय-संचालित जल सुरक्षा योजनाएं तैयार करने में ग्राम पंचायतों की मदद करेंगे।

इस पहल के पहले चरण में बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, राजस्थान, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल सहित 10 राज्यों के 100 जिलों, 100 ब्लॉकों और 1,000 ग्राम पंचायतों को शामिल किया जाएगा। पहले बैच में बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, मध्य प्रदेश और पश्चिम बंगाल के प्रतिभागी शामिल हैं, जो बाद में आगामी जन योजना अभियान (पीपीसी) के दौरान ग्राम पंचायतों को सहयता प्रदान करने के लिए राज्य, जिला और ब्लॉक स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रमों का नेतृत्व करेंगे।

इस पहल का उद्देश्य जल बजट के माध्यम से जल सुरक्षा योजनाएं तैयार करने के लिए ग्राम पंचायतों की क्षमता को मजबूत करना है, जिससे 'जल-पर्याप्त ग्राम पंचायतों'के विजन को आगे बढ़ाया जा सके। इस अवसर पर मंत्रालय ने जल-पर्याप्त पंचायत प्रशिक्षण नियमावली (चरण-1 और चरण-2) भी जारी की, जो ग्राम पंचायतों को सहभागी, वैज्ञानिक रूप से सूचित और जलवायु-अनुकूल जल सुरक्षा योजनाएं तैयार करने में मदद करने के लिए एक व्यावहारिक मार्गदर्शिका है।

पंचायती राज मंत्रालय के सचिव विवेक भारद्वाज ने कहा कि ग्राम पंचायतों और समुदायों के पास अपनी स्थानीय जल संबंधी चुनौतियों का गहरा और प्रत्यक्ष ज्ञान पहले से ही है और इस प्रशिक्षण को जल बजट के माध्यम से इसी ज्ञान को एक व्यवस्थित कार्ययोजना में बदलने के लिए तैयार किया गया है। उन्होंने सामुदायिक भागीदारी और व्यवहार परिवर्तन की आवश्यकता पर बल देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि यह पहल भविष्य के लिए तैयार, सतत एवं सहभागी जल प्रबंधन को मजबूत करेगी। मास्टर ट्रेनर्स का राष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण वैज्ञानिक दृष्टिकोण, प्रौद्योगिकीय नवाचारों और समुदाय-आधारित योजना के माध्यम से जल प्रबंधन को मजबूत करने पर केन्द्रित है। एक संवादात्मक और व्यावहारिक कार्यक्रम के रूप में डिज़ाइन किया गया यह प्रशिक्षण प्रतिभागियों को जल बजट, स्थानीय जल संसाधनों और मांग के आकलन, उपयुक्त संरक्षण उपायों की पहचान और जलवायु-अनुकूल एवं समावेशी जल सुरक्षा योजनाओं को तैयार करने में व्यावहारिक कौशल से लैस करता है। यह इन योजनाओं को ग्राम पंचायत विकास योजनाओं (जीपीडीपी) के साथ एकीकृत करने और ग्राम स्तर पर कार्यान्वयन रणनीतियों को विकसित करने पर भी ध्यान केंद्रित करता है। इस पाठ्यक्रम में जमीनी स्तर पर क्षमता निर्माण को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षण के बाद के आकलन और अंतर-चरण कार्य शामिल हैं।

भाजपा ने पूछा कहां गायब है ...

वाद्रा के वहां से चुने जाने के बाद इस निर्वाचन क्षेत्र में दो सांसद होंगे। उन्होंने राहुल गांधी से उनकी हालिया विदेश यात्रा की जानकारी सार्वजनिक करने को भी कहा, जिसके बारे में पार्टी का कहना है कि वह रहस्य के घेरे में रही है। त्रिवेदी ने कहा है कि जनता को यह जानने का हक है कि क्या उनकी किसी विदेशी यात्रा या मुलाकात का भारत के राजनीतिक या रणनीतिक हितों से कोई सरोकार है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जमीनी स्तर पर मौजूद नहीं हैं। जब उन्होंने अपना चुनाव क्षेत्र छोड़कर अपनी बहन प्रियंका गांधी जी को जिम्मेदारी सौंपी थी, तो उन्होंने साफ तौर पर कहा थाः अब वायनाड में दो सांसद होंगे। लेकिन अफसोस की बात है कि गांधी परिवार से जुड़े ये दोनों ही सांसद जमीनी स्तर पर कहीं नजर नहीं आते। यह वायनाड और केरल की जनता के साथ धोखा है। त्रिवेदी ने गांधी के सार्वजनिक रूप से दिखाई न देने और उनकी कथित विदेश यात्रा पर सवाल उठाते हुए कहा कि कांग्रेस नेता का पता तब चलेगा, जब वह विदेश से भारत-विरोधी बयान देंगे। उन्होंने कहा, कभी-कभी कुछ निर्वाचन क्षेत्रों के लोगों को लगता है कि उनका सांसद गायब है। लेकिन यहां मामला कुछ ज्यादा ही अजीब हैः एक सांसद देश से ही गायब है। त्रिवेदी ने कहा कि जयराम रमेश की ओर से की गई कोई भी बचाव की कोशिश वायनाड की जनता के प्रति जिम्मेदारियां निभाने में राहुल गांधी-प्रियंका गांधी की नाकामी को छिपा नहीं सकती।

हमारी बेटियां लड़कों से ...

रन पर गिर गए थे। एमी जोन्स और सोफी एक्लेस्टोन ने अर्धशतकीय पारी खेल इंग्लिश टीम की जीत की उम्मीद बांधे रखी, लेकिन अंत में पूरी टीम 186 रन ही बना सकी। टीम इंडिया की पहली पारी 285 रनों पर सिमट गई थी। सबकी उम्मीदों से उलट मेजबान इंग्लैंड की पहली पारी मात्र 170 रनों पर सिमट कर रह गई। टीम इंडिया बड़ी बढ़त लेकर उतरी थी और दूसरी पारी 341 रन पर घोषित की। भारत के लिए इस पूरे मैच में क्रांति गौड़ ने कुल 7 विकेट और स्नेह राणा ने 6 विकेट चटकाए। इस समय भारत की मेंस टीम भी इंग्लैंड दौरे पर है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली टीम इंडिया को टी20 सीरीज में 0-4 से हार मिली थी। मगर, लॉर्ड्स मैदान पर खेले गए सबसे पहले टेस्ट मैच को 270 रनों से जीतकर भारत की लड़कियों ने मेंस टीम की हार का बदला लिया है।

लॉर्ड्स के ऑनर बोर्ड पर चमकेगा घुवारा की बेटी का नामः घुवारा। मध्य प्रदेश के एक छोटे से कस्बे से निकलकर लंदन के ऐतिहासिक लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड तक, क्रांति गौड़ ने वो कर दिखाया है जो भारतीय क्रिकेट इतिहास में हमेशा के लिए दर्ज हो गया है। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की तेज गेंदबाज (पेसर) क्रांति गौड़ ने इंग्लैंड के खिलाफ शानदार गेंदबाजी करते हुए एक पारी में 5 विकेट चटकाए हैं। इस बेमिसाल प्रदर्शन की बदौलत अब लॉर्ड्स के प्रतिष्ठित 'ऑनर बोर्ड' पर क्रांति का नाम सुनहरे अक्षरों में लिखा जाएगा। उनकी इस वैश्विक कामयाबी से स्थानीय लोगों, उनके परिवार और कोच में खुशी की लहर है। भाई मयंक सिंह ने कहा कि यह पल सिर्फ हमारे परिवार के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए गौरव का क्षण है। मुझे बेहद गर्व है कि मेरी बहन दुनिया के सबसे बड़े मंच पर देश का नाम रोशन कर रही है। कोच राजीव विल्थरे ने खुशी जताते हुए कहा कि हर खिलाड़ी और कोच का सपना होता है कि वह लॉर्ड्स के मैदान पर खेले और परफॉर्म करे। मेरा यह सपना क्रांति ने पूरा कर दिया।

क्रांति और यास्तिका रहीं ...

हॉल पूरा किया था, वो लॉर्ड्स मैदान पर किसी टेस्ट मैच में फाइफर लेने वाली पहली महिला क्रिकेटर बनी थीं। 115 रनों की बढ़त ले चुकी टीम इंडिया के लिए दूसरी पारी में यास्तिका भाटिया ने 113 रनों की शतकीय पारी खेली। यह उनके इंटरनेशनल करियर का पहला शतक और लॉर्ड्स मैदान पर महिला टेस्ट मैच में लगाई गई सबसे पहली सेंचुरी भी रही।

आईबी अधिकारी अंकित ...

शव को ठिकाने लगा दिया था। इस मामले में नाम आने के बाद ताहिर हुसैन को आम आदमी पार्टी ने निलंबित कर दिया था। दिल्ली की एक अदालत ने 24 मार्च 2023 को ताहिर हुसैन और 10 अन्य लोगों के खिलाफ आरोप तय किए। अन्य आरोपी हसीन उर्फ मुल्लाजी उर्फ सलमान, नाज़िम, कासिम, समीर खान, अनस, फ़िरोज़, जावेद, गुलफ़ाम, शोएब आलम उर्फ बॉबी और मुंतजिम उर्फ मूसा हैं। आरोपियों पर भारतीय दंड संहिता की उन धाराओं के तहत आरोप लगाए गए जो दंगा करने, घातक हथियारों के साथ दंगा करने, समूहों के बीच वैमनस्य को बढ़ावा देने, हत्या और आपराधिक साजिश से संबंधित हैं। ताहिर हुसैन पर लोगों को उकसाने और सार्वजनिक अशांति फैलाने वाले बयान देने के अतिरिक्त आरोप भी लगाए गए। यह घटना फरवरी 2020 में नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों के दौरान उत्तर-पूर्वी दिल्ली में भड़की सांप्रदायिक हिंसा के समय हुई थी। दंगे में 53 लोगों की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हो गए थे।

तेजस लड़ाकू विमान ..

रूप से इस्तेमाल करने की मंजूरी मिल गई है।

एचएएल ने कंपनी को बताई थी समस्या : एचएएल ने इंजन में आई तकनीकी दिक्कत के बारे में जीई को जानकारी दी थी। जिसके बाद अमेरिका में इस बाबत कई जरूरी सुधारात्मक कदम उठाए गए। देश में एचएएल ने भी पड़ताल की और अंत में इसे लड़ाकू विमान के लिए उपयुक्त पाया गया। जिसके बाद इसके इस्तेमाल की अनुमति दे दी गई। बीते समय में रक्षा मंत्रालय में तेजस मार्क1ए विमान कार्यक्रम में लगातार हो रही देरी को लेकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में एक उच्च-स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई थी। जिसके बाद मंत्रालय ने इस संबंध में कड़ा रुख अख्तियार करते हुए स्वदेशी डीपीएसयू पर विमानों की आपूर्ति को लेकर समझौते में दी गई समय सीमा का लगातार उल्लंघन होने को लेकर जुर्माना लगाने का भी तर्क दिया था।

वायुसेना को एचएएल से मिलेंगे 180 विमान : वायुसेना को एचएएल से कुल 180 तेजस विमान मिलेंगे। इनकी आपूर्ति दो चरणों में की जाएगी। पहले चरण में 83 विमान और दूसरे चरण में 97 विमान वायुसेना को सौंपे जाएंगे। इस परियोजना को मंत्रालय ने दो समझौतों के जरिए अमलीजामा पहनाया। जिसमें 83 विमानों के लिए एचएएल के साथ 46 हजार हजार करोड़ रुपए का एक समझौता किया गया। जबकि 97 विमानों की खरीद के लिए 62 हजार 370 करोड़ रुपए का एक अन्य समझौता हुआ था। इस लड़ाकू विमान की पहली उड़ान पिछले साल महाराष्ट्र के नासिक में एचएएल की बेंगलुरु से बाहर स्थित इकाई में देखने को मिली थी। कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी शामिल हुए थे।

उच्च स्तरीय बैठक से समीक्षा संभव : तेजस विमानों के उत्पादन और इंजन की आपूर्ति कार्यक्रम की समीक्षा करने के लिए आगामी वक्त में रक्षा मंत्रालय में एक समीक्षा बैठक हो सकती है। जिसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, वायुसेनाप्रमुख एयरचीफ मार्शल ए.पी.सिंह और एचएएल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) रवि कोटा शामिल हो सकते हैं।

2021 में हुआ....

के लिए 99 इंजनों की अमेरिकी से खरीद के लिए कुल करीब 5 हजार करोड़ रुपए से अधिक के एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।

महिलाओं के पास घर-परिवार की एक नहीं कई तरह की जिम्मेदारियां होती हैं। परिवार के छोटे-बड़े सभी उन्हीं पर निर्भर रहते हैं, सबका ध्यान रखना होता है। इतना ही नहीं, घर की पूरी व्यवस्था भी उन्हें ही संभालनी होती है। इतनी सारी जिम्मेदारियों के बीच महिलाएं अपना ध्यान नहीं रख पातीं, जो उनके मानसिक-शारीरिक स्वास्थ्य के लिए सही नहीं है। ऐसे में महिलाएं होममेकर के साथ सेल्फमेकर भी बनें। वे दूसरों के साथ अपनी भी केयर करें, मी टाइम जरूर निकालें।

होममेकर के साथ-साथ सेल्फमेकर भी बनें

कवर स्टोरी

प्रतिभा अग्निहोत्री

हमारे समाज में घर-परिवार की नींव महिलाओं के त्याग, मेहनत और प्यार पर टिकी होती है। घर की महिला सुबह तड़के उठने से लेकर रात सोने तक अपने परिवार के प्रत्येक सदस्य की जरूरतों को पूरा करने में लगी रहती है। बच्चों की देखभाल, परिवार के हर सदस्य की पसंद-नापसंद का ध्यान रखना, घर की व्यवस्था, बुजुर्गों की देखभाल, पूरे दिन वह अपनी जिम्मेदारियां निभाती है। यही वजह है कि महिलाओं को घर की 'होममेकर' कहा जाता है, क्योंकि पूरे परिवार की धुरी वही होती हैं। परिवार का हर सदस्य उनके ऊपर निर्भर रहता है। सवाल यह है कि क्या केवल परिवार की देखभाल करना ही एक महिला की पहचान है? क्या उसका अपना कोई अस्तित्व नहीं है? हर महिला का भी अपना एक आत्मसम्मान है, इसे उन्हें बनाए रखना चाहिए। इसके लिए महिलाओं को स्वयं हर संभव प्रयास करना होगा, पूरी तरह से जागरूक भी रहना पड़ेगा।

खुद को पेंपर करें: आज समय की मांग है, महिलाएं 'होममेकर' के साथ-साथ 'सेल्फमेकर' भी बनें। इसका अर्थ यह नहीं कि वे अपनी जिम्मेदारियों से दूर हो जाएं। वे घर-परिवार की जिम्मेदारियों को पूरा करने के साथ अपने लिए भी कुछ समय निकालें, अपनी खुशियों को महत्व दें, सेल्फकेयर करना सीखें, दूसरों के साथ-साथ खुद को भी पेंपर करें, अपने अस्तित्व और पहचान के लिए जागरूक रहें। इसके लिए मोटिवेशनल और पर्सनालिटी ग्रूम करने वाली बुक्स पढ़ें। दोस्तों से मिलें या अकेले कुछ समय बिताएं। ऐसा करना स्वार्थी बन जाना नहीं है, यह अपने आत्मसम्मान को बनाए रखने के लिए जरूरी है।

खुद की भी करें केयर : अकसर देखा जाता है कि महिलाएं परिवार के हर सदस्य के स्वास्थ्य और पसंद का ध्यान रखती हैं, लेकिन जब बात खुद की आती है तो वे अपनी जरूरतों को पीछे कर देती हैं। घर में सबके लिए पौष्टिक खाना बनाने वाली महिलाएं कई बार खुद समय बचाने के लिए या फिर अपने मन का खाना बनाने में आलस्य कर जाती हैं, 'अरे अकेले के लिए क्या बनाना,' सोचकर कुछ भी खाकर अपना पेट भर लेती हैं। सभी के आराम का ध्यान रखने वाली महिलाएं थकान होने के बावजूद भी अपनी थकान को नजरअंदाज कर देती हैं। खुद को पीछे रखने की यह आदत धीरे-धीरे उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए सही नहीं रहती, वे बीपी, शुगर और थायरॉयड जैसी बीमारियों का शिकार हो जाती हैं।

अपनी खुशी भी है जरूरी: चूंकि आप अपने परिवार की धुरी हैं, इसलिए यदि आप खुद स्वस्थ और खुश रहेंगी तो ही अपने परिवार को खुश रख पाएंगी, जिस प्रकार से हवाई जहाज में बैठते समय चोट लगने से बचने के लिए सीट बेल्ट लगाने की सलाह दी जाती है, उसी प्रकार घर में किसी आपातस्थिति को आने से रोकने के लिए आपको अपने स्वास्थ्य और खुशी की सीट बेल्ट अवश्य लगानी चाहिए। इसके लिए जरूरी है, परिवार के अन्य सदस्यों के साथ-साथ आप अपना भी वर्ष में एक बार हेल्थ चेकअप जरूर करवाएं।

मी टाइम निकालें: विश्व प्रसिद्ध टॉक-शो होस्ट ओपरा विंफ्रे के अनुसार, 'अपने जीवन की सबसे बड़ी जिम्मेदारी यह है कि आप खुद को जानें और इसके लिए सबसे जरूरी है कि पूरे दिन घर में खटते रहने के बजाय आप अपने लिए भी कुछ समय निकालें, खुद के साथ कुछ समय बिताएं। इस समय में आप केवल अपनी पसंद का काम करें फिर वह चाहे योग, व्यायाम, किताब पढ़ने, संगीत सुनने, बागवानी करना, पेंटिंग करना, लिखने या किसी भी ऐसी हॉबी के लिए हो सकता है, जिससे आपको खुशी मिलती हो। वास्तव में हॉबी केवल समय बिताने का साधन नहीं होती, बल्कि अपनी हॉबी को पर्स्यू करने से एक सेटिस्फेक्शन मिलता है, जिससे आप अपने आपको ऊर्जावान महसूस करती हैं और मन आत्मविश्वास से भर उठता है।

स्किल को डेवलप करें: प्रसिद्ध लेखिका सुधा मूर्ति कहती हैं, 'एक महिला जब अपने अंदर के आत्मविश्वास को पहचान लेती है तो वह अपने परिवार और समाज के लिए प्रेरणा बन जाती है।' आज का दौर सोशल मीडिया का है, जिसमें आप अपनी किसी भी स्किल को डेवलप करके उसे प्रोफेशनल टच दे सकती हैं या फिर सोशल मीडिया से भी कमाई कर सकतीं है। यदि आपको कुकिंग का शौक है तो इंस्टाग्राम और यू-ट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म पर इन्हें शेयर करके अच्छी खासी अर्निंग कर सकती हैं। लेखन, कला, सिलाई, संगीत या जिस भी क्षेत्र में आपकी रुचि है, उसे डेवलप करके आप खुद के साथ-साथ समाज और अपने परिवार को भी एक नई पहचान दे सकती हैं।

खुद को दें प्राथमिकता: नागरिकों, विशेषकर महिला अधिकारों के लिए लड़ने वाली एलेनेर रूजवेल्ट ने कहा है, 'आत्मसम्मान हमारी अपनी सोच से बनता है।' खुद का खान-पान हो, हेल्थ हो या फिर कहीं जाने का अवसर हो, महिलाएं खुद को सबसे पीछे रखती हैं। विचारणीय प्रश्न है कि यदि आप ही स्वयं को प्राथमिकता नहीं देगीं तो दूसरे क्यों देंगे? इसलिए अपने प्रति अपनी सोच को उन्नत बनाएं और परिवार के सभी सदस्यों के साथ अपनी थाली में भी पौष्टिक भोजन रखें, अपना भी हेल्थ चेकअप करवाएं, परिवार के साथ-साथ अपनी खुशी का ध्यान रखें। कभी-कभी दोस्तों के साथ भी घूमने जाएं। अपनी पसंद की भी डिश बनाएं, अपने मन की मूवी देखें, इस सबसे आपके अंदर डोपामाइन हार्मोन रिलीज होगा, जिससे आप तो खुश रहेंगी ही, साथ ही परिवार के सभी सदस्य भी खुश रहेंगे।

आवाज उठाना सीखें: महिलाओं के हक के लिए लड़ने वाली नोबेल पुरस्कार विजेता मलाला यूसुफजई कहती हैं, 'हर महिला को अपनी पसंद, अपनी इच्छाओं और अपनी पहचान के लिए आवाज उठाने का अधिकार है।' कई परिवार वाले महिलाओं की भावनाओं और उनके काम की कद्र नहीं करते, ऐसे में अकसर महिलाएं खुद की भावनाओं और इच्छाओं से समझौता करना शुरू कर देती हैं। धीरे-धीरे उनकी सारी इच्छाएं और भावनाएं ही समाप्त हो जाती हैं। इससे बचने के लिए वे विनम्र और शालीन स्वर में अपनी बातें परिवार के सामने रखें, उन्हें समझाने का प्रयास करें। जरूरी है कि हर महिला खुद से वादा करे, इससे वह केवल दूसरों के सपनों को पूरा करने वाली नहीं, अपने सपनों को जीने वाली भी बनेगी। वह होममेकर जरूर बने, लेकिन इसके साथ ही अपनी जिंदगी की सेल्फमेकर भी बने। अपनी एक पहचान बनाए, सशक्त बने।

अपने काम का श्रेय लेने में संकोच कैसा!

कुछ लोग किसी काम में अपना महत्वपूर्ण योगदान देकर उसे बेहतर अंजाम देते हैं। लेकिन इसका श्रेय लेने में संकोच करते हैं। नतीजा यह होता है, दूसरे उनके काम का श्रेय ले लेते हैं। अपने काम और मेहनत का श्रेय लेने से चूके नहीं। यह आपकी उन्नति के लिए जरूरी है।

एडवाइस

मेघा राठी

अकसर यह देखा जाता है कि कई लोग अपने काम, मेहनत और उपलब्धियों के बारे में बोलने से संकोच करते हैं। उन्हें लगता है कि यदि उनका काम अच्छा होगा तो लोग स्वयं तारीफ करेंगे, लेकिन वास्तविकता उलट है, हर बार ऐसा नहीं होता। आपकी मेहनत का श्रेय कोई और ले जाता है। आप केवल 'विनम्र' बनी रह जाती हैं। इस तरह विनम्र बने रहना सही नहीं है। कुछ स्थितियों में अपने काम का उचित श्रेय लेना जरूरी है, क्योंकि यह केवल अहंकार की बात नहीं, आपके आत्मसम्मान, पहचान और भविष्य के अवसरों से जुड़ी बात है।

चुप रहना क्यों गलत है: बहुत से लोग यह सोचकर अपने योगदान का उल्लेख नहीं करते कि कहीं लोग उन्हें घमंडी न समझ लें, जबकि वे टीम में सबसे अधिक मेहनत करते हैं, दूसरों की मदद करते हैं, जिम्मेदारियां निभाते हैं, लेकिन जब परिणाम सामने आते हैं तब उनका कहीं नाम नहीं होता। धीरे-धीरे ऐसे होते रहना दूसरों के लिए सुविधा बन जाती है। लोग मान लेते हैं कि आप बिना पहचान चाहे भी काम करती रहेंगी। परिणाम यह होता है, आपकी मेहनत को कोई सम्मान नहीं मिलता और किसी दूसरे को अधिक योग्य समझा जाने लगता है।

काम का श्रेय न लेने के दुष्प्रभाव: यदि आप अपने योगदान को स्पष्ट नहीं करती हैं, तो लोग आपके काम का महत्व समझ ही नहीं पाते। कार्यस्थल हो, परिवार हो या सामाजिक जीवन, पहचान उसी की बनती है, जिसका योगदान दिखाई देता है। जब आप स्वयं अपने काम को नहीं बताएंगी, तब कई लोग आपके काम को अपना बताने लगते हैं। यह स्थिति मानसिक रूप से बहुत दुःख देती है, क्योंकि भीतर से आप जानती हैं कि मेहनत आपकी थी। लगातार अनदेखा किया जाना व्यक्ति के भीतर यह भावना पैदा कर देता है कि शायद उसका काम महत्वपूर्ण ही नहीं है। इससे आत्मविश्वास प्रभावित होता है, व्यक्ति अपनी क्षमता पर संदेह करने लगता है। काम की दुनिया में अवसर उसी को मिलते हैं, जिसकी उपलब्धियां सामने आती हैं। यदि आपकी मेहनत लोगों तक पहुंचेगी ही नहीं तो नई जिम्मेदारियां, पदोन्नति या सम्मान कैसे मिलेगा, ये किसी और को मिल सकते हैं। इसलिए इसमें संकोच नहीं करना चाहिए।

अपने काम का श्रेय लेना अहंकार नहीं: कई लोग श्रेय मांगने को अहंकार समझते हैं, जबकि दोनों में अंतर है। अहंकार वह है, जहां व्यक्ति दूसरों को छोटा दिखाकर स्वयं को बड़ा साबित करे। लेकिन अपने काम का उचित उल्लेख करना अपना आत्मसम्मान है। यदि आपने मेहनत की है, जिम्मेदारी निभाई है, किसी कार्य को सफल बनाया है तो यह बताना गलत नहीं कि उसमें आपका योगदान क्या था।

श्रेय लेने का सही तरीका क्या हो: सवाल यह है आप अपने काम का श्रेय कैसे लें? इसके लिए यह जरूरी नहीं है कि हर समय स्वयं की प्रशंसा करें। आप आवश्यकता पड़ने पर अपने योगदान को स्पष्ट और संतुलित तरीके से रखें। इसके लिए शांत और तथ्यात्मक भाषा का प्रयोग करें। दूसरों के योगदान को भी सम्मान दें। अपनी मेहनत को कम करके न दिखाएं। जहां जरूरी हो, वहां स्पष्ट रूप से कहें, 'इस कार्य में मेरा यह योगदान था।' यह ना भूलें कि अपने काम का श्रेय लेने का सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। जब आप अपनी मेहनत को स्वीकारती हैं, तब भीतर आत्मविश्वास बढ़ता है। आपको महसूस होता है कि आपकी पहचान केवल दूसरों की स्वीकृति पर निर्भर नहीं है। आपको अपनी योग्यता पर यकीन होता है। जब लोगों को आपके योगदान का पता होता है, तब वे आपको नई जिम्मेदारियों और अवसरों के लिए योग्य मानते हैं।

चाइल्ड डेवलपमेंट

दीपिका शर्मा

जब बच्चे का शारीरिक-मानसिक विकास सही ढंग से होता ना दिखे तो इसका कारण समझना जरूरी हो जाता है। भविष्य में बच्चे को कोई बड़ी समस्या न हो, इसलिए एक्सपर्ट से सलाह लेनी चाहिए कि कहीं बच्चा न्यूरोडेवलपमेंटल डिसऑर्डर का तो शिकार नहीं है।

न्यूरोडेवलपमेंटल डिसऑर्डर जरूरी है समय पर पहचान

यदि किसी बच्चे को कोई मेंटल या फिजिकल प्रॉब्लम है, इसका पता समय रहते चल जाए तो इसे दूर करना आसान हो जाता है। इसकी एक अच्छी मिसाल है आठ वर्षीय आरव। उसे तीन वर्ष की आयु तक बोलने में कठिनाई थी। स्कूल जाने पर उसे पढ़ने-लिखने में भी परेशानी होने लगी। पैरेंट्स ने विशेषज्ञों से परामर्श लिया। जांच में पता चला कि वह न्यूरोडेवलपमेंटल डिसऑर्डर से प्रभावित है। समय पर स्पीच थेरेपी, स्पेशल एजुकेशन और फैमिली सपोर्ट मिलने से उसकी स्थिति में काफी सुधार हुआ। स्पष्ट है कि समय पर बच्चों के विकार की पहचान हो जाए और उचित देखभाल हो तो बच्चा सुधर सकता है।

बच्चे का डेवलपमेंटल पीरियड है बहुत महत्वपूर्ण: विशेषज्ञों के अनुसार जीवन का शुरुआती डेवलपमेंटल पीरियड बहुत महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि इसी दौरान बच्चे के मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र का तीव्र विकास होता है। यदि इस विकास प्रक्रिया में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न होती है, तो बच्चे के सीखने, व्यवहार और सामाजिक कौशल पर प्रभाव पड़ सकता है।

समय पर पहचान है जरूरी: न्यूरोडेवलपमेंटल डिसऑर्डर ऐसे विकार हैं, जो मुख्य रूप से मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र के विकास को प्रभावित करते हैं। इनकी शुरुआत प्रायः बचपन में होती है। इनके लक्षण बच्चे के विकास की गतिविधियों में दिखाई देते हैं। प्रत्येक बच्चे के विकास के कुछ माइलस्टोन होते हैं, जैसे मुस्कुराना, बैठना, चलना, बोलना, वस्तुओं को पकड़ना, दूसरों से संवाद करना और नई चीजें सीखना। यदि बच्चा इन माइलस्टोंस को अपेक्षित समय पर प्राप्त नहीं कर पाता, तो यह विकासात्मक देरी के संकेत होते हैं।

ये हैं महत्वपूर्ण लक्षण: न्यूरोडेवलपमेंटल डिसऑर्डर से प्रभावित बच्चों में कई प्रकार के लक्षण दिखाई देते हैं। कुछ बच्चों को बोलने और भाषा समझने में कठिनाई होती है, जबकि कुछ बच्चों को पढ़ने-लिखने में समस्या आती है। कई बच्चे ध्यान केंद्रित नहीं कर पाते, निर्देशों का पालन नहीं करते। कुछ बच्चों को दूसरों के साथ संवाद करने में भी परेशानी होती है।

लक्षणों को न करें नजरअंदाज: ऊपर बताए गए लक्षणों को केवल बच्चे की 'शरारत' या 'धीमे सीखने की क्षमता' समझकर अनदेखा करना उचित नहीं है। अमेरिकन साइकियाट्रिक एसोसिएशन (एपीए) की डीएसएम-5-टीआर के अनुसार न्यूरोडेवलपमेंटल डिसऑर्डर की प्रमुख श्रेणियों में एडीएचडी (ध्यान-अभाव एवं अतिसक्रियता विकार), ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार, बौद्धिक अक्षमता, विशिष्ट अधिगम विकार (जैसे डिस्लेक्सिया और डिस्कैल्कुलिया) संचार विकार शामिल हैं। ये विकार बच्चे की शैक्षणिक उपलब्धियों, सामाजिक समायोजन, आत्मविश्वास और भविष्य के अवसरों को प्रभावित कर सकते हैं।

क्या है सही उपचार: इन विकारों का उपचार केवल दवाओं तक सीमित नहीं है। प्रारंभिक पहचान, मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन, विशेष शिक्षा, स्पीच और लैंग्वेज थेरेपी, व्यवहार चिकित्सा, परिवार और स्कूल का सहयोग बच्चे के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सजग रहें अभिभावक, शिक्षक और समाज: आज आवश्यकता इस बात की है कि अभिभावक, शिक्षक और समाज बच्चों के विकासात्मक संकेतों के प्रति सजग रहें। न्यूरोडेवलपमेंटल डिसऑर्डर किसी बच्चे की कमजोरी नहीं है, बल्कि ऐसी परिस्थितियां हैं, जिनमें अतिरिक्त समझ, धैर्य और सहयोग की आवश्यकता होती है। सही समय पर सहायता, संवेदनशील दृष्टिकोण से ऐसे बच्चों को भी आगे बढ़ने और अपनी प्रतिभा को विकसित करने का अवसर दिया जा सकता है।

(क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट डॉक्टर नेहा से बातचीत)

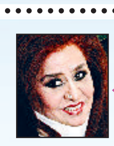

स्किन केयर

शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

नाइट क्रीम से मिलेगा सॉफ्ट-नेचुरल ग्लो

दिन भर काम की व्यस्तता, तनाव, भाग-दौड़ वाली जीवनशैली और प्रदूषण की वजह से हमारी त्वचा बेजान हो जाती है। रात के समय स्किन खुद को रिपेयर करती है। इस दौरान नाइट क्रीम लगाना बेहद फायदेमंद होता है। इन दिनों बाजार में कई तरह की नाइट क्रीम उपलब्ध हैं, लेकिन अच्छी क्वालिटी की नाइट क्रीम आप घर पर ही आसानी से बना सकती हैं। ये आपकी ब्यूटी पर चार चांद लगाएंगे, सस्ते भी पड़ेंगे और इनका कोई साइड इफेक्ट भी नहीं होगा।

स्किन के लिए फायदेमंद: नाइट क्रीम एक तरह की न्यूट्रीशस क्रीम होती है, जिससे मसाज करने पर त्वचा में नमी बढ़ती है। ये स्किन को ठंडा रखने वाला तत्व भी प्रदान करती है, जिससे स्किन कूल फील करती है। कई तरह की नाइट क्रीम को एंटी-एजिंग क्रीम की तरह भी इस्तेमाल किया जाता है क्योंकि इनमें ऐसे तत्व भी मौजूद होते हैं, जो बढ़ती उम्र के लक्षणों को कम कर सकते हैं।

स्किन टाइप का रखें ध्यान: नाइट क्रीम को यूज करने से पहले स्किन टाइप का ध्यान रखना जरूरी है। यह उन महिलाओं के लिए अधिक फायदेमंद होती है, जिनकी स्किन नॉर्मल या ड्राय होती है। अगर आपकी स्किन ऑयली है या आपके चेहरे पर मुंहासे, फुंसी या रैशेज जल्दी हो जाते हैं तो इसका उपयोग नहीं करना चाहिए, क्योंकि ऑयली स्किन को क्रीम से मसाज करने की जरूरत नहीं होती है। अगर आप इसका इस्तेमाल करती हैं तो इससे स्किन के पोर्स बंद हो जाते हैं और ब्लैक हेड्स या कील-मुंहासे होने का रिस्क बढ़ जाता है। अगर आपकी नॉर्मल या ड्राय स्किन है तो आप 25 साल की उम्र के बाद नाइट क्रीम का इस्तेमाल कर सकती हैं।

कैसे करें अप्लाई: रात को सोने से पहले स्किन को साफ करने के बाद नाइट क्रीम का इस्तेमाल करना चाहिए। सबसे पहले चेहरे पर नाइट क्रीम लगाकर अच्छी तरह से मालिश करनी चाहिए। आप अपनी गर्दन पर भी नाइट क्रीम का इस्तेमाल कर सकती हैं।

नॉर्मल-ऑयली स्किन के लिए: नॉर्मल और ऑयली स्किन के लिए नाइट क्रीम ऐसे बना सकती हैं। एलोवेरा जैल में कुछ बूंदें नीबू के रस की मिलाकर बने मिश्रण को सोने से ठीक पहले चेहरे, गर्दन और खुली त्वचा पर लगा कर सो जाएं। सुबह उठते ही ताजे पानी से धो डालें। इससे आपकी स्किन सॉफ्ट हो जाएगी।

ड्राय स्किन के लिए: अगर आपकी स्किन ड्राय है तो नाइट क्रीम ऐसे बना सकती हैं। दो चम्मच एलोवेरा जैल में एक चम्मच ऑलिव ऑयल और दो चम्मच मिल्क पावडर को मिलाकर एक समान गाढ़ा पेस्ट बना लें। अपने चेहरे और गर्दन को साफ करके इस पेस्ट को स्किन पर लगाकर सो जाएं। सुबह ताजे पानी से इसे धो डालें। आप चाहें तो इस मिश्रण को ज्यादा मात्रा में बनाकर एयर टाइट जार में फ्रिज में रख कर रोजाना रात्रि में उपयोग कर सकती हैं।

डाइट सजेशन

राजकुमार 'दिनकर'

बारिश के मौसम में कई तरह के इंफेक्शन होने का खतरा बढ़ जाता है। इनसे बचने के लिए बॉडी इम्यूनिटी का स्ट्रॉन्ग होना जरूरी है। इसके लिए आपको अपनी डाइट का ध्यान रखना होगा। इस सीजन में कैसी हो आपकी डाइट, जानिए।

रेग्युलर लें न्यूट्रिशस डाइट स्ट्रॉन्ग रहेगी इम्यूनिटी

बरसात के मौसम में वातावरण में नमी बढ़ जाती है। तापमान में उतार-चढ़ाव रहता है। ऐसे में वातावरण में कई तरह के बैक्टीरिया, वायरस, फंगस तेजी से पनपते हैं। यही कारण है कि इस दौरान सर्दी, जुकाम, वायरल फीवर, गले में खराश, पेट में संक्रमण, फूड प्वॉइजनिंग और त्वचा संबंधी समस्याएं अधिक देखने को मिलती हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि मानसून के दौरान खान-पान पर विशेष ध्यान दिया जाए तो रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाया जा सकता है। इसके लिए खाद्य पदार्थों का चयन करते समय आपको जानना चाहिए कि कौन से ऐसे सुपरफूड्स हैं, जो इस मौसम में विटामिन, खनिज, एंटी ऑक्सीडेंट्स और अन्य जरूरी पोषक तत्व भरपूर मात्रा में देते हैं, जो इम्यूनिटी बढ़ाने में सहायक होते हैं।

अदरक: अदरक यूं तो कई लोग स्वाद के लिए हर मौसम में खाते हैं, लेकिन बारिश के दिनों में इसका इस्तेमाल जरूर करें। इसमें मौजूद एंटीइंफ्लेमेट्री और एंटीऑक्सीडेंटिव गुण शरीर को संक्रमणों से लड़ने में मदद करता है। साथ ही यह हमारे पाचन को भी बेहतर बनाती है, जिससे पेट की समस्याओं से छुटकारा मिलता है। सर्दियों की तरह बारिश में भी अदरक वाली चाय गले को आराम पहुंचाती है और सर्दी-जुकाम से हमें छुटकारा दिलाती है।

हल्दी: हल्दी भी एक ऐसा सुपर फूड है, जिसका इस्तेमाल बारिश के दिनों में जरूर करना चाहिए। हालांकि हल्दी भारतीय रसोई का अभिन्न हिस्सा है। इसलिए अगर विशेष रूप से इस पर फोकस न भी किया जाए, तो भी हल्दी हम अकसर खाते ही रहते हैं। लेकिन बारिश के दिनों में इसे पूरी सजगता से अपने भोजन का हिस्सा बनाना चाहिए, क्योंकि इसमें पाया जाने वाला करक्यूमिन शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट तत्व, यह सूजनरोधी गुणों के लिए जाना जाता है। मानसून में हल्दी वाला दूध पीना काफी फायदेमंद होता है। इससे शरीर की नियमित प्रतिरक्षा प्रणाली मजबूत बनी रहती है। कई शोधों से पता चला है कि हल्दी में रोग प्रतिरोध क्षमता होती है, लेकिन इसका इस्तेमाल संतुलित मात्रा में ही करना चाहिए।

दही-छाछ: बरसात के मौसम में पाचनतंत्र को स्वस्थ रखने में दही और छाछ भी बहुत सहायक हैं, लेकिन कई लोग बारिश के दिनों में दही खाने से बचते हैं। जबकि इसके खाने से आंतों में अच्छे बैक्टीरिया बढ़ते हैं। पाचन भी बेहतर होता है और शरीर की प्रतिरक्षा क्षमता को भी मजबूती मिलती है।

मौसमी फल-सूखे मेवे: मानसून में उपलब्ध कई फल विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होते हैं जैसे जामुन, नाशपाती, आलू बुखारा, सेब और अनार। ये खाने से शरीर को पोषण मिलने के साथ-साथ प्रतिरोधी तंत्र को भी मजबूती मिलती है। कोई भी फल हमेशा धोकर खाने चाहिए।

क्या खाएं-क्या न खाएं

- दिन में एक-दो बार तुलसीयुक्त हर्बल चाय पिएं।
- घर का बना ताजा और गर्म भोजन करें। बासी भोजन खाने से बचें।
- अत्यधिक तले, भुने खाद्य पदार्थ न खाएं। बाजारू चीजें खाने से बचें।
- बादाम, अखरोट, काजू और अन्य ड्राय फ्रूट्स खाएं।
- पर्याप्त मात्रा में स्वच्छ पानी पिएं।

घटना के बाद से चारों नाबालिग फरार, पुलिस कर रही मामले की जांच

सजा काट रहे चार नाबालिगों ने की बाल सुधार गृह के नाइट चौकीदार की बंधक बनाकर हत्या, सनसनीखेज वारदात से लोगों में मचा हड़कंप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बिलासपुर

शहर के शासकीय बाल सुधार गृह में बड़ी वारदात हुई है। बाल सुधार गृह के नाइट चौकीदार की बंधक बनाकर हत्या कर दी गई। सजा काट रहे चार नाबालिगों ने इस वारदात को अंजाम दिया। घटना के बाद चारों नाबालिग फरार हो गए। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना सरकंडा थाना क्षेत्र के नूतन चौक स्थित शासकीय बाल सुधार गृह की है।

सरकंडा थाना क्षेत्र के नूतन चौक स्थित बाल सुधार गृह की घटना

प्रबंधन पर उठे गंभीर सवाल

तखतपुर क्षेत्र निवासी नरेंद्र खांडे बाल सुधार गृह में नाइट चौकीदार के पद पर तैनात थे। बीती रात वह ड्यूटी पर थे। इसी दौरान उनकी बंधक बनाकर हत्या कर दी गई। बताया जा रहा है कि बाल सुधार गृह में बंद चार नाबालिगों ने पूरी वारदात को अंजाम दिया।

कपड़े से बांधे हाथ-पैर और मुंह

नाबालिगों ने पहले चौकीदार नरेंद्र खांडे के हाथ-पैर और मुंह कपड़े से बांध दिए। इसके बाद उनकी पीट-पीटकर हत्या कर दी। वारदात के बाद चारों नाबालिग फरार हो गए। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि तीन नाबालिग रायगढ़ और एक नाबालिग कोरबा जिले का रहने वाला है। हत्या, मारपीट और छेड़खानी जैसे गंभीर मामलों में वे बाल सुधार गृह में बंद थे। परिजनों ने बाल सुधार गृह की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने प्रबंधन की भूमिका पर भी सवाल खड़े किए हैं। परिजनों का आरोप है कि चार महीने पहले नरेंद्र को कमिश्नर कार्यालय से अटैच किया गया था, लेकिन उन्हें वहां से कार्यमुक्त नहीं किया गया।

तलाश के लिए अलग-अलग टीमें रवाना

उधर, बाल सुधार गृह में हुई इस सनसनीखेज वारदात से हड़कंप मच गया है। पुलिस और प्रशासन की टीम ने जांच शुरू कर दी है। फॉरेंसिक और डॉग स्क्वायड की टीम साक्ष्य जुटा रही है। साथ ही बाल सुधार गृह के अन्य कर्मचारियों और परिजनों से पूछताछ की जा रही है। फरार नाबालिगों की तलाश के लिए अलग-अलग टीमें रवाना की गई हैं। बाल सुधार गृह में हुई इस घटना ने सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी प्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जिस स्थान पर नाबालिगों के सुधार और पुनर्वास की जिम्मेदारी है, वहीं एक कर्मचारी की हत्या कर चार नाबालिगों का फरार हो जाना पूरे सिस्टम की बड़ी चूक माना जा रहा है। अब सभी की नजर पुलिस जांच पर टिकी है कि आरोपी नाबालिग कब तक गिरफ्तार होते हैं और इस लापरवाही के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर क्या कार्रवाई होती है।

नक्सल उन्मूलन में सेवाएं दे चुके बीएसएफ के 2 जवानों को दिए जाएंगे 2-2 लाख रुपए

21 लाख पौधरोपण एवं 51 हजार वर्षा जल संचयन इकाइयों का अभियान शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन का आधार भी हैं और वसुधा का श्रृंगार भी। वृक्ष ऋषि मुनियों के समान एक ही स्थान पर रहकर साधना करते हैं। यह हमारी नकारात्मक ऊर्जा को स्वयं ग्रहण कर हमें सकारात्मक ऊर्जा (प्राण वायु) देने वाले उदार साधक होते हैं। उन्होंने कहा कि बंजर भूमि को हरियाली की चादर ओढ़ाना प्रकृति माता को हरी चुनरी ओढ़ाने जैसा है।

प्रधानमंत्री मोदी की पहल पर चलाया जा रहा है 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान कोई शासकीय कार्यक्रम नहीं, ये जीवन के लिए सांसों का स्थायी प्रबंध करने का अभियान है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को इंदौर जिले के ग्राम बुढ़ानिया स्थित सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) परिसर में आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने यहां अपनी पूजनीय माता स्व. लीला बाई यादव की स्मृति में संतरे का फलदार पौधा लगाकर इन्दौर में 21 लाख पौधारोपण एवं 51 हजार वर्षा जल संचयन इकाइयों की स्थापना (निर्माण) कार्य के महाभियान का दीप प्रज्ज्वलन कर शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री ने अपनी माताश्री की स्मृति में संतरे का पौधा लगाकर किया महाभियान का शुभारंभ

खास बातें

- ये जीवन के लिए सांसों का स्थायी प्रबंध करने का अभियान
- पर्यावरण संरक्षण की दिशा होगी तय

पौधरोपण करते मुख्यमंत्री।

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में यह कदम बेहद सराहनीय

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व वरिष्ठ विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि इन्दौर प्रदेश की आर्थिक राजधानी होने के साथ अब पर्यावरण संरक्षण की दिशा तय कर रहा है। 'एक पेड़ - मां के नाम' के तहत 21 लाख पौधे लगाने के संकल्प का महाभियान निःसंदेह बेहद सराहनीय है। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि धरती माता ने हमें जल, जंगल, जैव संपदा और खनिजों का अमूल्य आर्शीवाद दिया है। हमारा मध्यप्रदेश प्रकृति पुत्र है।

समाज की सहयोगी सामाजिक संस्था पृथ्वी का किया प्रोत्साहित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पौधरोपण एवं जल संचयन में सरकार और समाज की सहयोगी सामाजिक संस्था पृथ्वी को प्रोत्साहन स्वरूप 2 लाख रुपए और प्रदेश में चलाए गए नक्सल उन्मूलन अभियान में उल्लेखनीय सेवाएं देने वाले बीएसएफ के दो जवानों को मंच से सम्मानित कर 2-2 लाख रुपए प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की।

इंदौर ने दिखाई जल संरक्षण में बेहतर करने की दिशा

डॉ. यादव ने कहा कि मां अहिल्या की नगरी इंदौर अतीत के उस गौरवशाली पृष्ठ के रूप में जानी जाती है, जिसने सनातन संस्कृति को पुनर्जीवित किया। देवी अहिल्या माता ने अपने शासनकाल में अपने मूल उत्तरदायित्व के साथ-साथ प्रकृति के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए कई स्थानों पर कुंए और बावड़ियां बनाई। इंदौर में बड़े पैमाने पर जल संरक्षण का काम हुआ।

मां के साथ कचरा बीनकर जीवन निर्वाह करती है पीड़िता

गरीब नाबालिग बच्ची से दुष्कर्म के आरोपी को लोगों ने पकड़कर किया पुलिस के हवाले

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायगढ़

छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिला मुख्यालय स्थित कांग्रेस कार्यालय के निर्माणाधीन भवन में अपनी मां के साथ भीख मांगकर जीवन यापन करने वाली एक नाबालिग से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। घटना की जानकारी मिलते ही मोहल्लेवासियों ने आरोपी की जमकर पिटाई की और उसे पुलिस के हवाले कर दिया। सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के दरोगापारा स्थित महिला थाना के पास जिला कांग्रेस कमेटी का निर्माणाधीन कार्यालय लंबे समय से अधूरा पड़ा है। यहां कचरा बीनने और भीख मांगकर जीवन यापन करने वाले लोग रहते हैं। बताया जा रहा है कि तीन दिन पहले अपनी मां के साथ

रहने वाली एक नाबालिग को आरोपी लफ्फू उर्फ विजय सारथी जबरन अपने साथ ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। आरोपी ने पीड़िता को घटना के बारे में किसी को न बताने की धमकी भी दी। घटना की जानकारी मिलने पर मोहल्लेवासियों ने आरोपी युवक की जमकर पिटाई की और उसे पुलिस के हवाले कर दिया।

पहले भी बच्ची से गलत काम कर चुका था आरोपी

बताया जा रहा है कि भीख मांगकर जीवन यापन करने वाली पीड़िता के साथ आरोपी पहले भी दो बार दुष्कर्म कर चुका था। दो दिन पहले जब पीड़िता ने इसका विरोध किया तो आरोपी ने उसकी पिटाई कर दी। इसके बाद मामला सामने आया। पीड़िता ने हाथ की अंगुलियों के इशारे से बताया कि आरोपी उसके साथ तीन बार गलत काम कर चुका है। पीड़िता की मां की शिकायत पर महिला थाना पुलिस ने आरोपी लफ्फू उर्फ विजय सारथी (38), निवासी दरोगापारा, बुढ़माई मंदिर के पास, के खिलाफ पॉक्सो अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

पुलिस कमिश्नर ने जारी किए आदेश, व्यवस्था बनेगी प्रभावी

कई पुलिस उपायुक्त और थाना प्रभारियों की बदलीं जिम्मेदारियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

पुलिस कमिश्नरेट में प्रशासनिक व्यवस्था को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया गया है। पुलिस कमिश्नर संजीव शुक्ला द्वारा जारी आदेश के तहत कई पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) और थाना प्रभारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। नए आदेश के अनुसार, तारकेश्वर पटेल को सेंट्रल जोन का पुलिस उपायुक्त नियुक्त किया गया है। वहीं दीपमाला कश्यप को नॉर्थ जोन डीसीपी की जिम्मेदारी मिली है। अर्चना झा को ट्रैफिक एवं प्रोटोकॉल शाखा का डीसीपी बनाया गया है।

पांच वर्षों में जर्मनी में भारतीय छात्रों की संख्या दोगुने से अधिक हुई

नई दिल्ली। अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया अब भी भारत से विदेश में उच्च शिक्षा के लिए जाने वाले अधिकांश छात्रों की पहली पसंद बने हुए हैं। हालांकि, बढ़ती शिक्षा लागत और सख्त वीजा नियमों के कारण यह पारंपरिक रुझान अब बदलने लगा है। भारतीय छात्रों का रुझान अब आयरलैंड, फ्रांस, नीदरलैंड और जर्मनी जैसे उभरते शिक्षा गंतव्यों की ओर तेजी से बढ़ रहा है। पिछले पांच सालों में जर्मनी में पढ़ने वाले भारतीय छात्रों की संख्या 2020 मे 28,905 से बढ़कर शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में 59,419 हो गई है। इसके साथ ही भारत, चीन को पीछे छोड़कर जर्मनी में अंतरराष्ट्रीय छात्रों का सबसे बड़ा स्रोत देश बन गया है, जबकि तुर्की तीसरे स्थान पर है।

परिजनों का ससुराल वालों पर दहेज प्रताड़ना का आरोप

संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी के फंदे पर झूलती मिली विवाहिता, जांच जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सरगुजा

जिले के कमलेश्वरपुर थाना क्षेत्र के कुनिया गांव में 23 वर्षीय विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगने से मौत हो गई। घटना के बाद मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर दहेज की मांग और प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। मामले की गंभीरता को देखते हुए सोमवार को अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में चिकित्सकों के पैनल द्वारा पोस्टमार्टम कराया गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, कुनिया निवासी मिनी यादव का विवाह लगभग चार वर्ष पहले गांव के ही अनुज यादव से हुआ था। दंपती की 18 माह की एक बेटी है। शनिवार शाम अनुज यादव अपनी बेटी को

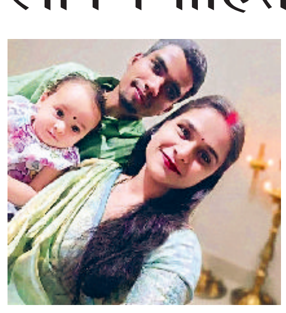

लेकर घर से कुछ दूरी पर स्थित किराना दुकान गया था। इसी दौरान घर में अकेली मौजूद मिनी ने अपने कमरे में फांसी लगा ली। घटना की जानकारी मिलने पर परिजन उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, कमलेश्वरपुर ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौत की सूचना मिलते ही मायके पक्ष के लोग अस्पताल पहुंचे और ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाते हुए हंगामा किया।

बार-बार कर रहे थे कार दिलाने की मांग

परिजनों ने कमलेश्वरपुर में पोस्टमार्टम कराने से इनकार करते हुए अंबिकापुर में चिकित्सकों के पैनल से पोस्टमार्टम कराने की मांग की। उनकी मांग पर सोमवार को मेडिकल कॉलेज अस्पताल में पोस्टमार्टम कराया गया और शव परिजनों को सौंप दिया गया। मृतका के पिता संजय यादव का आरोप है कि विवाह के बाद से उनकी बेटी को दहेज के लिए लगातार प्रताड़ित किया जाता था। उन्होंने बताया कि तिलक में बुलेट मोटरसाइकिल दी गई थी, लेकिन बाद में कार की मांग की जाने लगी। आरोप है कि मांग पूरी नहीं होने पर बेटी के साथ मारपीट की जाती थी। उन्होंने यह भी दावा किया कि शव पर चोट के निशान मिले हैं और घटना के बाद पति अनुज यादव घर से फरार है।

जल्द घोषित की जाएगी दूसरी सूची, तैयारी लगभग पूरी

मध्य प्रदेश पुलिस विभाग में बड़े पैमाने पर हुए प्रमोशन, 168 सब इंस्पेक्टर बन गए इंस्पेक्टर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्यप्रदेश पुलिस विभाग में लंबे समय से पदोन्नति का इंतजार कर रहे अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए राहत भरी खबर है। पुलिस मुख्यालय (पीएचक्यू) ने बड़े पैमाने पर पदोन्नति आदेश जारी कर दिए हैं। पहले चरण में प्रदेशभर के करीब 168 सब इंस्पेक्टरों को इंस्पेक्टर पद पर पदोन्नत किया गया है।

इसके साथ ही सूबेदार से रिजर्व इंस्पेक्टर पद पर भी पदोन्नति के आदेश जारी किए गए हैं। पदोन्नति के साथ कई अधिकारियों के तबादला आदेश भी जारी किए गए हैं। पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी आदेशों की खास बात यह है कि अब तक कार्यवाहक के रूप में इंस्पेक्टर की जिम्मेदारी निभा रहे अधिकारियों को नियमित रूप से इंस्पेक्टर का पद दे दिया गया है। इससे लंबे समय से लंबित पदोन्नति का इंतजार कर रहे अधिकारियों को बड़ी राहत मिली है। विभाग का मानना है कि नियमित पदोन्नति से अधिकारियों का मनोबल बढ़ेगा और प्रशासनिक व्यवस्था भी अधिक प्रभावी होगी। सूत्रों के अनुसार, यह प्रक्रिया यहीं नहीं रुकेगी। पुलिस विभाग ने पदोन्नति के लिए एक विभागीय समिति का गठन किया है, जो जल्द ही दूसरी सूची जारी करेगी। इस सूची में बड़ी संख्या में अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों को भी पदोन्नति मिलने की संभावना है। विभागीय स्तर पर इसकी तैयारी लगभग पूरी कर ली गई है।

बड़े स्तर पर तबादले के भी आसार

जानकारी के मुताबिक, आगामी चरण में आरक्षक से प्रधान आरक्षक, प्रधान आरक्षक से सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) तथा एएसआई से उपनिरीक्षक (एसआई) पदों पर पदोन्नति की प्रक्रिया भी पूरी की जाएगी। इससे पुलिस बल के हजारों कर्मचारियों को लाभ मिलने की उम्मीद है। सूत्रों का कहना है कि पदोन्नति के साथ-साथ पुलिस विभाग में बड़े स्तर पर तबादले भी किए जाएंगे। नई पदस्थापनाओं के अनुरूप अधिकारियों और कर्मचारियों को विभिन्न जिलों एवं इकाइयों में नियुक्त किया जाएगा। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में पुलिस मुख्यालय की ओर से तबादलों और पदोन्नति की नई सूची जारी होने के बाद प्रदेश के पुलिस महकमे में व्यापक प्रशासनिक फेरबदल देखने को मिलेगा।

पश्चिम को भारत का दर्शन सुनाकर लौटे आचार्य प्रशांत, बोले-भौतिक प्राप्ति आवश्यक है, पर्याप्त नही

नई दिल्ली। दार्शनिक और लेखक आचार्य प्रशांत ब्रिटेन दौरे का दूसरा चरण पूरा कर भारत लौट आए हैं। आईजीआई एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य पश्चिम को भारत के असली दर्शन और आध्यात्मिक सोच से परिचित कराना था। उन्होंने कहा, ?भौतिक प्राप्ति जरूरी है, लेकिन जीवन के लिए केवल वही पर्याप्त नहीं है।?ब्रिटेन दौरे के दौरान आचार्य प्रशांत ने कैंब्रिज, ऑक्सफोर्ड, यूसीएल और एलएसई समेत कई प्रतिष्ठित संस्थानों में भारतीय दर्शन, भगवद्गीता, अहिंसा और आत्मबोध जैसे विषयों पर अपने विचार रखे। लंदन के ऐतिहासिक सेंट जाइल्स चर्च में भी उन्होंने गीता पर विशेष सत्र लिया, जिसे स्थानीय लोगों ने भी काफी रुचि के साथ सुना।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी/84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **श्री तपन गुप्ता उर्फ सोनू, पुत्र श्री जगदीश गुप्ता निवासी मकान नं. 180, यूजीएफ, गली नं. 2, शालीमार गांव, दिल्ली** ने **सीसी संख्या 1665/2021, धारा 138 एनआई एक्ट, थाना शालीमार बाग, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त अभियुक्त **श्री तपन गुप्ता उर्फ सोनू** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया है कि उक्त अभियुक्त **श्री तपन गुप्ता उर्फ सोनू** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है **कि सीसी संख्या 1665/2021, धारा 138 एनआई एक्ट, थाना शालीमार बाग, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **श्री तपन गुप्ता उर्फ सोनू** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **17.08.2026** को या उससे पूर्व हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री संयम जैन
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-04 (उत्तर-पश्चिम)
कमरा नं. 112, रोहिणी कोर्ट्स, दिल्ली
DP/9567/NW/2026

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी/84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **शकील उर्फ शेरनी, पुत्र वाहिद निवासी मकान नं. सी-341, जहांगीरपुरी, दिल्ली** ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 163/2015 भा.द.सं. की धारा 324/34 के तहत, थाना जहांगीरपुरी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त अभियुक्त **शकील उर्फ शेरनी** मिल नहीं रहा है और समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया है कि उक्त अभियुक्त **शकील उर्फ शेरनी** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है **कि प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 163/2015 भा.द.सं. की धारा 324/34 के तहत, थाना जहांगीरपुरी, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **शकील उर्फ शेरनी** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **29.08.2026** को या उससे पूर्व हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री सहिल गुप्ता
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-07, उत्तर कोर्ट नं.6
भूतल, रोहिणी कोर्ट्स, दिल्ली
DP/9545/NW/2026

यूसीसी के संवैधानिक, कानूनी और सामाजिक प्रभावों पर हुई चर्चा

यूनिफॉर्म सिविल कोड को किसी भी समुदाय पर जबरदस्ती नहीं थोपा जा सकताः अंसारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्य प्रदेश में प्रस्तावित यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) को लेकर रविवार को ज्वाइंट एक्शन कमेटी की बैठक कोहेफिजा स्थित मेजबान शादी हॉल में हुई, जिसमें विभिन्न मुस्लिम संगठनों, उलेमा, अधिवक्ताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं और राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक में यूसीसी के संवैधानिक, कानूनी और सामाजिक प्रभावों पर चर्चा हुई। बैठक में पूर्व डीजीपी एमडब्ल्यू अंसारी ने कहा कि यूनिफॉर्म सिविल कोड को किसी भी समुदाय पर जबरन नहीं थोपा जा सकता। उन्होंने कहा कि संविधान के नीति-निर्देशक तत्वों में समान नागरिक संहिता का उल्लेख अवश्य है, लेकिन इसे लागू करने से पहले सभी समुदायों और हितधारकों की सहमति तथा व्यापक संवाद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यूसीसी

का प्रभाव केवल मुस्लिम समाज पर ही नहीं, बल्कि ईसाई, आदिवासी और अन्य समुदायों के व्यक्तिगत कानूनों और परंपराओं पर भी पड़ेगा। उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी पर समाज में ध्रुवीकरण की राजनीति करने का भी आरोप लगाते हुए कहा कि यूसीसी का मुद्दा भी राजनीतिक उद्देश्य से आगे बढ़ाया जा रहा है। बैठक में एडवोकेट साजिद अली, पूर्व महापौर दीपचंद यादव, एआईएमआईएम मध्य प्रदेश अध्यक्ष मोहसिन अली खान सहित कई वक्ताओं ने अपने विचार रखे।

नगरीय निकायों की आर्थिक स्थिति होगी मजबूत

सभी 194 नगरीय निकायों के विकास के लिए करीब 58 करोड़ रुपये की राशि जारी

छग सरकार का प्रभावी कदम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रदेश के सभी 194 नगरीय निकायों के लिए विभिन्न मदों में कुल 58 करोड़ 43 लाख 14 हजार रुपये की राशि जारी की है। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने राशि आवंटन के आदेश जारी कर दिए हैं। इस फंड से निकायों के लंबित भुगतान, मरम्मत एवं संधारण कार्यों के साथ-साथ अतिवृष्टि जैसी आपात परिस्थितियों से निपटने में मदद मिलेगी। जारी आदेश के अनुसार, 14 नगर निगमों को 27 करोड़ 82 लाख 45 हजार रुपये, 56 नगर पालिकाओं को 18 करोड़ 71 लाख 39 हजार रुपये तथा 124 नगर पंचायतों को 11 करोड़ 89 लाख 30 हजार रुपये आवंटित किए गए हैं। विभाग ने यह राशि अनिवार्य निधि, चुंगी क्षतिपूर्ति, उत्पाद कर, यात्री कर, बार एवं मुद्रांक शुल्क जैसे विभिन्न मदों के तहत जारी की है।

विकास में वित्तीय सहायता होगी सहायक

सरकार का कहना है कि इस वित्तीय सहायता से नगरीय निकायों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और स्थानीय स्तर पर विकास कार्यों को गति मिलेगी। इसके अलावा निकायों को बुनियादी सुविधाओं के रखरखाव, अधूरे भुगतानों के निपटारे और भारी बारिश जैसी परिस्थितियों में आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने में भी यह राशि उपयोगी साबित होगी। सरकार का उद्देश्य शहरी क्षेत्रों में नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाते हुए विकास कार्यों में किसी प्रकार की वित्तीय बाधा न आने देना है।

हरियाणा सरकार — निविदा सूचना

क्र. सं.	बोर्ड/निगम/प्राधि. का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि (समय)	राशि/ईएमडी (लगभग) रु.में	बोर्ड/निगम/प्राधि. की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ई-मेल
1	हरियाणा चिकित्सा सेवाएं निगम लिमिटेड, पंचकूला	आवश्यकता की अनुसूची में मद के तहत वर्णित अनुसार दो वर्षीय दर अनुबंध पर पोस्टिरियर विट्रेक्टॉमी की आपूर्ति, स्थापना और प्रचालन हेतु निविदा आमंत्रण सूचना।	13.07.2026 03.08.2026	1,30,00,000/-	www.hmscl.org.in	8929299829 [illegible]

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें: www.haryanaeprocurement.gov.in or www.etenders.hry.nic.in
संवाद-13/2027/40/47140/I/88/7 दि. 13.07.26

चिंतन

अर्थव्यवस्था के लिए नई चुनौती बढ़ती महंगाई

देश में बढ़ती महंगाई एक बार फिर चिंता का विषय बन गई है। जून में खुदरा महंगाई बढ़कर 4.38 प्रतिशत पर पहुंच गई है। यह लगातार छठा महीना है, जब महंगाई में वृद्धि दर्ज की गई है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि जनवरी 2025 के बाद पहली बार महंगाई भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के 4 प्रतिशत के मध्य लक्ष्य को पार कर गई है। यद्यपि यह अभी भी आरबीआई के 2 से 6 प्रतिशत के सहनशीलता दायरे में है, लेकिन लगातार बढ़ती महंगाई भविष्य के लिए गंभीर संकेत दे रही है। यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो इसका असर केवल आम आदमी की जेब तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि देश की आर्थिक विकास दर भी प्रभावित हो सकती है। महंगाई का सबसे बड़ा कारण इस बार खाद्य वस्तुओं की कीमतों में तेजी है। आलू, प्याज, टमाटर, अदरक जैसी रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुएं लगातार महंगी हो रही हैं। इन वस्तुओं का सीधा संबंध आम परिवार की रसोई से है। जब भोजन महंगा होता है तो सबसे अधिक बोझ मध्यम और निम्न आय वर्ग पर पड़ता है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और ऊर्जा बाजार की अनिश्चितता के कारण कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी की आशंका बनी हुई है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है। ऐसे में तेल महंगा होने से परिवहन, उद्योग और उत्पादन लागत बढ़ती है, जिसका बोझ अंततः उपभोक्ता पर ही पड़ता है। दूसरी ओर अल नीनो के प्रभाव और मानसून को लेकर बनी अनिश्चितता भी चिंता बढ़ा रही है। यदि वर्षा सामान्य से कम रहती है तो कृषि उत्पादन प्रभावित होगा और खाद्य महंगाई और तेज हो सकती है। महंगाई बढ़ने का एक बड़ा असर मौद्रिक नीति पर पड़ता है। यदि मूल्य वृद्धि लगातार बनी रहती है तो आरबीआई को रेपो रेट बढ़ाने का विकल्प अपनाना पड़ सकता है। रेपो रेट बढ़ने का मतलब है कि बैंकों के लिए धन जुटाना महंगा होगा और वे होम लोन, वाहन ऋण, शिक्षा ऋण तथा उद्योगों को दिए जाने वाले कर्ज की ब्याज दरें बढ़ा देंगे। इससे निवेश और खपत दोनों प्रभावित होंगे। उद्योगों का विस्तार धीमा पड़ सकता है और रोजगार सृजन की रफ्तार भी कम हो सकती है। अर्थात महंगाई पर नियंत्रण के लिए उठाया गया कदम आर्थिक विकास की गति को भी प्रभावित कर सकता है। यही कारण है कि आरबीआई के सामने महंगाई और विकास के बीच संतुलन बनाए रखने की कठिन चुनौती है। सरकार के लिए भी यह समय सतर्क रहने का है। ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों को बढ़ावा देकर आयातित ईंधन पर निर्भरता कम करना भी दीर्घकालिक समाधान का हिस्सा होना चाहिए। केवल ब्याज दरों के सहारे महंगाई पर नियंत्रण संभव नहीं है; इसके लिए उत्पादन, आपूर्ति और बाजार प्रबंधन को समान रूप से मजबूत करना होगा। यह भी ध्यान रखना होगा कि भारत की अर्थव्यवस्था आज वैश्विक परिस्थितियों से पहले की तुलना में कहीं अधिक जुड़ी हुई है। इसलिए आर्थिक नीति को केवल वर्तमान महंगाई तक सीमित न रखकर भविष्य के संभावित जोखिमों को ध्यान में रखते हुए तैयार करना होगा। मूल्य स्थिरता, खाद्य सुरक्षा और ऊर्जा सुरक्षा को समान प्राथमिकता देने की आवश्यकता है। महंगाई का मुकाबला केवल आंकड़ों से नहीं, बल्कि प्रभावी नीतियों और मजबूत इच्छाशक्ति से किया जा सकता है। सरकार और आरबीआई के बीच बेहतर तालमेल, कृषि एवं ऊर्जा क्षेत्र में सुधार, मजबूत आपूर्ति व्यवस्था और बाजार की पारदर्शिता ही इस चुनौती का स्थायी समाधान है।

पीएम की यात्रा ने साधे कई लक्ष्य

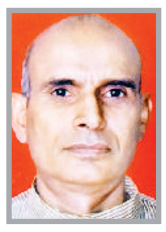

विदेश दौरे
अखिलेश आर्येन्दु

प्रधानमंत्री मोदी की इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की यात्रा कई नजरिए से सफल कही जानी चाहिए। यह भी कह सकते हैं कि अब तक के उनके सभी सफल विदेश दौरों में यह दौरा भी कई नजरिए से बेहद सफल और देशहित में मील का पत्थर साबित हुआ है, क्योंकि तीनों देशों से ताल्लुकात ही बेहतर नहीं हुए, बल्कि आपसी विश्वसनीयता भी बढ़ी है। यदि हम मोदी की मई में हुई पांच देशों की विदेश यात्राओं पर नजर घुमाएं तो साफ दिखता है कि जिस तरह उनकी पिछली विदेश यात्राएं देशहित में रहीं, उसी तरह 6 जुलाई से 11 जुलाई तक की 6 दिवसीय यात्रा भी कई नजरिए से बेहद सफल और उपलब्धियों भरी रही। पिछले दस वर्षों में भारत की साख, सम्मान, प्रतिष्ठा और विश्वसनीयता बढ़ी है।

प्रधानमंत्री मोदी की इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की यात्रा कई नजरिए से सफल कही जानी चाहिए। यह भी कह सकते हैं कि अब तक के उनके सभी सफल विदेश दौरों में यह दौरा भी कई नजरिए से बेहद सफल और देशहित में मील का पत्थर साबित हुआ है, क्योंकि तीनों देशों से ताल्लुकात ही बेहतर नहीं हुए, बल्कि आपसी विश्वसनीयता भी बढ़ी है। यदि हम मोदी की मई में हुई पांच देशों की विदेश यात्रा पर नजर घुमाएं तो साफ दिखता है कि जिस तरह उनकी पिछली विदेश यात्राएं उनकी देशहित में रहीं, उसी तरह 6 जुलाई से 11 जुलाई तक की 6 दिवसीय यात्रा भी कई नजरिए से बेहद सफल और उपलब्धियां भरी रही। जिन क्षेत्रों में इंडोनेशिया, आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड से सहमतियां, समझौते और शिक्षा-सुरक्षा संबंधी साझेदारी हुई, उनमें सैन्य निर्यात, ऊर्जा सुरक्षा, कृषि-डेयरी और व्यापार विस्तार की साझेदारी के लिहाज से बेहद सफल और ऐतिहासिक कह जाना चाहिए। इससे भारत को आने वाले दिनों में कई तरह के फायदे तो होंगे ही, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा पर बढ़ती चिंताओं को कम करना मुनासिब होगा। प्रधानमंत्री मोदी की हालिया विदेशी दौरे की शुरुआत इंडोनेशिया से हुई। जकार्ता पहुंचने पर इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो का मोदी की आगवानी और स्वागत अत्यंत आत्मीयतापूर्ण था। इससे दुनियाभर में यह संदेश गया कि मोदी आज भी दुनिया के सबसे प्रभावशाली राजनेताओं और नेतृत्व-कर्ताओं में पहले नंबर पर बरकरार हैं। जकार्ता में राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के साथ द्विपक्षीय वार्ता और 14 समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। इनमें ब्रह्मोस मिसाइल सौदा बेहद महत्वपूर्ण था। इस महत्वपूर्ण सौदे से भारत के लिए तटीय रक्षा प्रणालियों को इंडोनेशिया को निर्यात करने का नया रास्ता खुल गया। इससे एक तीर से दो लक्ष्य साधे गए। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव को रोकने के लिए समुद्री सूचनाओं को साझा करने और सुरक्षा बढ़ाने पर दोनों देशों में सहमति बनी। इसके तहत दोनों देश साझा सैन्य अभ्यास करेंगे।

दूसरी महत्वपूर्ण बात, ब्रह्मोस मिसाइल के निर्यात से भारत को रक्षा के क्षेत्र में आर्थिक फायदा होगा। इसके साथ ही, चीन के प्रभुत्व को संतुलित करने के लिए एक्ट ईस्ट पॉलिसी के तहत सबांग बंदरगाह के संयुक्त रणनीतिक विकास और समुद्री सुरक्षा पर बड़ा करार हुआ। दोनों देश एक सांस्कृतिक पटल से जुड़े हुए हैं। दोनों देशों के बीच खनिज-स्टील सप्लाई चेन को मजबूत करने पर भी सहमति बनी। इसी के साथ रेयर मैग्नेट (दुर्लभ खनिज) पर भी डील हुई। एक और खास समझौता शिक्षा और उद्योग के क्षेत्र में हुआ, जिसके तहत भारत का प्रसिद्ध भारतीय प्रबंधन संस्थान बेंगलुरु (आईआईएम) इंडोनेशिया में नया कैंपस खोलने पर भी सहमति हुई। कुल 14 समझौतों से भारत और इंडोनेशिया के बीच संबंध ही बेहतर नहीं हुए, बल्कि एक दूसरे के प्रति सभी क्षेत्रों में विश्वसनीयता भी बढ़ी है। दोनों देशों के बीच मित्रता और विश्वसनीयता की दीवार कितनी मजबूत है और इंडोनेशिया की जनता और वहां की सरकार के नजर में मोदी की छवि किस तरह की है, यह उन्हें मिले इंडोनेशिया के सर्वोच्च सम्मान से जाहिर होता है। इंडोनेशिया-भारत मैत्री कोई नई नहीं है, लेकिन केंद्र में

मोदी सरकार के शासन के बाद दोनों देशों में एक नए दौर और युग की शुरुआत हुई है। मोदी को मिला इंडोनेशिया का सर्वोच्च सम्मान उनकी लोकप्रियता का तकाजा है कि जब भी वे विदेशी दौरे पर जाते हैं, तब उन्हें उस देश का सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित किया जाता है। इंडोनेशिया का मिला सर्वोच्च सम्मान इसी लोकप्रियता की अगली कड़ी का हिस्सा है। अब जब कि दुनिया के तमाम देशों में कई मुद्दों को लेकर तनातनी का माहौल है, ऐसे में मोदी की विदेश यात्राएं उनकी लोकप्रियता और उनकी दुनिया के देशों से उनकी मैत्री के वजह से भारत को संभावित संकटों से उबरने में मददगार साबित हो रहीं हैं। इंडोनेशिया से दोस्ती की नई इबारत लिखने के बाद प्रधानमंत्री मोदी जकार्ता से चलकर 7 जुलाई को मेलबर्न आस्ट्रेलिया पहुंचे। आस्ट्रेलिया भारत के रिश्ते दशकों पुराने हैं। मोदी की इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के मध्य रक्षा, खनिज और परमाणु सहयोग को लेकर द्विपक्षीय समझौते हुए। आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीस के मध्य शिखर वार्ता हुई। बाद में दोनों देशों के मध्य अनेक क्षेत्रों में समझौते हुए। जिनमें असैन्य नाभिकीय ऊर्जा पर करार, खनिजों की सुरक्षित सप्लाई चेन का निर्माण प्रमुख है। इन समझौतों के तहत अब आस्ट्रेलिया भारत को यूरेनियम की आबाध आपूर्ति करेगा, यह भारत के लिए नाभकीय ऊर्जा आपूर्ति के मामले में मील के पत्थर की तरह है। इसके तहत इंडो-पैसिफिक क्षेत्र को सुरक्षित और खुला रखने के लिए दोनों सेनाओं के बीच सैन्य अंतर-संचालनीयता और समुद्री खुफिया जानकारी साझा करने पर हस्ताक्षर किए गए। आस्ट्रेलिया सरकार ने पहली बार भारत से खेल समझौते पर करार किए हैं। यह भारत और आस्ट्रेलिया को और करीब आने में मददगार साबित हो सकता है। मोदी का हालिया न्यूजीलैंड दौरा सफल और सार्थक रहा। मोदी और न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन के साथ वार्ता के बाद दोनों देशों के रिश्तों को सीधे रणनीतिक साझेदारी में अपग्रेड किया गया। इस यात्रा के दौरान कुल 18 बड़े समझौते और नतीजे सामने आए। इससे भारत में हिंद-प्रशांत क्षेत्र में एक विश्वानीय मित्र देश के रूप में न्यूजीलैंड की तमाम अवसरों, क्षेत्रों और विषयों में मदद मिलेगी, इसमें कोई संदेह की बात नहीं।

महत्वपूर्ण यह नहीं है कि भारत-न्यूजीलैंड ने साथ-साथ कई क्षेत्रों में काम करने पर रजामंद हुए हैं, बल्कि महत्वपूर्ण यह है कि न्यूजीलैंड ने खुलकर विज्ञान और खगोल के क्षेत्र में सहयोगी मित्र की तरह काम करने की इच्छा जताई है। इससे भारत की समुद्री सीमाएं पहले से ज्यादा सुरक्षित हो सकेंगी। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती ताकत का सामना करने के लिए न्यूजीलैंड के साथ ये समझौते आने वाले वर्षों में मील के पत्थर भी साबित हो सकते हैं। इसी तरह इस समझौते से आर्थिक सहयोग मजबूत होंगे और सहयोग की नई संभावनाएं तलाशी जा सकेंगी। कृषि, पशुपालन और व्यापार के क्षेत्र में रोजगार और खाद्यान को बढ़ावा मिलेगा। सांस्कृतिक संबंध नए सिरे से आगे बढ़ सकेंगे। आस्ट्रेलिया के जरिए यूरेनियम मिलने पर सहमति से भारत की शक्ति ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के साथ अन्य क्षेत्रों के लिए बेहद फायदेमंद होगा। इससे आने वाले वक्त में ऊर्जा की कमी से होने वाली तमाम रुकावटें दूर हो सकेंगी। प्रधानमंत्री मोदी का जिस तरह से दौरे वाले तीनों देशों में स्वागत किया गया, वह भारत की बढ़ती विश्व में साख और समृद्धि का प्रतीक है। पिछले दस वर्षों में भारत की जो साख, सम्मान, प्रतिष्ठा और विश्वसनीयता बढ़ी है, वह प्रधानमंत्री मोदी के कुशल नेतृत्व, सफल विदेश नीति, रणनीति और भारत की दुनिया भर के देशों से हुए बेहतर संबंध के परिणाम हैं। मोदी की तीन देशों की यात्रा से एक बार फिर यह साबित हुआ है कि देश की समृद्धि, सुरक्षा, साख और बढ़ती ताकत मोदी के नेतृत्व में ही सुरक्षित है।

(लेखक स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

खेल
नृपेन्द्र अभिषेक 'नृप'

टी-20 में भारतीय क्रिकेट का कठिन दौर

इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 शृंखला में टीम इंडिया की एकतरफा हार ने भारतीय क्रिकेट जगत को झकझोर दिया। इससे पहले आयरलैंड के खिलाफ मिली अप्रत्याशित पराजय ने भी यह संकेत दे दिया था कि दुनिया की नंबर एक टी-20 टीम कही जाने वाली भारत की चमक अब फीकी पड़ती दिखाई दे रही है। क्रिकेट में हार-जीत सामान्य बात है, लेकिन लगातार दो विदेशी दौरों पर जिस तरह टीम का प्रदर्शन रहा, उसने केवल खिलाड़ियों की तकनीकी कमियों को ही नहीं, बल्कि चयन नीति, टीम प्रबंधन और तैयारी की कमजोरियों को भी उजागर कर दिया। यही कारण है कि आज हर क्रिकेट प्रेमी यह सवाल पूछ रहा है कि आखिर भारतीय टीम की इस गिरावट का वास्तविक कारण क्या है और इससे बाहर निकलने का रास्ता क्या हो सकता है। किसी भी खेल में हार किसी खिलाड़ियों की नहीं होती, बल्कि पूरी व्यवस्था की होती है। इसलिए, केवल कप्तान श्रेयस अय्यर या मुख्य कोच गौतम गंभीर को निशाने पर लेना उचित नहीं होगा। श्रेयस अय्यर लंबे अंतराल के बाद टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लौटे थे और उन्हें सीधे कप्तानी की जिम्मेदारी भी सौंप दी गई। ऐसे में उनसे तुरंत चमत्कार की अपेक्षा करना व्यावहारिक नहीं था। इंग्लैंड के खिलाफ उनके व्यक्तिगत प्रदर्शन में भी कुछ अच्छी पारियां देखने को मिलीं, लेकिन टीम के सामूहिक प्रदर्शन की कमजोरी उन प्रयासों पर भारी पड़ गई। कप्तान तभी सफल हो सकता है जब उसके पास स्थिर टीम, स्पष्ट रणनीति और प्रबंधन का पूरा विश्वास हो। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड को भी इस हार का गंभीर आत्ममंथन करना चाहिए। आईपीएल समाप्त होने के तुरंत बाद खिलाड़ियों को विदेशी दौरे पर भेज दिया गया, जबकि इंग्लैंड और आयरलैंड जैसी परिस्थितियों में खेलने के लिए अलग तरह की तैयारी की आवश्यकता होती है। भारतीय सपाट पिचों और इंग्लैंड की स्विंग तथा उछाल वाली पिचों में जमीन-आसमान का अंतर है। खिलाड़ियों को वहां की परिस्थितियों के अनुरूप अभ्यास का पर्याप्त समय नहीं मिला। इसके साथ ही कई अनुभवी खिलाड़ियों को आराम देने का निर्णय भी टीम के संतुलन पर भारी पड़ा। सूर्यकुमार यादव, जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पांड्या जैसे अनुभवी खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी पूरे दौरे में महसूस की गई। ऐसा प्रतीत हुआ कि विपक्षी टीमों को अपेक्षाकृत हल्के में लिया गया, जिसका परिणाम मैदान पर स्पष्ट दिखाई दिया। टीम इंडिया की सबसे बड़ी समस्या इस समय केवल तकनीकी नहीं, बल्कि मानसिक भी दिखाई देती है। वर्तमान टीम प्रबंधन लगातार खिलाड़ियों को अंदर-बाहर कर रहा है। एक-दो खराब पारियों के बाद खिलाड़ियों को बाहर का रास्ता दिखा दिया जाता है, जबकि कई बार अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी भी अगले मैच में टीम से बाहर कर दिए जाते हैं। ऐसी स्थिति में किसी भी खिलाड़ी के मन में यह डर स्वाभाविक रूप से बैठ जाता है कि यदि आज प्रदर्शन नहीं हुआ तो अगला अवसर शायद न मिले। यह भय खिलाड़ियों को स्वाभाविक खेल खेलने से रोकता है। क्रिकेट आत्मविश्वास का खेल है और जब खिलाड़ी हर गेंद पर अपने स्थान की चिंता करने लगे तो उसका प्रदर्शन प्रभावित होना तय है। संजू सैमसन का उदाहरण सबसे उपयुक्त माना जा सकता है। उन्होंने विश्व कप और आईपीएल दोनों में प्रभावशाली प्रदर्शन किया, फिर भी उन्हें लगातार अवसर नहीं मिले और कई बार बिना किसी स्पष्ट कारण के टीम से बाहर कर दिया गया। यदि कोई खिलाड़ी लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद अपनी जगह सुरक्षित महसूस नहीं करता तो यह संदेश पूरी टीम में जाता है कि मेहनत और प्रदर्शन से अधिक चयन की अनिश्चितता हावी है। इससे युवा खिलाड़ियों का आत्मविश्वास भी प्रभावित होता है। टीम प्रबंधन को यह समझना होगा कि स्थिरता किसी भी सफल टीम की सबसे बड़ी ताकत होती है। ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और अन्य सफल टीमें खिलाड़ियों को लंबा अवसर देती हैं, जिससे वे खुलकर खेल पाते हैं। भविष्य को ध्यान में रखते हुए टीम संयोजन पर भी नए सिरे से विचार करने की आवश्यकता है। युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने अपनी प्रतिभा से सभी को प्रभावित किया है। कुल मिलाकर हर असफलता अपने साथ एक सीख लेकर आती है। आयरलैंड और इंग्लैंड का यह दौरा भी भारतीय क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण सबक है। अब आवश्यकता दोषारोपण की नहीं, बल्कि दूरदर्शी सोच की है। चयन में पारदर्शिता, खिलाड़ियों को पर्याप्त अवसर, स्पष्ट भूमिकाएं, विदेशी परिस्थितियों के अनुरूप तैयारी और अनुभवी तथा युवा खिलाड़ियों का संतुलित मिश्रण ही टीम इंडिया को फिर से विश्व क्रिकेट की शिखर टीम बना सकता है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

'धर्म और अध्यात्म' के अर्थ बदलते जा रहे हैं

संकलित
दर्शन

संप्रति कितने ही धर्मात्मा इसका श्रेय लेते हैं कि चूंकि वे किसी धर्म को मानते हैं लिहाजा आध्यात्मिक भी हैं। जबकि यह सही नहीं है। धर्म और अध्यात्म जैसे गूढ़ शब्दों का मर्म विरले ही समझ पाए हैं। वैसे हम सभी किसी न किसी धर्म को मानने वाले हैं। हमारा धर्म जन्म से पूर्व ही निर्धारित हो जाता है। उन्हीं संस्कारों के साथ हम पलते-बढ़ते हैं। हममें से कई अध्यात्म के पथ पर चलने को उत्सुक होते हैं, किंतु देखने में आता है कि धार्मिकता और आध्यात्मिकता के बीच महीन अंतर जान पाने में स्वयं को असमर्थ पाते हैं। दरअसल अपने ईश्वर प्रेम के चरम लक्ष्य की प्राप्ति ही मनुष्य को आध्यात्मिकता की ओर ले जा सकती है- फिर धर्म मार्ग कोई भी हो। हम स्वयं अनेक धार्मिक विधि-विधानों से जीवनपर्यंत बंधे रहते हैं, जो वास्तव में बाहरी क्रियाएं हैं। ज्ञानीजन मानते हैं कि धर्म धैर्यपूर्वक इंद्रियों को वश में कर अपने और प्रियजनों को सुरक्षित, विद्यावान और समृद्ध बनाने की युक्ति है, जो अकारण ही समाज को संप्रदायों में बांट लेने का कारण बन पड़ती है। जबकि अध्यात्म परस्पर मेल का साधन है, जिसका ध्येय दिव्य प्रेम को प्राप्त करना है, जो मनुष्य को उच्चतम अवस्था में ले जा सके। दुर्भाग्यवश समय के साथ धर्म और अध्यात्म के अर्थ अपनी सुविधानुसार बदलते जा रहे हैं। दोनों अपनी मूल अभिव्यक्ति खोने लगे हैं। धर्म को मानने वाले कुछ लोग, जिन पर समाज विश्वास करता है, जब स्वयं दिशाहीन होते जा रहे हैं, तब वे कैसे आमजन को अध्यात्म का गूढ़ अर्थ समझा सकने में सक्षम हो सकते हैं?

सेवा भाव ना भूलें, क्षमाशील बनें

संकलित
प्रेरणा

एक राजा था, उसने 10 खूंखार जंगली कुत्ते पाल रखे थे। जिनका इस्तेमाल वह लोगों को उनके द्वारा की गयी गलतियों पर मौत की सजा देने के लिए करता था वह बार कुछ ऐसा हुआ कि राजा के एक पुराने मंत्री से कोई गलती हो गई। अतः क्रोधित होकर राजा ने उसे शिकारी कुत्तों के सम्मुख फिंकवाने का आदेश दे डाला। सजा दिए जाने से पूर्व राजा ने मंत्री से उसकी आखिरी इच्छा पूछी। राजन! मैंने आज्ञाकारी सेवक के रूप में आपकी 10 सालों से सेवा की है... मैं सजा पाने से पहले आपसे 10 दिनों की मोहलत चाहता हूं। मंत्री ने राजा से निवेदन किया राजा ने उसकी बात मान ली। दस दिन बाद राजा के सैनिक मंत्री को पकड़ कर लाते हैं और राजा का इशारा पाते ही उसे खूंखार कुत्तों के सामने फेंक देते हैं। परंतु यह क्या कुत्ते मंत्री पर टूट पड़ने की बजाए अपनी पूंछ हिला-हिला कर मंत्री के ऊपर कूदने लगते हैं। राजा आश्चर्य से यह सब देख रहा था? वे इस तरह क्यों व्यवहार कर रहे हैं? आखिरकार राजा ने मंत्री से पूछा- ये कुत्ते तुम्हे काटने की बजाये तुम्हारे साथ खेल क्यों रहे हैं? राजन! मैंने आप से जो 10 दिनों की मोहलत ली थी, उसका एक-एक क्षण मैं इन बेजुबानो की सेवा करने में लगा दिया। ये कुत्ते खूंखार और जंगली होकर भी मेरे दस दिन की सेवा नहीं भुला पा रहे हैं परंतु खेद है कि आप प्रजा के पालक हो कर भी मेरी 10 वर्षों की स्वामीभक्ति भूल गए और मेरी एक छोटी सी त्रुटि पर इतनी बड़ी सजा सुना दी! राजा को अपनी भूल का एहसास हो चुका था, उसने तत्काल मंत्री को आजाद करने का हुक्म दिया।

अंतर्मन

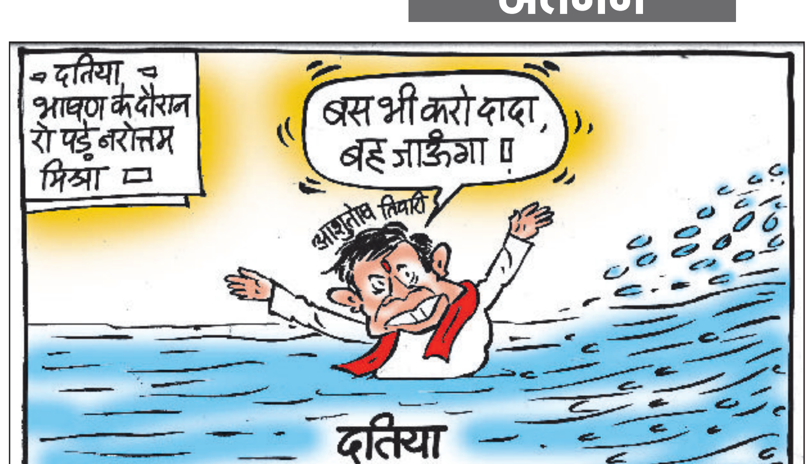

आज की पाती

साइबर ठगी से बचाव की समझ ही सबसे बड़ी सुरक्षा

देश में तेजी से बढ़ रही साइबर ठगी और फर्जी निवेश योजनाएं आज युवाओं के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन चुकी हैं। बेरोजगारी और जल्दी अमीर बनने की चाह का फायदा उठाकर ठग नए-नए तरीके अपनाते हैं। हाल ही में वाराणसी में साइबर क्राइम पुलिस ने एक ऐसे अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया जिसने मल्टी लेवल मार्केटिंग और पिरामिड स्कीम के नाम पर एक हजार से अधिक युवाओं से करोड़ों रुपए की ठगी की। जांच में सामने आया कि मास्टरमाइंड के बैंक खाते में केवल सात महीने के भीतर चार करोड़ रुपए से अधिक का लेनदेन हुआ। यह मामला बताता है कि साइबर ठगी अब केवल मोबाइल या इंटरनेट तक सीमित नहीं रही बल्कि संगठित नेटवर्क के रूप में युवाओं को अपना शिकार बना रही है।

- कांतिलाल मांडोत, सूरत

करंट अफेयर

नेपाल में कवि भानुभक्त की 213वीं जयंती मनाई गई

नेपाल ने 19वीं सदी के कवि भानुभक्त आचार्य की जयंती सोमवार को विभिन्न आयोजनों के साथ मनाई। भानुभक्त ने वाल्मीकि रामायण का नेपाली भाषा में अनुवाद किया था। भानुभक्त आचार्य को नेपाली भाषा के पहले कवि के रूप में व्यापक रूप से सम्मान दिया जाता है। कवि की 213वीं जयंती के अवसर पर भानु प्रतिष्ठान द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रतिनिधि सभा के स्पीकर डोल कुमार आर्याल ने उन्हें नेपाली भाषा, साहित्य और संस्कृति का अग्रदूत बताया। आर्याल ने कहा कि रामायण का नेपाली भाषा में अनुवाद करके उन्होंने नेपाल के लोगों को धर्म, दर्शन, नीति और विचारधारा से परिचित कराया। उन्होंने कहा, 'भानुभक्त ने हमें रामायण दी और इसके माध्यम से नेपाली साहित्य को एक ऐसा महाकाव्य मिला, जो आज भी पीढ़ियों को प्रेरित कर रहा है।' एक अन्य कार्यक्रम में विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने कहा कि जहां राजा पृथ्वी नारायण शाह ने नेपाल के भू-भाग को एकजुट किया, वहीं भानुभक्त आचार्य ने भाषा और साहित्य के माध्यम से इसके लोगों को एक सूत्र में बांधा।

ऑफ बीट

ब्रह्मांड का केंद्र कहां है?

पृथ्वी पर, 'विस्तार' का मतलब है कि कुछ बड़ा हो रहा है। और ब्रह्मांड के संबंध में, यह सच है, कुछ हद तक। विस्तार का मतलब यह भी हो सकता है कि 'सब कुछ हमसे दूर होता जा रहा है', जो ब्रह्मांड के संबंध में भी सच है। दूर स्थित आकाशगंगाओं पर दूरबीन घुमाएं तो वे सभी हमसे दूर जाती हुई प्रतीत होंगी। इसके अलावा, वे जितनी दूर होती हैं, उतनी ही तेजी से आगे बढ़ती हुई दिखाई देती हैं। वे आकाशगंगाएं एक-दूसरे से दूर होती हुई भी दिखाई देती हैं। इसलिए यह कहना अधिक सटीक होगा कि ब्रह्मांड में हर चीज एक साथ हर चीज से दूर होती जा रही है। यह विचार सूक्ष्म लेकिन महत्वपूर्ण है। इसलिए यह पूछना कि ब्रह्मांड का केंद्र कहां है, कुछ हद तक यह पूछने जैसा है कि गुब्बारे की सतह का केंद्र कहां है? ऐसा कोई केंद्र नहीं है। आप गुब्बारे की सतह पर किसी भी दिशा में, जितनी देर चाहें, यात्रा कर सकते हैं, और आप कभी भी ऐसी जगह पर नहीं पहुंचेंगे जिसे आप इसका केंद्र कह सकें क्योंकि आप वास्तव में सतह से कभी बाहर ही नहीं निकलेंगे। इसी तरह, आप ब्रह्मांड में किसी भी दिशा में यात्रा कर सकते हैं और कभी भी उसका केन्द्र नहीं पा सकेंगे, क्योंकि गुब्बारे की सतह की तरह, इसका भी कोई केन्द्र नहीं है।

ट्रेंड

भारत को मजबूती दे रहे

जब चौतरफा विकास के साथ हर देशवासी के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन सुनिश्चित होता है, तब राष्ट्र की प्रगति को भी नई गति मिलती है। इसी प्रेरक भावना के साथ हम भारत के सामर्थ्य को निरंतर मजबूती देने में जुटे हुए हैं। -नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

राहुल ही चेहरा

पंजाब की जनता के मन में कोई भी किंतु और परंतु नहीं है। पंजाब का मतदाता लोकसभा चुनाव की तरह ही विधानसभा चुनाव में राहुल गांधी जी पर भरोसा कर रहा है। कांग्रेस पार्टी का पंजाब में एक ही चेहरा है, वो है राहुल गांधी। सभी कार्यकर्ता कांग्रेस को जिताने के लिए एकजुट हों। -भूपेश बघेल, कांग्रेस प्रभारी, पंजाब

रथ यात्रा में भाग लेगी सरकार

कोलकाता में हर साल कई रथ यात्रा समारोह आयोजित किए जाते हैं। हमारी सरकार ने इस वर्ष की रथ यात्रा में सक्रिय रूप से भाग लेने का निर्णय लिया है। सरकार ने 60 प्रतिष्ठित रथ यात्रा समितियों को पांच-पांच लाख रुपये का अनुदान देने का फैसला किया है। -शुभेंदु अधिकारी, सीएम, पश्चिम बंगाल

भाजपा का मॉडल बेनकाब

भाजपा का 'डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) से डायरेक्ट वोट ट्रांसफर' का मॉडल पूरी तरह बेनकाब हो चुका है। पार्टी चुनाव से पहले आर्थिक सहायता देकर मतदाताओं को लुभाती है और चुनाव जीतने के बाद इन योजनाओं को बंद कर देती है। -अशोक गहलोत, पूर्व सीएम, राजस्थान

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से hbcgpati@gmail.com पर भेज सकते हैं।

राम मंदिर ट्रस्ट में सीईओ पद के लिए भर्ती की प्रक्रिया शुरू

सनातनी हिंदू होना जरूरी, 'वैष्णव परंपरा' वाले को प्राथमिकता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ लखनऊ

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने राम मंदिर की व्यवस्थाओं को और अधिक पारदर्शी एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के पद पर भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी है। इच्छुक एवं योग्य अभ्यर्थियों से 18 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

■ ट्रस्ट की पारदर्शी के लिए कवायद

चयनित अभ्यर्थी की नियुक्ति प्रारंभिक रूप से तीन वर्ष के अनुबंध पर की जाएगी, जिसे कार्य प्रदर्शन के आधार पर आगे बढ़ाया जा सकता है।

18 जुलाई तक मांगे गए आवेदन

तीन सदस्यीय सर्च कमेटी करेगी चयन

तीन वर्ष के अनुबंध पर होगी नियुक्ति

अंतिम चयन के लिए तीन नाम सुझाएगी सर्च कमेटी

इस भर्ती प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए ट्रस्ट ने तीन सदस्यीय विशेष सर्च कमेटी का गठन किया है। यह समिति प्राप्त सभी आवेदनों की गहन जांच करेगी, योग्य उम्मीदवारों का साक्षात्कार लेगी और अंतिम चयन के लिए तीन नाम ट्रस्ट के समक्ष प्रस्तुत करेगी। इनमें से एक उम्मीदवार को मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त किया जाएगा। इच्छुक अभ्यर्थी 18 जुलाई तक अपना आवेदन ई-मेल searchcommittee.srjbt@>gmail.com पर भेज सकते हैं। ट्रस्ट का उद्देश्य प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक मजबूत, पारदर्शी तथा सुव्यवस्थित बनाना है, ताकि राम मंदिर के संचालन और प्रबंधन को बेहतर ढंग से संचालित किया जा सके।

उम्र 50 से 70 वर्ष के बीच हो

पद के लिए आवेदन करने वाले का 'सनातनी हिंदू' होना अनिवार्य है और वो सक्रिय रूप से पूजा-पाठ करता हो। 'वैष्णव परंपरा' से ताल्लुक रखने वाले राम भक्तों को चयन में प्राथमिकता दी जाएगी। 50 से 70 साल तक की उम्र का कोई भी व्यक्ति आवेदन कर सकता है। आवेदक को हिंदी और अंग्रेजी भाषा का अच्छा ज्ञान होना जरूरी है।

बद्रीनाथ चढ़ावा चोरी मामले में मुख्य आरोपी गिरफ्तार

बद्रीनाथ में चढ़ावा चोरी के मामले में गिरफ्तार बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के निलंबित पर्सनल असिस्टेंट प्रमोद नौटियाल को सोमवार को जिला एवं सत्र न्यायालय, गोपेश्वर में सिविल जज में पेश किया गया है। पुलिस ने बताया कि मनी ट्रेल और संभावित कड़ियों की जांच के लिए आरोपी की पुलिस रिमांड मांगी है। एसपी सुरजीत सिंह पंवार के निर्देश पर गठित एसआईटी ने बताया कि प्रमोद नौटियाल को कई बार मोबाइल के नीचे और जेब में मंदिर की धनराशि व अन्य भेंट सामग्री ले जाते देखा।

प्रमोद नौटियाल

बुटाटी धाम में 22 करोड़ के गबन का दावा

राजस्थान के नागौर जिले के प्रसिद्ध बुटाटी धाम (संत श्री चतुरदास महाराज मंदिर) में 22 करोड़ रुपए से अधिक के कथित गबन का मामला सामने आने आया है। करीब 500 साल पुराने इस मंदिर में श्रद्धालुओं के चढ़ावे, दान और भामाशाहों के सहयोग से बड़ी राशि प्राप्त होती है।

मंदिरों में चढ़ावे की सुरक्षा और पारदर्शिता

कर्नाटक सरकार ने एसओपी जारी किया

कर्नाटक सरकार ने राज्य की ओर से संचालित मंदिरों में चढ़ावे की सुरक्षा, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की है, जिसमें परिसर में सीसीटीवी या वेब कैमरे लगाना अनिवार्य किया गया है और दान के लिए क्यूआर कोड आधारित डिजिटल भुगतान प्रणाली अपनाने पर जोर दिया गया है। सीएम डीके शिवकुमार ने धर्मार्थ बंदोबस्ती (मुजराई) विभाग को निर्देश दिए थे।

खबर संक्षेप

एसयूवी ट्रक से टकराई 5 की मौत, 3 घायल

जयपुर। राजस्थान के बालोतरा जिले में बाड़मेर-जोधपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर रविवार देर रात हुए सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, हादसा भाड़ियावास गांव के पास हुआ, जब तेज रफ्तार से जा रही एक एसयूवी आगे चल रहे ट्रक के पिछले हिस्से से टकरा गई।

ट्रक में घुसी स्कॉर्पियो 3 की मौत, 9 घायल

कानपुर। कानपुर में सोमवार सुबह 6 बजे नेशनल हाईवे पर खड़े ट्रक में स्कॉर्पियो जा घुसी। हादसे में भाई-बहन समेत 3 की मौके पर मौत हो गई। 9 लोग गंभीर घायल हैं। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। कार के पार्ट्स 15-20 फीट दूर तक बिखर गए। उसकी छत उड़ गई। स्कॉर्पियो में सवार लोग अंदर फंस गए।

ट्रक ने 7 महिलाओं को रौंदा, 3 की मौत

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे जिले में वारी शोभायात्रा के दौरान एक ट्रक की चपेट में आने से भगवान विठ्ठल की 3 महिला श्रद्धालुओं की मौत हो गई। इस हादसे में 4 अन्य महिलाएं घायल हो गईं। पता चला है कि 70 वर्षीय ट्रक चालक की तबीयत खराब थी। वह बुखार तथा सर्दी की दवा ले रहा था। दूसरे वाहन को ओवरटेक करने की कोशिश में यह हादसा हुआ।

चांदीपुरा वायरस से एक माह में 12 बच्चों की मौत

अहमदाबाद। गुजरात में संक्रमण से एक महीने में अब तक 12 बच्चों की मौत हो चुकी है। इनमें से तीन बच्चे चांदीपुरा वायरस से संक्रमित थे। अन्य 9 बच्चों की मौत भी इसी वायरस से होने की आशंका है। संक्रमण के मामले गांधीनगर, साबरकांठा, खेड़ा, अरावली और पंचमहल जिलों में सामने आए हैं।

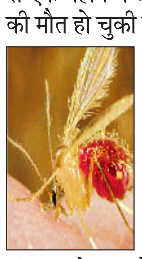

ममता बनर्जी के एक और फैसले को सीएम शुभेंदु ने पलटा

16 अगस्त को 'खेला होबे' की जगह 'आयुष्मान दिवस' मनाया जाएगा

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

पश्चिम बंगाल के सीएम शुभेंदु अधिकारी ने घोषणा की कि उनकी सरकार केंद्र सरकार की जन स्वास्थ्य बीमा योजना के सम्मान में 16 अगस्त को 'आयुष्मान दिवस' के रूप में मनाएगी। यह कदम पिछली तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार द्वारा मनाए जाने वाले 'खेला होबे दिवस' की परंपरा को समाप्त करेगा। यह दिन राज्य में शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के 100 दिन पूरे होने का भी प्रतीक होगा।

16 अगस्त 'काला दिन' : सीएम अधिकारी ने कहा कि 16 अगस्त कोलकाता के इतिहास का एक काला दिन है, क्योंकि इसी तारीख को सुहरावर्दी के नेतृत्व में 'ग्रेट कलकत्ता किलिंग्स' हुई थी। वे 16 अगस्त 1946 को ऑल इंडिया मुस्लिम लीग द्वारा आयोजित 'डायरेक्ट एक्शन डे' का जिक्र कर रहे थे। इस सांप्रदायिक दंगे में करीब 4,000 लोगों की मौत हो चुकी थी, 10,000 से अधिक लोग घायल हुए थे और हजारों परिवार बेघर हो गए थे। मुस्लिम लीग के नेता हुसैन शहीद सुहरावर्दी उस समय ब्रिटिश भारत के अविभाजित बंगाल प्रांत के सीएम थे।

सुरक्षा के तहत प्रतिबंध: कोलकाता एयरपोर्ट के अंदर स्थित मस्जिद में प्रवेश पर अस्थायी रोक और सामूहिक नमाज को अस्थायी रूप से स्थगित करने के मामले में सीएम ने कहा कि देश की सुरक्षा और

कोलकाता अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की सुरक्षा हमारे लिए सबसे पहले है। कोलकाता हवाई अड्डे की भौगोलिक स्थिति बेहद संवेदनशील है क्योंकि इसके पास ही चीन और बांग्लादेश की सीमाएं हैं। ऐसी स्थिति में इस अति सुरक्षित परिसर के गेट बाहरी लोगों के लिए खुले नहीं रखे जा सकते।

भाजपा में शामिल हुए तीनों टीएमसी नेताओं ने किया नामांकन : पश्चिम बंगाल में 24 जुलाई को होने वाले राज्यसभा उपचुनाव के लिए भाजपा के तीन उम्मीदवारों सुखेन्दु शेखर राय, सुष्मिता देव और प्रकाश चिक बराइक ने सोमवार को अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। तीनों नेताओं ने पश्चिम बंगाल विधानसभा में रिटर्निंग ऑफिसर के समक्ष अपने कागजात जमा कर दिए। विधानसभा चुनाव में टीएमसी की हार के बाद राय, देव और बराइक के संसद के उच्च सदन से इस्तीफा देने और पार्टी छोड़ने के कारण राज्यसभा की तीन सीटें खाली हो गई थीं। अब वे लगभग एक महीने बाद भाजपा के टिकट पर संसद में वापसी करने के लिए तैयार हैं।

चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर ममता बनर्जी ने जताई नाखुशी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

▶▶ पूर्व मुख्यमंत्री ने 'असली' तृणमूल कांग्रेस को लेकर जारी विवाद के बीच चुनाव आयोग को लिखा पत्र

▶▶ ममता बनर्जी ने आयोग पर ऋतब्रत बनर्जी के गुट को अतिरिक्त समय देने का आरोप लगाया

बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर निशाना साधा। बनर्जी ने 'असली' तृणमूल कांग्रेस को लेकर जारी विवाद के बीच चुनाव आयोग को पत्र लिखकर बागी गुट के नेता ऋतब्रत बनर्जी को और समय नहीं देने की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि निर्धारित समय सीमा समाप्त होने के बाद भी आयोग की चुप्पी से बागी गुट को अनावश्यक राहत मिल रही है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि उनके गुट को जवाब दाखिल करने के लिए केवल ढाई कार्य दिवस मिले, जबकि ऋतब्रत बनर्जी के गुट को अतिरिक्त समय दिया गया। उन्होंने कहा कि 10 जुलाई के बाद भी आयोग की चुप्पी यह संकेत देती है कि बागी गुट को और अवसर दिया जा रहा है। ममता गुट ने अपने जवाब में बागी गुट के दावे को पूरी तरह खारिज किया है। पार्टी का कहना है कि संविधान के अनुसार 2022 में गठित संगठनात्मक समितियां 2027 तक वैध हैं। इसलिए 2025 में समितियों के समाप्त होने का दावा तथ्यात्मक और कानूनी दोनों दृष्टि से आधारहीन है।

ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट ने दो जुलाई को चुनाव आयोग में याचिका दायर कर स्वयं को 'असली' तृणमूल कांग्रेस बताया था। साथ ही 22 जून को हुई विशेष बैठक में किए गए संगठनात्मक बदलावों को मान्यता देने की मांग की थी। इसके बाद चुनाव आयोग ने दोनों पक्षों को छह जुलाई शाम 5.30 बजे तक जवाब दाखिल करने को कहा था।

ममता गुट ने समय सीमा के भीतर जवाब दे दिया, जबकि बागी गुट को 10 जुलाई शाम 5.30 बजे तक अतिरिक्त समय दिया गया। 12 जुलाई को लिखे पत्र में ममता ने कहा कि विस्तारित समय सीमा समाप्त होने के दो दिन बाद भी उन्हें बागी गुट की ओर से कोई जवाब नहीं मिला है।

उनका कहना है कि आयोग के निर्देश के अनुसार दोनों पक्षों को अपने-अपने जवाब की प्रति एक-दूसरे को उपलब्ध करानी थी। ऐसे में यदि उन्हें कोई प्रति नहीं मिली है, तो यह माना जा सकता है कि आयोग को भी निर्धारित अवधि के भीतर जवाब प्राप्त नहीं हुआ।

गन्नौर मंडी में नार्थ इंडिया के किसान उत्पादों की कर सकेंगे बिक्रीः नायब

मुख्यमंत्री बोलेः मंडी शैडों पर सौर ऊर्जा उपकरण लगाए जाएं, योजनाओं को समयबद्ध ढंग से निर्धारित अवधि में करें पूरा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि अधिकारी राज्य में क्रियान्वित योजनाओं को समयबद्ध ढंग से निर्धारित अवधि में पूरा करना सुनिश्चित करें ताकि जनता को उनका समय पर लाभ मिल सके। सीएम सैनी स्टेट प्रगति प्रोजेक्ट बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इसमें 75 करोड़ रुपए से अधिक की 12 योजनाओं की विस्तार से समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। सीएम ने कहा कि किसी योजना की कार्य अवधि न बढ़ाई जाए। इससे योजना की लागत भी बढ़ती है, उसका आर्थिक बोझ सरकार पड़ता है और जनता को भी उनका लाभ समय पर नहीं मिल पाता।

उन्होंने कहा कि एप्पल मार्केट पिंजौर एवं अंतर्राष्ट्रीय फल फूल सब्जी एवं बागवानी मण्डी गन्नौर में बनाए जाने वाले शैडों पर सौर ऊर्जा उपकरण लगाए जाएं ताकि इन मंडियों को बिजली क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाया जा सके। सीएम ने कहा कि मंडी में तीन एसी शैड बनाए जा चुके है। इसमें 20 प्रतिशत ग्रीन एरिया विकसित किया जाएगा। इसके अलावा सड़कों के दोनों तरफ भी पौधे लगाए जाएंगे। उन्होंने मंडी में रैनीवेल, लाईट एवं साउंड तथा बरसाती पानी के भण्डारण एवं उपयोग के लिए आवश्यक प्रबंध करने के निर्देश दिए। यह उत्तर भारत की बेहतरीन एवं शानदार मंडी होगी जिसमें यूपी, जम्मू कश्मीर, पंजाब, हिमाचल प्रदेश आदि कई राज्यों के किसान अपने उत्पादों की बिक्री कर लाभ उठा सकेंगे।

पंचायतों में ऑप्टीकल फाईबर कनेक्शन पहुंचाने का कार्य अंतिम चरण में : सीएम ने कहा कि राज्य की प्रत्येक ग्राम पंचायत में भारतनेट की सेवाओं के विस्तार कार्य में तेजी लाई जाए ताकि जल्द से जल्द सभी पंचायतों में बेहतर इंटरनेट की सेवाएं सुलभ करवाई जा सकें। अब तक राज्य की 5200 ग्राम पंचायतों में ऑप्टीकल फाईबर कनेक्शन पहुंचाने के लिए कार्य अंतिम चरण में हैं। शेष एक हजार ग्राम पंचायतों में भी जल्द ही यह कार्य पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत हर ग्राम पंचायत, स्कूल, स्वास्थय केन्द्र, आंगनबाड़ी, ई लाईब्रेरी आदि सार्वजनिक स्थलों में कनेक्शन प्रदान किए जाएगें।

नूंह में 156 करोड़ से बनेगा 7 मंजिला 100 बेड अस्तपाल: सीएम सैनी ने कहा कि नूंह में लगभग 156 करोड़ रुपए की लागत से 7 मंजिला 100 बेड का अस्तपाल बनाया जाएगा। इसकी चारदीवारी बनाने का कार्य शुरू कर दिया गया है जो आगामी दो साल में पूरा कर लिया जाएगा। इसके अलावा महेन्द्रगढ़ जिला के नसीबपुर में राव तुलाराम शहीद स्मारक बनाया जाएगा जिसकी ड्राईंग तैयार की जा रही है। उन्होंने कहा कि पानीपत के कालाअम्ब में 16 एकड़ भूमि पर मराठा शौर्य स्मारक का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है।

पिंजौर गार्डन तक बनेगा फोरलेन कोरिडोर

सीएम नायब ने बताया कि लगभग 152 करोड़ रुपए की लागत से पिंजौर में एप्पल मार्केट बनाने के लिए टैण्डर लगाए गए हैं जिसका कार्य इसी माह में शुरू कर दिया जाएगा। सीएम ने पिंजौर गार्डन तक फोरलेन बनाने तथा सुन्दर कोरिडोर के रुप में विकसित करने के निर्देश दिए। इसके अलावा टिक्करताल सड़क मार्ग को भी चौड़ा एवं मजबूत बनाया जाएगा। सैनी ने कहा कि लाला लाजपतराय यूनिवर्सिटी हिसार में 153 करोड़ रुपए की लागत से पशु फार्म, पशु शेड, बीज स्टोर आदि बनाए जा रहे हैं। इसके अलावा पशु चिकित्सा एवं विज्ञान महाविद्यालय का भी निर्माण किया जाएगा। इसके लिए आवश्यक प्रक्रिया पूरी की जा रही है। उन्होंने कहा कि सेक्टर 5 पंचकूला में 55 करोड़ रुपए की लागत से राज्य स्तरीय म्यूजियम का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है।

राहुल गांधी का सरकार पर आरोप

शिक्षा व्यवस्था 'वसूली का तंत्र' बनी, क्रांति का समय

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि भारत की शिक्षा व्यवस्था अब 'बेईमान वसूली का तंत्र' बन गई है। अब शिक्षा के क्षेत्र में क्रांति लाने का समय आ गया है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि भ्रष्टाचार के मुद्दे पर मोदी सरकार और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने चुप्पी साध ली है। उन्होंने कहा कि दोनों ने जवाबदेही से मुंह मोड़ लिया है।

राहुल गांधी ने एक पोस्ट में लिखा कि भ्रष्ट, अन्यायी, पक्षपाती, बेईमानी- ये चार शब्द मेरे नहीं, ये देश के छात्र आज भारत की शिक्षा व्यवस्था के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं। सच यही है कि भारत की शिक्षा व्यवस्था अब एक बेईमान वसूली तंत्र बन चुकी है। जो व्यवस्था बच्चों के भविष्य को तैयार करने के लिए बनी थी, वो आज उन्हें और उनके परिवार को कर्ज, तनाव और निराशा में धकेल रही है। इसी भ्रष्टाचार ने पेपर लीक माफिया को जन्म दिया, जो तैयारी कर रहे छात्रों की की मेहनत पर पानी फेर रहे।

असम में सीएम सरमा बुलडोजर पर हुए सवार

10 दिनों में नष्ट करेंगे 472 करोड़ की ड्रग्स

नलबाड़ी। असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने राज्य भर में जब्त की गई 472 करोड़ रुपए मूल्य की ड्रग्स को 10 दिनों में नष्ट करने का अभियान शुरू किया। नलबाड़ी जिले में इस अभियान की शुरुआत करते हुए उन्होंने कहा कि असम को नशामुक्त बनाने के लिए राज्य मादक पदार्थों के मामलों से निपटने में निर्दयी रुख अपनाएगा। सीएम सरमा ने घोषणा की कि असम पुलिस की ओर से जब्त की गई 472.51 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की दवाओं को अगले 10 दिनों में नष्ट कर दिया जाएगा।

विदेशी मुद्रा भंडार मजबूत करने पर केंद्र का जोर

सीतारमण ने बैंकों से कहा, एनआरआई तक पहुंचो कुछ नया करो

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों से प्रवासी भारतीयों (एनआरआई) तक अपनी पहुंच और अधिक मजबूत करने तथा उनकी जरूरतों के अनुरूप नवोन्मेषी जमा (डिपॉजिट) उत्पाद विकसित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विदेशी मुद्रा संसाधनों को बढ़ाने और भारतीय अर्थव्यवस्था को वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच मजबूती प्रदान करने के लिए बैंकों को एनआरआई समुदाय के साथ सक्रिय संपर्क अभियान चलाना चाहिए।

वित्त मंत्री नई दिल्ली में फॉरेन करेंसी नॉन-रेजिडेंट (बैंक) जमा तथा ओवरसीज फॉरेन करेंसी बॉरोइंग्स स्वैप पहल की प्रगति की समीक्षा के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और सार्वजनिक वित्तीय संस्थानों के प्रबंध निदेशकों (एमडी) एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारियों (सीईओ) के साथ आयोजित बैठक को संबोधित

कर रही थीं। बैठक के दौरान वित्त मंत्री ने बैंकों से कहा कि वे एनआरआई समुदाय के बीच जागरूकता और संपर्क कार्यक्रमों को और तेज करें, ताकि विदेशी मुद्रा जमा जुटाने की गति बनी रहे। उन्होंने इस दिशा में आकर्षक और नवाचार आधारित डिपॉजिट योजनाएं शुरू करने पर भी जोर दिया।

बैठक में विभिन्न बैंकों और सार्वजनिक वित्तीय संस्थानों के एमडी एवं सीईओ ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा शुरू की गई स्वैप सुविधा योजनाओं के तहत हुई प्रगति की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इन योजनाओं के माध्यम से विदेशी मुद्रा संसाधनों के जुटाव में सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। बैठक में यह भी रेखांकित किया गया कि बैंकों और सार्वजनिक वित्तीय संस्थानों की सक्रिय भागीदारी से विदेशी मुद्रा प्रवाह बढ़ाने में मदद मिल रही है। इससे देश के विदेशी मुद्रा भंडार (फॉरेक्स रिजर्व) को मजबूती मिल रही है और वैश्विक आर्थिक एवं वित्तीय अनिश्चितताओं के दौर में भारत के बाह्य क्षेत्र (एक्सटर्नल सेक्टर) की स्थिरता और लचीलापन भी बढ़ रहा है। बैठक में वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग, आर्थिक मामलों के विभाग और राजस्व विभाग के सचिव, मुख्य आर्थिक सलाहकार, भारतीय रिजर्व बैंक के उप-गवर्नर तथा केंद्र सरकार और आरबीआई के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। विशेषज्ञों का मानना है कि सरकार और आरबीआई की यह पहल भारत में विदेशी मुद्रा प्रवाह को प्रोत्साहित करने, रुपये की स्थिरता बनाए रखने तथा वैश्विक वित्तीय चुनौतियों के बीच देश की आर्थिक स्थिति को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उल्लेखनीय है कि सरकार की तिजोरी पर घटती विदेशी मुद्रा से दबाव बढ़ा है।

मंत्री नितेश राणे ने आमिर खान की तीसरी शादी पर कसा तंज

ऐसे एक्टर्स को बड़ा बनाने से पहले सोचें

वे तो लव जिहाद के ब्रांड एंबेसडर हिंदू समाज इस बारे में चिंता करे

एजेंसी ▶▶ मुंबई

एक्टर आमिर खान ने हाल ही में गौरी स्प्रैट के साथ सादगी से रजिस्टर्ड मैरिज की। महाराष्ट्र सरकार के मंत्री और भाजपा विधायक नितेश राणे ने इस पर सवाल उठाते हुए पूछा कि क्या इसे 'लव जिहाद' का मामला माना जाना चाहिए या नहीं, इस पर चर्चा धीरे-धीरे जोर पकड़ रही है। उन्होंने कहा कि जब सेलिब्रिटीज अपनी पर्सनल लाइफ में ऐसे फैसले लेते हैं, तो हिंदू समाज को इस बारे में सोचना चाहिए। यह मेरी राय है।

नितेश राणे / आमिर कह तीसरी शादी

यह उनका व्यक्तिगत मामलाः पेडणेकर

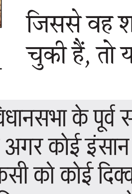

शिवसेना (यूबीटी) नेता और पूर्व मेयर किशोरी पेडणेकर ने भी इस मामले पर कहा कि आमिर खान की फिल्में देखना या नहीं देखना, इसका फैसला लोगों को ही करना चाहिए। कोई हिंदू लड़की यह जानती है कि जिससे वह शादी कर रही है, उसकी दो शादियां पहले से हो चुकी हैं, तो यह उन दोनों का व्यक्तिगत मामला हो गया।

आप में क्षमता है तो करोः पठान

महाराष्ट्र विधानसभा के पूर्व सदस्य और एआईएमआईएम के प्रवक्ता वारिस पठान ने कहा कि अगर कोई इंसान अपनी पसंद से शादी करना चाहता है तो दिक्कत क्या है? किसी को कोई दिक्कत नहीं है तो आपको क्या दिक्कत है? उनकी क्षमता है, उन्होंने किया। अगर आपके अंदर भी क्षमता है तो आप भी करो।

खबर संक्षेप

रुपया 27 पैसे टूटकर 95.65 प्रति डॉलर पर

मुंबई। कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के बीच रुपया सोमवार को 27 पैसे टूटकर अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 95.65 (अस्थायी) पर रहा। ईरान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने की घोषणा के बाद रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले कमजोर हुआ है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार, अमेरिका और ईरान के बीच फिर से हुए ड्रोन तथा मिसाइल हमलों से तेल आपूर्ति को लेकर चिंताएं पैदा हुईं, जबकि कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और मजबूत डॉलर के कारण रुपये पर दबाव बढ़ा।

ओएनजीसी ने दूसरे 'जियोथर्मल' कुएं की खुदाई पूरी की

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी ऑयल एंड नैचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) ने लद्दाख की पुगा घाटी में दूसरे भू-तापीय (जियोथर्मल) कुएं की खुदाई सफलतापूर्वक पूरी कर ली है। इसके साथ ही भारत पहले प्रायोगिक जियोथर्मल बिजली संयंत्र की स्थापना की दिशा में एक और कदम आगे बढ़ गया है। भू-तापीय ऊर्जा पृथ्वी की सतह के नीचे मौजूद प्राकृतिक ऊष्मा का उपयोग कर बिजली और तापीय ऊर्जा पैदा करती है।

सीमेंस को मिला रेल्वे का 263 करोड़ का बड़ा ठेका

नई दिल्ली। प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनी सीमेंस लिमिटेड को उत्तराखंड की ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन परियोजना के लिए रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल) से 263 करोड़ रुपये का ठेका मिला है। कंपनी ने सोमवार को यह जानकारी दी। इस ठेके के तहत कंपनी 'ओवरहेड' रेल विद्युतीकरण प्रौद्योगिकियों की आपूर्ति करेगी।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

जून माह में निर्यात बढ़कर 40.41 अरब डॉलर रहा

देश का निर्यात जून में 15.5 प्रतिशत बढ़ा व्यापार घाटा पांच माह के उच्च स्तर पर

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

देश का निर्यात जून महीने में सालाना आधार पर 15.5 प्रतिशत बढ़कर 40.41 अरब डॉलर रहा। इस दौरान व्यापार घाटा बढ़कर पांच महीने के उच्च स्तर 30.43 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

व्यापार घाटा बढ़कर 30.43 अरब डॉलर पर पहुंचा

मुख्य रूप से कच्चे तेल के दाम में तेजी से व्यापार घाटा बढ़ा है।

कच्चे तेल का आयात आलोच्य महीने में 40 प्रतिशत बढ़कर 19.32 अरब डॉलर रहा। देश का कुल वस्तु आयात 31 प्रतिशत बढ़कर 70.84 अरब डॉलर रहा। जून के पहले पखवाड़े में, तेल की कीमत लगभग 90 डॉलर प्रति बैरल थी। अब यह 80 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गई है। पिछले महीने कीमती धातुओं, इलेक्ट्रॉनिक्स और मशीनरी के आयात ने भी देश के आयात बिल को बढ़ाया।

कच्चे तेल के दाम में तेजी से व्यापार घाटा बढ़ा है

इलेक्ट्रॉनिक्स आयात 58.77 प्रतिशत बढ़ा

आलोच्य महीने में इलेक्ट्रॉनिक्स आयात 58.77 प्रतिशत बढ़कर 13.4 अरब डॉलर, मशीनरी 30.9 प्रतिशत बढ़कर 5.8 अरब डॉलर और और सोने का आयात सात प्रतिशत बढ़कर लगभग दो अरब डॉलर रहा। चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में निर्यात 15.92 प्रतिशत बढ़कर 129.32 अरब डॉलर रहा, जबकि आयात 19.89 प्रतिशत बढ़कर 216.18 अरब डॉलर हो गया।

सोने का आयात बढ़कर 11.01 अरब डॉलर

वित्त वर्ष की पहली तिमाही में सोने का आयात बढ़कर 11.01 अरब डॉलर रहा जो पिछले साल अप्रैल-जून तिमाही में 7.49 अरब डॉलर था। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने आंकड़ों के बारे में संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स, लौह अयस्क, हस्तशिल्प, मांस और डेयरी उत्पादों जैसे क्षेत्रों में भारत के निर्यात में अच्छी वृद्धि है।

जून में सेवाओं का निर्यात 33.03 अरब डॉलर रहा

अमेरिका-ईरान संघर्ष ने अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में, खासकर होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले मालवाहक जहाजों की आवाजाही को प्रभावित किया है। इस बीच, सरकारी अनुमानों के अनुसार, जून में सेवाओं का निर्यात 33.03 अरब डॉलर और आयात 17.92 अरब डॉलर रहा। भारत का अमेरिका को निर्यात जून में 1.21 प्रतिशत घटकर 8.17 अरब डॉलर रहा।

चीन को भारत से वस्तु निर्यात बढ़ा

चीन को भारत से वस्तु निर्यात चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही के दौरान 27.54 प्रतिशत बढ़कर 5.6 अरब डॉलर हो गया, जबकि आयात 27.94 प्रतिशत बढ़कर 38.04 अरब डॉलर रहा। इसी तरह, पिछले महीने सिंगापुर को निर्यात सालाना आधार पर 48.91 प्रतिशत बढ़कर 1.44 अरब डॉलर रहा। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के दौरान, निर्यात 101.16 प्रतिशत बढ़कर 6.51 अरब डॉलर पहुंच गया।

भारत का इन देशों को निर्यात बढ़ा

भारत ने इस अवधि के दौरान संयुक्त अरब अमीरात, नीदरलैंड, ब्रिटेन, जर्मनी, दक्षिण अफ्रीका, बांग्लादेश, तंजानिया, ऑस्ट्रेलिया, मलेशिया, श्रीलंका, इटली और वियतनाम को भी निर्यात में भी वृद्धि दर्ज की है। हालांकि, जून में सऊदी अरब और फ्रांस को निर्यात में गिरावट आई।

इंटरनेशनल फिजिक्स ओलम्पियाड

4 गोल्ड मेडल एलन स्टूडेंट्स को

कोटा। कोलंबिया के बुकारामांगा में 4 से 12 जुलाई तक आयोजित 56वें इंटरनेशनल फिजिक्स ओलंपियाड 2026 (आईपीएचओ 2026) के फाइनल में भारतीय टीम में शामिल सभी पांचों स्टूडेंट्स ने गोल्ड मैडल हासिल किए है। इन पांच में से चार मैडल्स एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के स्टूडेंट्स ने प्राप्त किए हैं। स्टूडेंट्स के इस प्रदर्शन के आधार पर 87 देशों में भारत प्रथम पायदान पर रहा है। गोल्ड मैडल प्राप्त करने वाले सभी एलन के क्लासरूम स्टूडेंट्स हैं, इसमें कनिष्क जैन, रिद्धेश बेंडाले, ऋषित गर्ग एवं स्वरित जोशी शामिल हैं। एलन के सीईओ नितिन कुकरेजा ने सभी स्टूडेंट्स को बेहतर प्रदर्शन पर बधाई देते हुए कहा कि एलन स्टूडेंट्स हर क्षेत्र में बेहतर परिणाम दे रहे हैं। इस वर्ष पहले बड़े इंटनेशनल ओलम्पियाड में 5 में से 4 एलन स्टूडैंट्स को गोल्ड मैडल्स मिलना उत्साहजनक है। ये परिणाम देश की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ती साख को प्रदर्शित करते हैं। विभिन्न ऑफिशियल ओलम्पियाड्स में अब तक एलन स्टूडेंट्स 188 मैडल्स जीत चुके हैं। इसमें 90 गोल्ड मैडल शामिल हैं। ये एलन की अकेडमिक एक्सीलेंस को दर्शाता है।

सोना 1,500 रुपये टूटकर 1.47 लाख रुपये पर, चांदी 2,000 रुपये कमजोर

नई दिल्ली (भाषा)। पश्चिम एशिया में अनिश्चितता बने रहने के कारण राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोमवार को सोने की कीमत 1,500 रुपये टूटकर 1.47 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई। वहीं चांदी की कीमत भी 2,000 रुपये फिसल गई। स्थानीय बाजार के जानकारों के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत शुक्रवार के बंद भाव 1,48,500 रुपये प्रति 10 ग्राम से 1,500 रुपये घटकर 1,47,000 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) रह गई। चांदी की कीमत भी 2,000 रुपये घटकर 2,35,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) रह गई। पिछले सत्र में चांदी का भाव 2,37,000 रुपये प्रति किलोग्राम था। कारोबारियों ने कहा कि पश्चिम एशिया में फिर से तनाव बढ़ने से कच्चे तेल की कीमतें बढ़ गईं, जिससे महंगाई की चिंताएं बढ़ीं और डॉलर मजबूत हुआ।

कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल से निवेशकों की धारणा बदली

शेयर बाजार शुरुआती गिरावट से उबरा, स्थिर रुख के साथ बंद

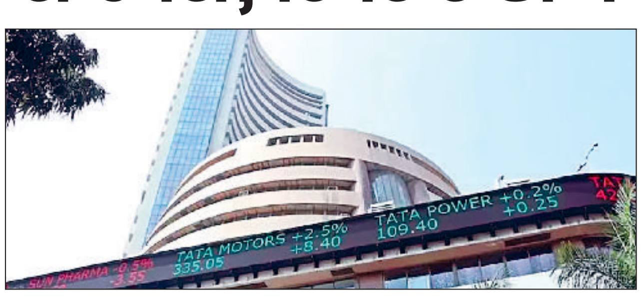

एजेंसी ▸▸| मुंबई

पश्चिम एशिया में तनाव गहराने के बीच कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल से सोमवार को निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई लेकिन निचले स्तर पर खरीदारी आने से घरेलू शेयर बाजार लगभग स्थिर रुख के साथ बंद हुए।

विश्लेषकों के मुताबिक, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) और टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में मजबूती ने भू-राजनीतिक चिंताओं के असर को कुछ हद तक संतुलित किया, जिससे बाजार शुरुआती गिरावट से उबरने में सफल रहा। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 711.96 अंक टूटकर 76,857.43 अंक तक आ गया था। हालांकि, आईटी शेयरों में जबर्दस्त खरीदारी आने से यह गिरावट से उबरकर 219.9 अंक तक चढ़ गया, लेकिन अपनी बढ़त कायम नहीं रख सका। निफ्टी भी 4.10 अंक की हल्की बढ़त के साथ 24,211 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) 5.43 प्रतिशत की बढ़त के साथ सबसे अधिक लाभ में रही।

- निचले स्तर पर खरीदारी आने से बाजार स्थिर रुख के साथ बंद

बेंट क्रूड बढ़कर 78 डॉलर प्रति बैरल पहुंचा

दूसरी तरफ, इंटरग्लोब एविएशन (इंडिगो), मारुति, अल्ट्राटेक सीमेंट और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे शेयर नुकसान में रहे। पश्चिम एशिया में फिर से तनाव बढ़ने के कारण अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 2.57 प्रतिशत बढ़कर 77.96 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया

ऑनलाइन ट्रेडिंग फर्म एनरिच मनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी पोनमुडी आर ने कहा, ''अमेरिका एवं ईरान के बीच बढ़ते तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य की तनावपूर्ण स्थिति के कारण तेल की आपूर्ति पर असर पड़ा है, जिससे कच्चे तेल के दाम बढ़े और निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया।''

वाहन क्षेत्र में जून तिमाही के दौरान हुए 20 बड़े सौदे

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

भारतीय वाहन क्षेत्र में वर्ष 2026 की अप्रैल-जून तिमाही के दौरान हुए सौदों का कुल मूल्य 71.7 करोड़ अमेरिकी डॉलर रहा, जो पिछले तीन साल का सबसे कम तिमाही लेनदेन है। सोमवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

ग्रांट थॉर्नटन भारत की नवीनतम 'ऑटोमोटिव डीलट्रैकर' रिपोर्ट में कहा गया है कि जून तिमाही के दौरान वाहन क्षेत्र में कुल 20 सौदे हुए। हालांकि, सौदों की संख्या घटने के बावजूद सौदों का कुल मूल्य अपेक्षाकृत मजबूत बना रहा। तिमाही आधार पर कुल सौदा मूल्य में चार प्रतिशत की मामूली गिरावट दर्ज की गई। इसका बड़ा हिस्सा मुख्य रूप से परिवहन मंचों, वाहन प्रौद्योगिकी एवं पूंजी बाजार से जुड़े निवेश में केंद्रित रहा। ग्रांट थॉर्नटन भारत के साझेदार और वाहन एवं इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) क्षेत्र के प्रमुख साकेत मेहरा ने कहा, कि तिमाही के दौरान सौदों की संख्या में कमी आई, लेकिन निवेश उन कंपनियों पर केंद्रित रहा जो भविष्य के परिवहन परिदृश्य को आगे बढ़ा रही हैं।

सबसे बड़ा सौदा केपीआईटी टेक्नोलॉजीज ने किया

इस तिमाही का सबसे बड़ा सौदा केपीआईटी टेक्नोलॉजीज द्वारा इजराइल की साइबर सुरक्षा कंपनी साइमोटिव टेक्नोलॉजीज का 12 करोड़ डॉलर में अधिग्रहण रहा। पीई/वीसी निवेश में भी नरमी देखी गई और 13 सौदों के जरिये 34.1 करोड़ डॉलर का निवेश हुआ।

'बैंकों के सीईओ के साथ समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की

बैंक प्रवासी भारतीयों को जोड़ने के लिए कदम उठाएं : सीतारमण

नई दिल्ली (एजेंसी)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को बैंकों से कहा कि वे विदेशी मुद्रा जमा को और बढ़ाने के लिए प्रवासी भारतीयों को जोड़ने के लिए कदम उठायें। सीतारमण ने विदेशी मुद्रा प्रवासी (बैंक) जमा (एफसीएनआर-बी), बाह्य वाणिज्यिक उधारी और विदेशी मुद्रा कर्ज अदला बदली उपायों पर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और वित्तीय संस्थानों के मुख्य कार्यपालक अधिकारियों (सीईओ) के साथ समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए शुरुआती उत्साहजनक प्रतिक्रिया की सराहना की। वित्त मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, उन्होंने बैंकों से एनआरआई समुदाय तक अपनी पहुंच और बढ़ाने, नए तरह के जमा उत्पाद पेश करने और योजनाओं की बची हुई अवधि के दौरान जमा जुटाने की गति को बनाए रखने का आह्वान किया। बैठक के दौरान, मुख्य कार्यपालक अधिकारियों ने बताया कि बैंक एफसीएनआर (बी) जमा पर आकर्षक रिटर्न दे रहे हैं, जिसमें पांच साल की जमा राशि भी शामिल है। यह नई एफसीएनआरबी (बी) जमा राशि पर ब्याज दर की सीमा को हटाने के कारण संभव हुआ है।

टाटा कैपिटल ने योगलोन्स में खरीदी बहुलांश हिस्सेदारी

मुंबई। टाटा कैपिटल ने केरल की कंपनी योगक्षेम लोन्स में बहुलांश हिस्सेदारी खरीदने की सोमवार को घोषणा की। इसके साथ ही, टाटा समूह की इस वित्तीय सेवा कंपनी सोने के बदले कर्ज यानी स्वर्ण ऋण कारोबार में भी उतर गई है। कंपनी ने स्वर्ण ऋण कारोबार में उतरने का निर्णय अपने खुदरा ऋण पोर्टफोलियो में विविधता लाने के मकसद से लिया है। नियामकीय मंजूरी मिलने पर यह सौदा पूर्ण रूप से नकद में होगा। इसके आधार पर योगलोन्स का मूल्यांकन 318 करोड़ रुपये तक आंका गया है। साथ ही, इसमें कंपनी की वृद्धि योजना को समर्थन देने के लिए लगभग 93 करोड़ रुपये का पूंजी डाली जाएगी।

COURT NOTICE
(U/o 5 Rule 20 CPC)
IN THE COURT OF
Sh. Sandeep Kumar Duggal
Additional District and Sessions Judge, Rohtak
Varsha wife of Parveen Kumar
Vs.
Parveen Kumar son of Shiv Kumar
CNR No. HRRH01-009363-2025
Next Date:-10-08-2026
PUBLICATION ISSUED TO :-
1.Parveen Kumar S/o Shiv Kumar R/o Harewali, Delhi.
2.Shiv Kumar S/o Deep Chand R/o Harewali, Delhi.
3.Sharda W/o Shiv Kumar R/o Harewali, Delhi.
In above titled case, the accused could not be served. It is ordered that accused should appear in person or through counsel on 10-08-2026 at 10.00 a.m.
For details logon to https://highcourtchd.gov.in/?trs=district_notice&district=Rohtak
Sd/-Additional District and Sessions Judge Rohtak
Dated, this day of 09-07-2026

उत्तर रेलवे
शुद्धिपत्र सूचना
पत्र सं. 365135 दिनांक: 13.07.2026

शुद्धिपत्र विवरण शुद्धिपत्र संख्या 6	शुद्धिपत्र प्रकाशन तिथि 13.07.2026	
निविदा विवरण निविदा संख्या 365135 (खुली निविदा) कार्य का नाम: वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनसेट का व्यापक रखरखाव अनुबंध।	समापन तिथि / समय 22.07.2026, 15:00	
संशोधित मदें एनआईटी हेडर		
फील्ड का नाम	मौजूदा मान	संशोधित मान
निविदा समापन तिथि और समय	15.07.2026, 15:00	22.07.2026, 15:00

2409/2026
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

राशिफल

मेष: मन परेशान हो सकता है। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। पिता का साथ मिलेगा। नौकरी में यात्रा पर जा सकते हैं।

वृष: नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों में मान-सम्मान मिलेगा। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। खर्च अधिक रहेंगे।

मिथुन: कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च बढ़ेंगे। मन प्रसन्न रहेगा। व्यर्थ के क्रोध से बचें।

कर्क: किसी मित्र के सहयोग से रोजगार के अवसर मिल सकते है। क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। पारिवारिक समस्याएं परेशान कर सकती हैं।

सिंह: परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। सम्मान में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। पिता से धन की प्राप्ति हो सकती है। यात्रा पर जाना हो सकता है।

कन्या: संयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त हो सकते हैं। अफसरों से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।

तुला: नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। वाणी में मधुरता रहेगी। अपनी भावनाओं को वश में रखें। कारोबार की स्थिति में सुधार होगा।

वृश्चिक: मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। सेहत का ध्यान रखें। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

धनु: सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च बढ़ेंगे। पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफल रहेंगे। परिवार में व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें।

मकर: किसी भवन या सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं। कारोबार में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। परिश्रम अधिक रहेगा। भाई-बहनों का साथ मिलेगा।

कुंभ: आय में वृद्धि तो होगी, परन्तु अनियोजित खर्चों में वृद्धि होगी। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों के लिए यात्रा पर जा सकते हैं।

मीन: शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। आय भी बढ़ेगी। क्रोध के अतिरेक से बचें। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा।

इंडियनऑयल उत्तरी क्षेत्र एवं दिल्ली राज्य कार्यालय ने 'यमुना स्वच्छता अभियान' का नेतृत्व किया

नई दिल्ली। स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत इंडियनऑयल ने सराय काले खां स्थित यमुना तट पर 'यमुना स्वच्छता अभियान' का आयोजन किया। यह अभियान श्री हेमंत राठौड़, कार्यकारी निदेशक ,उत्तरी क्षेत्र एवं राज्य प्रमुख, दिल्ली राज्य कार्यालय के नेतृत्व में आयोजित किया गया। इस पहल में अधिकारियों, कर्मचारियों तथा आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जो पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता के प्रति उनकी सामूहिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस अवसर पर उत्तर-पूर्वी दिल्ली से सांसद माननीय श्री मनोज कुमार तिवारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान श्री हेमंत राठौड़ ने माननीय सांसद का पौधा भेंट कर स्वागत किया, जो पर्यावरणीय स्थिरता एवं हरित भविष्य के प्रति इंडियनऑयल की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। माननीय सांसद एवं अन्य गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति में श्री राठौड़ ने उपस्थित सभी प्रतिभागियों को स्वच्छता शपथ दिलाई, जिसके माध्यम से नदियों, सार्वजनिक स्थलों एवं अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ और स्वस्थ बनाए रखने के सामूहिक संकल्प को दोहराया गया। सभा को संबोधित करते हुए माननीय श्री मनोज कुमार तिवारी ने स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में इंडियनऑयल के निरंतर प्रयासों की सराहना की। उन्होंने सभी से यमुना के संरक्षण और पुनर्जीवन के मिशन में पूरे मनोयोग से योगदान देने का आह्वान किया।

दिल्ली मंडल के मोदीनगर रेलवे स्टेशन को पुनर्विकसित किया गया

नई दिल्ली। मोदीनगर रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत किया गया है। मोदीनगर रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास 25.75 करोड़ रुपये के बजट से किया गया है। अमृत भारत स्टेशन योजना भारतीय रेलवे की एक प्रमुख परियोजना है। इस परियोजना का उद्देश्य संपर्क और पहुंच में सुधार के इरादे से देश भर के रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण करना है। कुल मिलाकर, अमृत भारत स्टेशन योजना एक महत्वपूर्ण पहल है जो भारत में रेलवे प्रणाली का उपयोग करने वाले लाखों लोगों को लाभान्वित करेगी। इस योजना की परिकल्पना यात्रियों को सभी आधुनिक सुविधाओं के साथ अत्याधुनिक सुविधाएं प्रदान करने के लिए की गई है। इससे यात्रियों का यात्रा अनुभव बेहतर होगा। इस परियोजना का उद्देश्य रेलवे स्टेशनों को आसपास के क्षेत्रों से जोड़ना और यात्रियों को बेहतर पहुंच प्रदान करने के लिए इन क्षेत्रों का विकास करना है। इस योजना में संपर्क और पहुंच में सुधार के लिए सड़कों, फुटपाथों और अन्य बुनियादी ढांचे का विकास शामिल है। इन स्टेशनों का पुनर्विकास दिव्यांगजनों के लिए सुविधाओं के साथ-साथ यात्रियों की निर्बाध आवाजाही प्रदान करने की दृष्टि से किया गया है। स्टेशन भवन का नवीनीकरण किया गया है।

शब्द पहेली - 6286

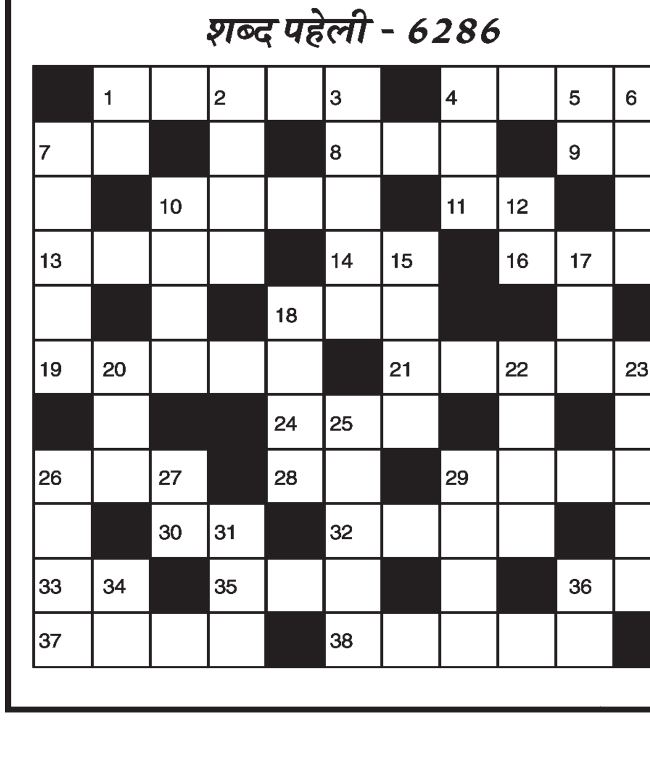

बाएँ से दाएँ
1.जायकेदार,लजीज-5
4.नट का खेल-4
7.राय,वोट-2
8.दुरुह,कठिन-3
9.प्रहार,घात-2
10.अचरज भरा कार्य-4
11.शराब,मद्य-2
13.साझेदार-4
14.क्षण,लम्हा-2
16.सहयोग-3
18.अड़िग-3
19.कैद, बंधक-3,2
21.चुगली करना-2,3
24.धावक (अंग्रेजी-3)
26.अग्नि, आग-3
28.टैक्स, हाथ-2
29.एक मुगल सम्राट-4
30.टकटकी-2
32.कैंची से काटना-4
33.आत्मा-2
35.सीरा,मिष्ठान-3
36.आगमन-2
37.जोरदार-4
38.तेज दौड़ना-5

ऊपर से नीचे
1.बुरी आदत-2
2.झगड़ा,रार-4
3.फिल्मी दुनिया-3,2
4.लेखनी,पेन-3
5.इस पर रोटी सेंकते हैं-2
6.वटवृक्ष-4
7.मन को भाने वाला-5
10.बुरा आचरण-4
12.यमराज-2
15.चुनौती-4
17.विदरण,एकता भंग-3
18.आर्द्रक-4
20.भूमि,धरती-3
22.आवेश में आना-4
23.नामकरण-2,3
25.नरक में रहना-5
26.जामफल-4
27.बेल,लतिका-2
29.प्रार्थना,ईश्वर वंदना-4
31.जलजला-3
34.मैं का बहुवचन-2
36.रुपये का सोलहवां भाग-2

शब्द पहेली- 6285 का हल

स	द	च	रि	त्र	■	■	ब	ह	य	■
मा	मा	■	या	■	अ	द	द	■	ह	क
ज	■	■	स	ज	दा	■	न	■	■	हा
वा	र	दा	त	■	■	श	■	प	नी	र
दी	■	मि	■	ह	म	रा	ज	■	र	■
■	रा	नी	■	रा	■	फ	■	बी	ज	■
■	ह	■	श	र	ब	त	■	ह	■	म
क	त	य	■	त	■	■	अ	ड़	च	न
हा	■	■	चिं	■	म	लि	न	■	■	भा
नी	र	■	त	न	य	■	ब	■	श	व
■	थ	का	न	■	■	म	न	मो	ह	न

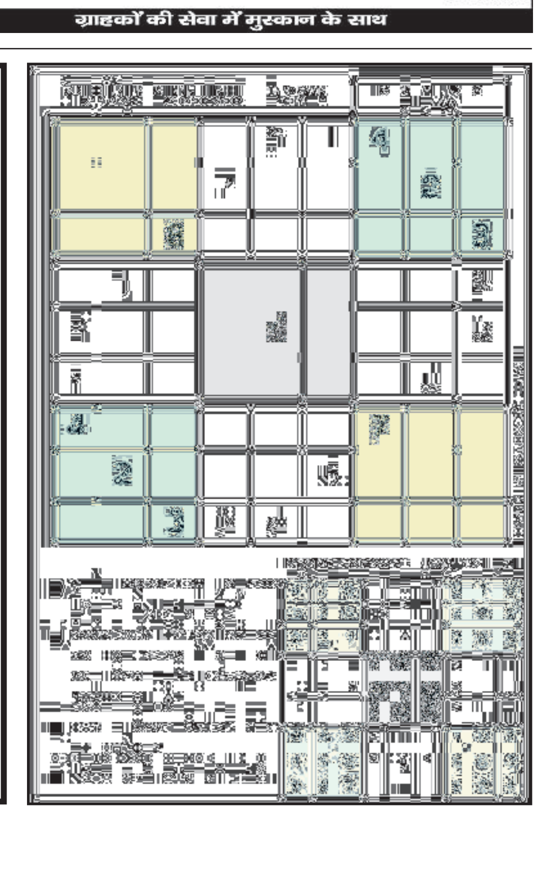

चार दिग्गज टीमें, चार सुपरस्टार, सेमीफाइनल में होगा हाई-वोल्टेज मुकाबला

एजेंसी ▶▶| अटलांटा

फ्रांस जब विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट के पहले सेमीफाइनल में स्पेन का सामना करेगा तो दिग्गज खिलाड़ी किलियन एमबाप्पे और युवा स्ट्राइकर लामिन यामल के बीच रोचक जंग देखने को मिल सकती है। इसी तरह से अर्जेंटीना और इंग्लैंड के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल में दो अनुभवी खिलाड़ी लियोनेल मेस्सी और हैरी केन आमने-सामने होंगे।

इस बार के सेमीफाइनल मैच कुछ मामलों में अनूठे हैं। चार पूर्व चैंपियन और दुनिया की चार शीर्ष रैंकिंग वाली टीमें अंतिम चार में पहुंची है। सर्वाधिक गोल करने वाले छह खिलाड़ियों में से पांच मैदान पर दिखाई देंगे। एक सर्वकालिक महान खिलाड़ी (मेस्सी) आकर्षण का केंद्र होगा। इसके अलावा फुटबॉल की सबसे कड़वी प्रतिद्वंद्विताओं में से एक भी सेमीफाइनल में देखने को मिलेगी।

आज फ्रांस और स्पेन और कल इंग्लैंड बनाम अर्जेंटीना में भिड़ंत

फ्रांस मंगलवार को टेक्सास के अर्लिंगटन में स्पेन से भिड़ेगा और इंग्लैंड बुधवार को अटलांटा में अर्जेंटीना का सामना करेगा। ऐसा 1990 के बाद से पहली बार हुआ है कि विश्व कप के अंतिम चार में सभी टीमें पूर्व चैंपियन हों। अगर फ्रांस और अर्जेंटीना दोनों ही फाइनल में पहुंचते हैं, तो इस साल 2022 के फाइनल की पुनरावृत्ति भी हो सकती है।

फ्रांस बनाम स्पेन

फ्रांस और स्पेन किसी बड़ी प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में फिर से आमने-सामने होंगे। यह दोनों टीम दो साल पहले यूरोपीय चैंपियनशिप में एक दूसरे से भिड़ी थीं। स्पेन ने उस मैच में 2-1 से जीत हासिल की थी। उस मैच में यामल ने गोल किया था, जो तब 16 वर्ष के थे। स्पेन ने फाइनल में इंग्लैंड को हराकर यूरो कप का खिताब अपने नाम किया। फ्रांस को मौजूदा विश्व कप की सबसे प्रभावशाली टीम माना जा रहा है, जिसकी अग्रिम पंक्ति में कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं। सबकी निगाह हालांकि एमबाप्पे पर टिकी रहेगी, जिन्होंने अभी तक टूर्नामेंट में संयुक्त रूप से सर्वाधिक गोल किए हैं। स्पेन को टूर्नामेंट में आने से पहले यामल और साथी विंगर निको विलियम्स की चोटों से जूझना पड़ा। स्पेन को पिछले दो दौर में पुर्तगाल और बेल्जियम को हराने के लिए स्थानापन्न खिलाड़ी मिकेल मेरिनो के अंतिम क्षणों में किए गए गोल पर निर्भर रहना पड़ा। विश्व कप या यूरो कप में ये दोनों देश कई बार आमने-सामने आ चुके हैं।

इंग्लैंड बनाम अर्जेंटीना

अर्जेंटीना और इंग्लैंड की प्रतिद्वंद्विता जगजाहिर है। इस प्रतिद्वंद्विता में फुटबॉल के मैदान से इतर 1982 में फ़ॉकलैंड द्वीप समूह पर हुए संघर्ष से जुड़ा तनाव भी शामिल हैं। विश्व कप में इन दोनों टीमों के बीच कई बार तनाव के क्षण आए हैं। विश्व कप 1966 में इंग्लैंड के खिलाफ तनावपूर्ण क्वार्टर फाइनल में अर्जेंटीना के कप्तान एंटोनियो रैटिन को मैदान से बाहर भेज दिया गया था। विश्व कप 1986 में डिएगो माराडोना के कुख्यात 'हैंड ऑफ गॉड' गोल ने अर्जेंटीना को क्वार्टरफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ 2-1 से जीत दिलाने में मदद की, जिसके चलते अर्जेंटीना ने ट्रॉफी जीती। मेस्सी पर सबकी नजर रहेगी, जो संभवतः अपना आखिरी विश्व कप खेल रहे हैं। यह विश्व कप में इंग्लैंड के खिलाफ उनका पहला मैच होगा। अगर मेस्सी अर्जेंटीना को खिताब दिला देते हैं, तो वह अपने देश के लिए दो विश्व कप जीतकर महान माराडोना को पीछे छोड़ देंगे। इससे अर्जेंटीना 1958 और 1962 में ब्राजील के बाद लगातार दो बार चैंपियन बनने वाला पहला देश भी बन जाएगा।

महिला टेस्ट क्रिकेट में भारत ने इंग्लैंड को 270 रन से हराया

हरमन स्क्वॉड ने लॉर्ड्स में रचा इतिहास इंग्लिश टीम को घर में दी करारी शिकस्त

ऑफ स्पिनर स्नेह राणा के 4 विकेट की बदौलत भारत ने प्रतिष्ठित लॉर्ड्स मैदान पर खेले गए पहले महिला क्रिकेट टेस्ट मैच के चौथे और अंतिम दिन इंग्लैंड को 270 रन से हरा दिया।

एजेंसी ▶▶| लंदन

भारत को एकमात्र टेस्ट के अंतिम दिन जीत के लिए 4 विकेट की दरकार थी और स्नेह (42 रन पर 4 विकेट) की अगुआई में मेहमान टीम ने इंग्लैंड को 62.5 ओवर में 186 रन पर समेटकर मुकाबला अपने नाम किया। सयाली सतघरे (24 रन पर 2 विकेट), दीप्ति शर्मा (36 रन पर 2 विकेट) और क्रांति गौड़ (54 रन पर 2 विकेट) ने भी दो-दो विकेट हासिल किए। विकेटकीपर बल्लेबाज ऐमी जोन्स 80 गेंद में 54 रन बनाकर इंग्लैंड की ओर से शीर्ष स्कोरर रही जबकि अंतिम बल्लेबाज के दौरान पर आउट होने वाली सोफी एकलेस्टोन ने 50 रन की पारी खेली।

भारतीय गेंदबाज रहीं हावी

इंग्लैंड ने अंतिम दिन की शुरुआत 6 विकेट पर 130 रन से आगे खेलते हुए की और 90 मिनट से अधिक बल्लेबाजी की लेकिन आखिरकार भारतीय गेंदबाजों के सामने घुटने टेक दिए। भारत ने मेजबान टीम के सामने 457 रनों का विशाल लक्ष्य रखा था। ऐमी अंतिम दिन आउट होने वाली पहली बल्लेबाज रहीं। उन्हें स्नेह ने मिडविकेट पर शेफाली वर्मा के हाथों कैच कराया। क्रांति की गेंद पर दो जीवनदान पाने वाली एकलेस्टोन ने इजी वोंग (33 गेंद में एक रन) के साथ मिलकर भारत के जीत के इंतजार को बढ़ाया लेकिन टीम को हार से नहीं बचा सकीं। दीप्ति ने वोंग और लॉरेन बेल (00) को बोल्ड करके भारत को जीत की दहलीज पर पहुंचाया।

रेड बॉल क्रिकेट में महिलाओं का दबदबा

रेड-बॉल क्रिकेट में भारत का दबदबा कायम है। जीत का यह पल पिछले कुछ दिनों में भारत के शानदार प्रदर्शन को दर्शाता है। पिछले 11 टेस्ट मैचों में टीम ने सात जीत हासिल की हैं, तीन मैच ड्रॉ रहे हैं और सिर्फ एक में हार मिली है। इंग्लैंड में भारतीय महिला टीम का यह 11वां टेस्ट मैच था। वह इंग्लैंड में इस फॉर्मेट में अब भी अजेय है।

यास्तिका और क्रांति का नाम ऑनर बोर्ड पर दर्ज

भारत के लिए इस मैच में यास्तिका भाटिया ने शतक लगाया और क्रांति गौड़ ने पांच विकेट लेकर अपना नाम ऑनर बोर्ड पर दर्ज करवाया। दोनों महिला क्रिकेट में यहां ऑनर बोर्ड पर नाम दर्ज करवाने वाली पहली महिला क्रिकेटर्स हैं। मैच में यास्तिका भाटिया दूसरी पारी में 113 रन बनाकर स्टार बनीं, स्मृति मंधाना 153 रन (83,70) बनाकर इस मैच की टॉप स्कोरर रहीं।

तेंदुलकर और जय शाह रहे स्टेडियम में मौजूद

दिन का खेल शुरू होने से पहले भारतीय टीम को महान सचिन तेंदुलकर से प्रेरणादायक बातें सुनने को मिलीं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के चेयरमैन जय शाह भी तेंदुलकर के साथ स्टैंड से मैच देख रहे थे और बाद में उन्होंने खिलाड़ियों से हाथ मिलाया। यह इंग्लैंड की अनुभवी खिलाड़ियों टैमी ब्यूमोंट और पूर्व कप्तान हीथर नाइट का विदाई मैच भी था।

क्रिकेट

आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ के लिए गिल नामित

एजेंसी ▶▶| दुबई

भारतीय कप्तान शुभमन गिल के साथ बांग्लादेशी ऑलराउंडर मोसाद्देक हुसैन और न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज नाथन स्मिथ को जून महीने के 'आईसीसी मेंस प्लेयर ऑफ द मंथ' अवॉर्ड के लिए नामित किया गया है। शुभमन गिल अफगानिस्तान के खिलाफ भारत की घरेलू सीरीज के दौरान जबरदस्त फॉर्म में थे और उन्होंने टेस्ट और वनडे दोनों फॉर्मेट में टीम की अगुवाई की।

इस दाएं हाथ के बल्लेबाज ने महीने की शुरुआत न्यू चंडीगढ़ में खेले गए एकमात्र टेस्ट में भारत की पारी से जीत के दौरान शानदार 126 रन बनाकर की थी, जो उनके टेस्ट करियर की 11वीं सेंचुरी थी। गिल ने अपनी शानदार फॉर्म को वनडे सीरीज में भी जारी रखा, जहां उन्होंने सिर्फ दो पारियों में 238 रन बनाए। धर्मशाला में खेले गए पहले वनडे में नाबाद 84 रन बनाने के बाद, गिल ने लखनऊ में 154 रन जड़े थे।

बांग्लादेश के मोसाद्देक हुसैन की शानदार वापसी

दूसरी तरफ, बांग्लादेश के मोसाद्देक हुसैन ने चार साल के अंतराल के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट में शानदार वापसी की। इस ऑलराउंडर को ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध बांग्लादेश की ऐतिहासिक 2-1 से वनडे सीरीज जीत में 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया था। हुसैन ने पहले मैच में नाबाद 86 रन बनाने के साथ दो विकेट हासिल किए थे। वह सीरीज में 157 रनों के साथ अपनी टीम के टॉप स्कोरर रहे। वहीं, स्मिथ को इंग्लैंड में यादगार 2-1 से टेस्ट सीरीज जीत दिलाने के लिए न्यूजीलैंड के कमजोर पेस बॉलिंग अटैक की अगुवाई करने का इनाम मिला। स्मिथ ने सीरीज में सर्वाधिक 16 विकेट लिए। इस दौरान लॉर्ड्स में 70 रन देकर 6 विकेट चटकाए। वह 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुने गए थे।

खबर संक्षेप

14 अगस्त से यूपीटी20 रैना ब्रांड एंबेसडर

कानपुर। कानपुर और लखनऊ में होने वाले यूपी टी20 लीग का चौथा सत्र 14 अगस्त से शुरू होगा, जिसमें कुल 34 मैच खेले जाएंगे।

आयोजकों ने घोषणा की कि 24 दिन तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में 13 दिन दो-दो मैच खेले जाएंगे। लीग में छह फ्रेंचाइजी टीम भाग लेंगी। इसके लिए मिनी नीलामी 24 जुलाई को आगरा में की जाएगी। टूर्नामेंट का पहला चरण लखनऊ के अटल बिहारी वाजपेयी एकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। इसके बाद के मैच कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में खेले जाएंगे। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना यूपीटी20 लीग के ब्रांड एंबेसडर बने रहेंगे।

एवियन चैंपियनशिप : संयुक्त 56वें स्थान पर अदिति

एवियन ले बेंस। गोल्फर अदिति अशोक अंतिम दौर में तीन ओवर 74 के लचर प्रदर्शन के साथ 2026 आमुंडी एवियन चैंपियनशिप में संयुक्त रूप से

56वें स्थान पर रहीं। दक्षिण कोरिया की हेइ रेन रयु ने पहले प्ले ऑफ में बर्डी पट के साथ लगातार दूसरा मेजर खिताब अपने नाम किया। शुरुआती तीन दौर में 70, 70 और 69 के स्कोर के साथ अदिति के पास अच्छा नतीजा हासिल करने का मौका था लेकिन वह अंतिम होल में पांच बोगी और दो बर्डी से तीन ओवर का स्कोर ही बना पाईं।

आज से जापान ओपन, सात्विक-चिराग पर नजरें

एजेंसी ▶▶| टोकियो

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार पुरुष युगल जोड़ी चोट से उबरने के बाद मंगलवार 14 जुलाई से शुरू होने वाले जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत की अगुवाई करेगी। पिछले महीने सात्विक की कंधे की चोट के बढ़ जाने के बाद यह तीसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी इंडोनेशिया ओपन से हट गई थी। सात्विक और चिराग अब सिंगापुर ओपन का खिताब जीतने के बाद वहीं से शुरुआत करने के लिए तैयार होंगे। पहले दौर में उनका मुकाबला डेनमार्क के डेनियल लुंडगार्ड और मैड्स वेस्टरगार्ड से होगा।

भारत का दारोमदार लक्ष्य, सिंधू-आयुष पर

एकल में भारत का दारोमदार एक बार फिर लक्ष्य सेन, पीवी सिंधू और आयुष शेट्टी पर टिका होगा। इस साल की शुरुआत में ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने वाले लक्ष्य जापान के कोकी वातानाबे के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगे। आयुष को अपने पहले मुकाबले में थाईलैंड के दूसरी वरीयता प्राप्त और पूर्व विश्व चैंपियन कुनलावत विटिडसर्न के खिलाफ कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा।

सिंधू, मलेशिया की वोंग लिंग चिंग से भिड़ेंगी

सिंधू महिला एकल में मलेशिया की वोंग लिंग चिंग से भिड़ेंगी, जबकि उन्नति हुडा अपने पहले मैच में चीनी ताइपे की हुआंग यू-हसुन का सामना करेंगी। हरिहरन आमसकारुनन और एम आर अर्जुन पुरुष युगल के पहले दौर में चीनी ताइपे के ली झे-हुई और यांग पो-ह्सुआन का सामना करेंगे। ध्रुव कपिला और तनीशा क्रास्टो तथा रोहन कपूर और रुथविका शिवानी गड्डे की मिश्रित युगल जोड़ियां भी इस टूर्नामेंट में अपना भाग्य आजमाएंगी।

अंडर-19 और अंडर-23 बॉक्सिंग प्रतियोगिता : आठ महिला मुक्केबाज फाइनल में, इनमें तीन हरियाणा की

इंडोनेशिया में भारतीय मुक्कों का दबदबा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

इंडोनेशिया में आयोजित की जा रही अंडर-19 और अंडर-23 बॉक्सिंग प्रतियोगिता के फाइनल में भारत की महिला मुक्केबाजों ने धमाकेदार प्रदर्शन करते हुए प्रवेश कर लिया है। सेमीफाइनल मुकाबलों में भारतीय मुक्केबाजों का पूरी तरह से दबदबा देखने को मिला, जिसमें देश की आठ महिला बॉक्सर्स ने अपने-अपने भार वर्ग में विरोधी खिलाड़ियों को एकतरफा मात दी। इस शानदार सफलता में हरियाणा की तीन बेटियों ने रिंग में अपना जबरदस्त दमखम दिखाया। मुकाबलों के विवरण के अनुसार, 51 किलोग्राम भार वर्ग में भारत की चंद्रिका भोरेशी पुजारी ने जापान की रीको मात्सुशिता को 5-0 के अंतर से करारी शिकस्त दी। वहीं, 54 किलोग्राम वर्ग में जयश्री देवी चिरोम ने भी जापानी मुक्केबाज रुना इतो को 5-0 से हराकर फाइनल का टिकट कटाया। 57 किलोग्राम भार वर्ग में प्राची ने किर्गिस्तान की नूरपेरी माकेशोवा पर 5-0 से एकतरफा जीत दर्ज की। हरियाणा की होनहार मुक्केबाज चाहत ने 60 किलोग्राम भार वर्ग में ताइपे की पेउ-चुन त्साई को 5-0 से मात देकर अपनी श्रेष्ठता साबित की। इसके अलावा, 75 किलोग्राम वर्ग में हरियाणा की ही अंशिका ने ताइपे की आन-ची त्सेंग के खिलाफ बेहद आक्रामक शुरुआत की और पहले ही राउंड में रेफरी स्टॉप्स कॉन्टेस्ट (आएससी) के जरिए मुकाबला अपने नाम कर लिया। 80 किलोग्राम भार वर्ग में हरियाणा की मेघा श्योकंद के पंचों के आगे वियतनाम की थी माई अन्ह डाम टिक नहीं सकीं और मुकाबला बीच में ही छोड़ दिया, जिससे मेघा सीधे फाइनल में पहुंच गईं। वहीं, 81+ किलोग्राम से अधिक के हैवीवेट वर्ग में प्राची टोकस ने ताइपे की शू-श्यान वांग को पहले ही राउंड में बाहर का रास्ता दिखाया।

देश-प्रदेश के लिए गौरवशाली क्षण : मेजर सत्यपाल सिंधु

हरियाणा बॉक्सिंग संघ के अध्यक्ष मेजर सत्यपाल सिंधु ने कहा कि यह देश और प्रदेश के लिए अत्यंत गौरवशाली क्षण है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हमारे खिलाड़ियों ने जिस तकनीक और आक्रामकता के साथ रिंग में प्रदर्शन किया है, वह उनकी कड़ी मेहनत और कोचों की सटीक रणनीति को दर्शाता है। उन्होंने विशेष रूप से हरियाणा की तीनों मुक्केबाजों की तारीफ करते हुए कहा कि अंशिका का पहले ही राउंड में विपक्षी को नॉकआउट जैसी स्थिति में लाना और मेघा के दबाव में विरोधी खिलाड़ी का रिंग छोड़ देना यह साबित करता है कि हमारी बॉक्सिंग का स्तर वैश्विक पटल पर कितना ऊंचा हो चुका है।

दोनों दिग्गज 50 ओवर के फॉर्मेट में टीम की सबसे बड़ी ताकत, जसप्रीत बुमराह की भी टीम में वापसी

मायूसी के बाद वनडे में रोहित-कोहली पर टिकी करोड़ों उम्मीदें

एजेंसी ▶▶| बर्मिंघम

दिग्गज खिलाड़ी विराट कोहली और रोहित शर्मा को इंग्लैंड के खिलाफ मंगलवार 14 जुलाई से शुरू होने वाली तीन मैचों की वनडे श्रृंखला में न केवल खुद के लिए अच्छा प्रदर्शन करना होगा, बल्कि टी20 में लगातार हार से आहत भारतीय टीम के मनोबल को बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी। कोहली, रोहित और जसप्रीत बुमराह उस प्रारुप में खेलने के लिए वापसी कर रहे हैं जिसमें द्विपक्षीय मैचों का महत्व और चमक टी20 क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता के चलते खोती जा रही है।लेकिन 39 वर्षीय रोहित और जल्द ही 38 वर्ष के होने वाले कोहली में अब भी जोश और जुनून बरकरार है। वह अब भी वनडे की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में शामिल है और उनका लक्ष्य अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप तक टीम में बने रहना है।

भारत के पास अनुभवी बल्लेबाजों की चौकड़ी

कप्तान शुभमन गिल की वापसी और अनुभवी केएल राहुल की मौजूदगी से भारत के पास अनुभवी बल्लेबाजों की एक शानदार चौकड़ी है, जो किसी भी मैच का रुख पलट सकती है। अगर श्रेयस अय्यर को भी इसमें शामिल कर लिया जाए, तो बल्लेबाजी इकाई को लेकर ज्यादा चिंता की कोई बात नहीं होनी चाहिए।

बुमराह की वापसी से मिलेगी मजबूती

गेंदबाजी इकाई के लिए ऐसा कहा जा सकता है, जिसे बुमराह की वापसी से मजबूती मिलेगी। भारत के नए तेज गेंदबाज गुरनूर बराड़ को इंग्लैंड की पिचों पर अपनी लेंथ को लेकर बिल्कुल अलग चुनौती का सामना करना पड़ेगा। अर्शदीप सिंह बाएं हाथ के तेज गेंदबाज के रूप में निश्चित रूप से टीम को एक नया आयाम देंगे, जबकि शिवम दुबे चौथे तेज गेंदबाज होंगे।

टीमें इस प्रकार

भारतः शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उप-कप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), इशान किशन (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, गुरनूर बराड़, प्रिंस यादव।

इंग्लैंड : हैरी ब्रूक (कप्तान), बेन डकेट, जोस बटलर (विकेटकीपर), टॉम बैंटन, जो रूट, जैकब बेथेल, विल जैक्स, रेहान अहमद, लियाम डॉसन, जेम्स कोल्स, सैम कुरेन, गस एटकिंसन, जोफ्रा आर्चर, जोस टंग, साकिब महमूद, आदिल राशिद।

मैच शुरू होने का समयः दोपहर 3:30 बजे

ग्लोबल साउथ की मजबूत आवाज बनेगा भारत

जयशंकर न्यूयॉर्क में शुरू करेंगे अभियानः यूएनएससी की अस्थाई सदस्यता के लिए भारत करेगा दावेदारी, पहले भी उठ चुकी है मांग

एजेंसी ▶▶ न्यूयॉर्क

भारत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में साल 2028-29 के कार्यकाल के लिए अपनी गैर-स्थाई (अस्थाई) सदस्यता की दावेदारी का औपचारिक अभियान शुरू करने जा रहा है। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में इस विशेष अभियान हैशटैग इंडिया 4 यूएनएससी 2028-29: पीस,प्लानेट, प्रोग्रेसेस यानी शांति, ग्रह और प्रगति की आधिकारिक शुरुआत करेंगे। अपने इस दौरे के दौरान विदेश मंत्री संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस से भी मुलाकात करेंगे, जिसमें वैश्विक सुरक्षा और सुधारों पर चर्चा होने की उम्मीद है। भारत यह अभियान एक ऐसे नाजुक समय पर शुरू कर रहा है, जब पूरी दुनिया रूस-यूक्रेन युद्ध, गाजा संघर्ष और पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव जैसी गंभीर चुनौतियों से जूझ रही है। ऐसे संकट के समय में नई दिल्ली का मुख्य प्रयास खुद को एक बेहद जिम्मेदार वैश्विक शक्ति और विकासशील देशों यानी ग्लोबल साउथ की एक अटूट व मजबूत आवाज के रूप में स्थापित करना है। भारत का लक्ष्य है कि वह विकासशील देशों के हितों को वैश्विक मंच पर प्रमुखता से उठाए।

> भारत 8 बार सुरक्षा परिषद का निर्वाचित सदस्य रह चुका है

> अब 9वीं बार सुरक्षा परिषद का गैर-स्थायी सदस्य बनकर इतिहास रचेगा

ताजिकिस्तान से होगा सीधा मुकाबला

संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में साल 2027 में होने वाले चुनावों में भारत का सीधा मुकाबला एशिया-प्रशांत समूह की एक सीट के लिए ताजिकिस्तान से होगा। कूटनीतिक दृष्टिकोण से यह चुनाव बेहद दिलचस्प होने वाला है। यदि भारत इस चुनाव में जीत हासिल कर लेता है, तो वह 2028-29 के कार्यकाल के लिए नौवीं बार सुरक्षा परिषद का गैर-स्थायी सदस्य बनकर इतिहास रचेगा।

पहले भी मिल चुका है जनसमर्थन

भारत इससे पहले आठ बार-1950-51, 1967-68, 1972-73, 1977-78, 1984-85, 1991-92, 2011-12 और 2021-22 में सुरक्षा परिषद का निर्वाचित सदस्य रह चुका है। विशेष रूप से साल 2010 में हुए चुनावों में भारत को रिकॉर्ड 192 में से 187 वोट मिले थे, जो हाल के वर्षों में किसी भी देश को मिला सबसे मजबूत वैश्विक समर्थन माना जाता है।

यूएनएससी में व्यापक सुधार की मांग को मिलेगी नई धार

हालांकि, भारत की यह कूटनीतिक कवायद केवल 2 साल के लिए अस्थायी सदस्य बनने तक ही सीमित नहीं है। नई दिल्ली इस अभियान के जरिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में व्यापक और ऐतिहासिक सुधारों की अपनी पुरानी मांग को फिर से धार देगी।

भारत का ये है तर्क

- द्वितीय विश्व युद्ध के बाद साल 1945 में गठित की गई 15 सदस्यीय सुरक्षा परिषद आज की आधुनिक वैश्विक हकीकत का प्रतिनिधित्व नहीं करती है।
- परिषद की स्थायी और गैर-स्थायी दोनों श्रेणियों में विस्तार किया जाना अब समय की मांग बन चुका है।
- जब तक इसमें बदलाव नहीं होता, तब तक विकासशील देशों को वैश्विक निर्णय लेने की प्रक्रिया में उचित और न्यायसंगत प्रतिनिधित्व नहीं मिल पाएगा।

पीएम मोदी भी उठा चुके हैं आवाज

हाल ही में इंडोनेशिया की संसद को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार की तात्कालिक आवश्यकता को रेखांकित किया था। उन्होंने दोतरफा रुख साफ करते हुए कहा था कि दुनिया तेजी से बदल रही है और विकासशील देशों को वैश्विक निर्णय प्रक्रिया में समान भागीदारी मिलनी ही चाहिए। स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी थी कि यूएनएससी में सुधारों को अब और ज्यादा टाला नहीं जा सकता।

भारतीय नौसेना के जंगी बेड़े में शामिल होंगे दर्जनभर से अधिक युद्धपोत

हवा-हवाई साबित होगी चीन-पाकिस्तान से मिलने वाली साझा युद्ध की चुनौती

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अरब सागर में अपनी उपस्थिति मात्र से पड़ोसी दुश्मन देश पाकिस्तान के होश उड़ाने वाली भारतीय नौसेना की युद्धक क्षमता में आने वाले वर्षों में चार चांद लगने वाले हैं। जिसके बाद पाकिस्तान के साथ-साथ चीन भी भारत के खिलाफ कोई गुस्ताखी करने से पहले सौ बार सोचेगा। क्योंकि नौसेना के जंगी बेड़े में 16 युद्धपोत (स्टेल्थ फ्रिगेट, डिस्ट्रॉयर और अन्य जहाज) शामिल होंगे।

रक्षा सूत्रों ने बताया कि देश की समुद्री सेना अपने इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए कुल करीब 1 लाख करोड़ रुपए की भारी-भरकम निर्माण लागत के साथ तीन परियोजनाओं पर आगे बढ़ने की दिशा में ध्यान केंद्रित कर रही है। जिसमें प्रोजेक्ट 15सी, 17बी और 18ए मुख्य रूप से शामिल हैं। सभी युद्धपोत नई पीढ़ी के होंगे और इनका निर्माण देश के अंदर स्वदेशी आधार पर किया जाएगा।

आईओआर में बढ़ेगा दबदबा

अगर यह परियोजना धरातल पर समयबद्ध रूप से आगे बढ़ती है और उसके साथ-साथ नौसेना को युद्धपोत मिलते जाएंगे। तो यह उसकी आधुनिकीकरण की प्रक्रिया में रामबाण साबित होंगे। इसके अलावा बल का जंगी बेड़ा मजबूत होने से वह न केवल 360 डिग्री देश की समुद्री सीमाओं और तटों की रक्षा करेगी। बल्कि हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में भी उसकी ताकत काफी बढ़ जाएगी। जो नौसेना को इलाके में मौजूद अपने तमाम प्रतिद्वंदी देशों को एक प्रकार से हद में रहने का स्पष्ट संदेश देगी और दूसरी ओर अपने तमाम भागीदार मित्र देशों को किसी आपात परिस्थिति में तत्काल आधार पर मदद पहुंचाने में भी कारगर साबित होगी। चीन आईओआर में लगातार कई वर्षों से अपनी उपस्थिति को बढ़ाने में लगा हुआ है। एक वक्त में महासागर के इस इलाके में उसके जंगी युद्धपोत, पनडुब्बियां और समुद्री सर्वेक्षण जहाजों की एक साथ मौजूदगी बनी रहती है। इतना ही नहीं चीन अब पाकिस्तान की नौसेना को भी मजबूती प्रदान करने के लिए अपने समुद्री हथियार और प्लेटफार्म दे रहा है।

तीनों प्रोजेक्ट की समयसीमा

- प्रोजेक्ट 15सी-अगले करीब 12 महीने में जारी होगी आरएफपी, निर्माण कार्य अगले तीन साल में शुरू होगा।
- प्रोजेक्ट 17बी- अगले डेढ़ साल से अधिक समय में जारी होगी आरएफपी, निर्माण कार्य आगामी चार वर्षों में शुरू होगा।
- प्रोजेक्ट 18ए- योजना फिलहाल शुरुआती चरण में है, अगले तीन साल में जारी होगी आरएफपी।

इस तरह से बनेंगे 16 युद्धपोत

प्रोजेक्ट 15सी के निर्माण पर आने वाली कुल अनुमानित लागत 50 हजार करोड़ रुपए होगी। जिसके तहत नौसेना को 4 युद्धपोत मिलेंगे। जो कि संभवतः नई पीढ़ी के मिसाइल नाशक डिस्ट्रॉयर होंगे। प्रोजेक्ट 17बी पर 40 हजार करोड़ रुपए का खर्च आ सकता है और इसके तहत 6 स्टेल्थ तकनीक से लैस फ्रिगेट नौसेना को मिलेंगे। जिनका निर्माण कार्य देश के दो प्रमुख जहाज निर्माण डॉकयार्ड में किया जाएगा। 3 युद्धपोत मुंबई स्थित मझगांव डॉकयार्ड लिमिटेड और 3 अन्य कोलकाता के गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स में बनाए जा सकते हैं। जबकि अंतिम प्रोजेक्ट 18ए के तहत आकार में काफी बड़े और अत्यधिक मारक क्षमता से लैस 6 युद्धपोतों का निर्माण किया जाएगा। सभी 16 युद्धपोतों में आधुनिक हथियार, मिसाइल और सेंसर को लगाया जाएगा।

बैंकॉक के पब में आगः 27 की मौत, 60 घायल

बैंकॉक। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक के ना लादप्राओ पब में सोमवार तड़के भीषण आग लग गई। हादसे के वक्त लोग म्यूजिक पर झूम रहे थे, तभी स्टेज के पास सर्किट ब्रेकर से धुआं निकला और धमाके के साथ पूरी जगह आग व घने धुएं की चपेट में आ गई। इस दर्दनाक हादसे में 27 लोगों की मौत हो गई, जबकि 63 घायल हैं, जिनमें 22 की हालत गंभीर है। कई पीड़ितों के शव पिछले हिस्से के रेस्ट रूम से मिले। घटना के खौफनाक वीडियो भी सामने आए हैं, जिनमें लोग जान बचाने के लिए भागते दिख रहे हैं। पीएम अनुतिन चर्नविराकुल ने मौके पर पहुंचकर जांच के आदेश दिए हैं।

विदेश मंत्रालय का नहीं '@MEABharat' नामक कोई सोशल मीडिया अकाउंट, भ्रम में न पड़े जनता

फैक्ट चेक के जरिए मंत्रालय ने मामले में किया दूध का दूध, पानी का पानी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

क्या सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर विदेश मंत्रालय के कई अकाउंट एक साथ एक्टिव हैं? जिनके जरिए आम जनता आवश्यकता पड़ने पर संपर्क कर जानकारी या किसी भी प्रकार की मदद हासिल कर सकती है। जवाब नहीं में मिलेगा वर्तमान में मंत्रालय का जो खाता मुख्य रूप से एक्स प्लेटफार्म पर एक्टिव है। उसे विभाग के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल द्वारा संचालित किया जाता है। सोशल मीडिया पर इसे रणधीर जायसवाल '@MEAIndia' के नाम से जाना जाता है।

यह जानकारी सोमवार को विदेश मंत्रालय ने फैक्ट चेक के माध्यम से स्पष्ट की है। जिसकी पीछे की वजह हालिया समय में मंत्रालय के संज्ञान में आया एक फर्जी एक्स अकाउंट है। जो @MEABharat (Ministry of External Affairs) के नाम से ऑपरेट किया जा रहा है।

जन जागरूकता की कवायद का हिस्सा

गौरतलब है कि यह कोई पहला मामला नहीं है। जब मंत्रालय ने इस तरह से तथ्यों को सार्वजनिक रूप से स्पष्ट किया है। बल्कि उसके द्वारा समय-समय पर ऐसे कई भ्रामक सोशल मीडिया अकाउंट के बारे में आम जनता को जागरूक किया जाता है। आगामी समय में भी यह प्रक्रिया जस की तस बनी रहेगी।

जनता को दी सावधानी बरतने की सलाह

मंत्रालय ने **@MEABharat** नामक इस अकाउंट का एक स्क्रीन शार्ट शेयर करते हुए एक्स पर एक पोस्ट की है। जिसमें बताया गया है कि उन्हें मिला यह एक्स अकाउंट पूरी तरह से फर्जी है और इसका मंत्रालय से कोई लेना देना नहीं है। यह एक प्रकार से मंत्रालय के आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट को कॉपी कर आम जनता को गुमराह कर रहा है। जिसे देखते हुए विदेश मंत्रालय आमजन को मामले में उचित सावधानी बरतने की सलाह देता है।

जापान यात्रा पर रक्षा सचिव, 8वें रक्षा नीति संवाद में की शिरकत

हिंद-प्रशांत क्षेत्र को लेकर दोनों देशों ने प्रतिबद्धता के साथ दोहराया अपना पक्ष

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भारत और जापान के बीच सोमवार को टोक्यो में 8वें रक्षा नीति संवाद का आयोजन किया गया। जिसमें रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने भारत के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। जबकि जापान के प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई अंतरराष्ट्रीय मामलों के रक्षा उप मंत्री कानो कोजी ने की। वार्ता में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय रक्षा सहयोग में हुई प्रगति की समीक्षा की गई और भारत-जापान विशेष रणनीतिक व वैश्विक साझेदारी को और अधिक मजबूत बनाने को लेकर प्रतिबद्धता जताई गई। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि संवाद के दौरान दोनों पक्षों ने क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा परिवेश से लेकर आपसी हितों से जुड़े हुए मुद्दों को लेकर भी विचारों का आदान-प्रदान किया है। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने भारत के साथ जापान की निरंतर भागीदारी की सराहना की और विशेष साझेदारी के तहत व्यावहारिक सहयोग को और अधिक प्रगाढ़ बनाने पर जोर दिया है। वहीं, जापानी मंत्री कोजी ने प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में भारत के साथ रक्षा संबंधों को बढ़ावा देने की वकालत की है। दोनों पक्षों ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र (आईपीआर) में चीन की आक्रामकता का नाम लिए बिना उल्लेख करते हुए एक खुले हुए, स्वतंत्र और नियम आधारित क्षेत्र के गठन को लेकर प्रतिबद्धता जताई है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109